उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद,

संस्कृत भवन, शाहमीना रोड, लखनऊ

शैक्षिक पंचांग 2024–25

Website- www.upmssp.com

Scanned with OKEN Scanner

मूलभूत कर्तव्यानि

प्रत्येकं भारतीयनागरिकस्य कर्तव्यानि निम्नानसारं स्युः ।

(क) संविधानं प्रति प्रति प्रामाणिकत्वम् आदर्शत्वं संस्थानां राष्ट्रध्वजस्य राष्ट्रीयगीतस्य च आदरः ।

(ख) स्वातन्त्र्याय अस्माकंराष्ट्रियसत्यग्रहं प्रेरयताम् आदर्शानां हृदये प्रतिष्ठापनम् अनुसरणं च ।

(ग) भारतस्य सविभौमत्वरू एकतायाः अखण्डिततायाश्च समर्थनं च।

(घ) देशस्य रक्षणं राष्ट्रियसेवायै उद्घोषाणायां जातायां तदनुरणश्च ।

(च) धार्मिक-भाषाकीय-प्रादेशिकेभ्यः धार्मिकेभ्यो वा भेदेभ्यः परं स्थित्वा, समस्तभारतीयेषु साम्मनस्यसमानबन्दुत्वभावनायाः वृद्धिः, स्त्रीणां गौरवहानिकारकव्यवहारत्यागश्च।

(छ) अस्माकं समन्वितसंस्कृतेः समृद्धदायस्य मूल्यं ज्ञात्वा तदवग्रहः ।

(ज) वनानां, तडागानां, नदीनाम् अन्यवन्यपशुपक्षिसहितं प्राकृतिकपर्यावरणरक्षणं तद्वर्धनं तथैव जीवमात्रं प्रति अनुकम्पाभावः ।

(झ) वैज्ञानिकमानसाय, मानवतावादय, जिज्ञासायै भावनाभिज्ञगमाभिबोधः ।

(ट) सामान्नूसम्पत्तिरक्षणं हिंसायाः त्यागश्च ।

(ठ) राष्ट्रं पुरुषार्थस्य सिद्धश्च अधिकाधिकमुन्नतसोपानानि प्रति सततं प्रगतिशीलं स्यात्तदर्थ वैयक्तिकसामूहिकप्रवृतीनां समस्त क्षेत्रेषु श्रेष्ठत्वम् आसादयितुं प्रयत्नः।

(ड़) मात्रा पित्रा अथवा अभिभ्ज्ञवकेन षड्वर्षतः चतुर्दषवर्षं यावत् (६तः १४) वयसे बालकाय अथवा पाल्याय शिक्षणलाभाः देयाः ।

---

* भारतीय संविधानम् : अधिनियमः 51-क

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद,
संस्कृत भवन, शाहमीना रोड, लखनऊ
माध्यमिक संस्कृत विद्यालयों हेतु
शैक्षिक पंचांग 2024–25

प्रदेश में संचालित समस्त माध्यमिक संस्कृत विद्यालयों में पठन – पाठन की सुचारु व्यवस्था, शैक्षिक वातावरण का सृजन एवं गुणवत्ता संवर्द्धन के लिए शैक्षिक पंचांग की व्यवस्था की जा रही है। इस पंचांग के प्रभावी होने से छात्र/छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति बेहतर होगी तथा विद्यालयों में शैक्षिक वातावरण के सृजन का कार्य होने से गुणवत्ता स्तर का उन्नयन होगा।

शैक्षिक सत्र 01 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025

• शैक्षिक सत्र का शुभारम्भ	01 अप्रैल 2024
• प्रथम प्रवेश उत्सव	01 अप्रैल से 30 अप्रैल 2024
• विद्यालय में शैक्षिक वातावरण का सृजन ➢ विद्यालय में साफ–सफाई ➢ शिक्षण हेतु सामग्रियों की व्यवस्था ➢ अभिभावकों से सतत् सम्पर्क ➢ शैक्षिक अभिलेखों का अद्यतन करना	01 अप्रैल से 15 अप्रैल 2024
• शिक्षण अधिगम हेतु पाठों का नियोजन, सूचना संचार तकनीकी संसाधनों की व्यवस्था एवं शिक्षण कार्य	16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2024
• शिक्षक अभिभावक संघ की बैठक	05 मई, रविवार 2024, दिसम्बर 2024
• अप्रैल में सीखी गई विषयवस्तु की पुनरावृत्ति एवं आगामी शिक्षण अधिगम कार्य	01 मई से 20 मई 2024
• ग्रीष्मावकाश	21 मई से 30 जून 2024
• द्वितीय प्रवेश उत्सव	01 जुलाई से 15 जुलाई 2024
• डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश	01 जुलाई से 15 जुलाई 2024
• विद्यालय में साज–सज्जा एवं शैक्षिक वातावरण का सृजन (समय सारिणी आदि)	01 जुलाई से 07 जुलाई 2024
• नियमित शिक्षण अधिगम प्रक्रिया	01 जुलाई 2024 से 31 जनवरी 2025
• पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति	01 फरवरी 2024 से 15 फरवरी 2025
• सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन (पूर्व मध्यमा) ➢ प्रथम आंतरिक मूल्यांकन ➢ द्वितीय आंतरिक मूल्यांकन ➢ तृतीय आंतरिक मूल्यांकन	 अगस्त 2024 अक्टूबर 2024 जनवरी 2025
• त्रैमासिक परीक्षा	सितम्बर 2024
• अर्द्धवार्षिक परीक्षा	नवम्बर 2024

Scanned with OKEN Scanner

• डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा	दिसम्बर 2024
• डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा का परिणाम	जनवरी 2025
• प्री–बोर्ड परीक्षा	जनवरी 2025
• डिप्लोमा पाठ्यक्रम के द्वितीय सेमेस्टर में प्रवेश	1 जनवरी से 15 जनवरी 2025
• वार्षिक परीक्षाएं ➢ प्रायोगिक ➢ लिखित ➢ मूल्यांकन कार्य	 01 फरवरी से 14 फरवरी 2025 15 फरवरी से 10 मार्च 2025 20 मार्च से 30 मार्च 2025
• वार्षिक परीक्षा परिणाम की घोषणा	अप्रैल 2025 प्रथम सप्ताह
• बोर्ड परीक्षा 2024 हेतु ➢ नामांकन ➢ आवेदन पत्र पूर्ण करना ➢ परीक्षार्थियों के विवरण में त्रुटि सुधार ➢ परीक्षार्थियों का विवरण बोर्ड को उपलब्ध कराना।	 01 अगस्त से 15 अगस्त 2024 16 अगस्त से 15 सितम्बर 2024 16 सितम्बर से 30 सितम्बर 2024 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2024

शैक्षिक सम्प्राप्ति में गुणवत्ता संवर्द्धन हेतु नियोजन

- दूरदर्शन द्वारा प्रसारित शैक्षिक कार्यक्रमों का शिक्षण अधिगम में उपयोग
  - ➢ विभिन्न चैनलों द्वारा प्रसारित आडियो/वीडियोज का शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में शामिल करना।
  - ➢ प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों की समय–सारिणी से विद्यार्थियों को प्रत्येक माह अवगत कराना।
  - ➢ विद्यार्थियों द्वारा विद्यालय से पृथक अवलोकित कार्यक्रमों की समीक्षा तथा सन्दर्भित विषयवस्तु पर पुष्टिकरण हेतु चर्चा।

- समस्त मण्डलीय उप निरीक्षक संस्कृत पाठशालाएं द्वारा सघन अभियान चलाकर प्रत्येक विद्यालय में प्रवेश की कार्यवाही करायी जायेगी तथा यह सुनिश्चित किया जायेगा कि प्रत्येक कक्षा में मानक के अनुरूप प्रवेश अवश्य हो जाएं। इस हेतु प्रधानाचार्यों एवं अभिभावकों के साथ अभिप्रेरण कार्य प्रभावी ढंग से किया जायेगा तथा उसका विवरण उच्चाधिकारियों को नियमित रूप से उपलब्ध कराया जायेगा।

- मण्डलीय संयुक्त शिक्षा निदेशकों द्वारा अपने मण्डल के लिए निरीक्षण एवं अकादमिक अनुसमर्थन की योजना अपने मण्डल के उप निरीक्षक के साथ विचार–विमर्श कर तैयार

Scanned with OKEN Scanner

करायी जायेगी, जिससे कि समय–समय पर विद्यालयों में शिक्षण अधिगम एवं अन्य क्रियाकलापों का अनुश्रवण सुगम हो सके तथा शिक्षकों को शिक्षण में अनुसमर्थन प्रदान किया जा सके। तैयार योजना के अनुसार प्रत्येक माह आयोजित कार्यों की समीक्षा की जायेगी

- हिन्दी एवं आधुनिक विषयों में एन0सी0ई0आर0टी0 का पाठ्यक्रम लागू किया गया हैं। सम्बन्धित विषयों की पुस्तकें यू0पी0बोर्ड अथवा एन0सी0ई0आर0टी0 वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती हैं।

- विद्यालयों में अन्य विभागों की संदर्भ सेवाओं का लाभ लिया जायेगा, जिसके अन्तर्गत विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं लाभकारी योजनाओं के साथ ही निरोगी काया के लिए उपयोगी चिकित्सा परामर्श सेवाओं से विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जायेगा। इस हेतु प्रत्येक उप निरीक्षक संस्कृत पाठशालाएं अपने मण्डल में लाइजनिंग का कार्य करेंगे।

- प्रत्येक माह के अन्तिम कार्य दिवस में मध्यान्ह अवकाश के पश्चात प्रधानाचार्य द्वारा इन–हाउस बैठक का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सम्पन्न कार्यों की समीक्षा एवं आगामी कार्यक्रमों पर चिन्तन किया जायेगा। इस बैठक में विद्यालय के मेधावी छात्र–छात्राओं को भी शामिल किया जाएगा।

- सभी माध्यमिक संस्कृत विद्यालयों के प्रधानाचार्य/शिक्षक एक दैनन्दिनी रखेंगे, जिसमें उनके द्वारा पढाये जाने वाले विषयों का नियोजन एवं शिक्षण के समय अनुभूत कठिनाइयों का उल्लेख किया जायेगा तथा यह भी लिखा जायेगा कि समस्या का समाधान किस विधि/विधा से किया। विद्यालय में आगन्तुक निरीक्षण/पर्यवेक्षण अधिकारियों को इसका अवलोकन करायेंगे तथा उनसे प्राप्त सुझावों का पालन करेंगे।

- प्रधानाचार्यों का नेतृत्व क्षमता एवं शिक्षकों का शिक्षण क्षमता संवर्द्धन हेतु चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। इस कार्यक्रम में आमंत्रण पर प्रधानाचार्यो/शिक्षकों द्वारा प्रतिभागिता सुनिश्चित की जायेगी।

- महापुरूषों/स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के जन्मदिवस/जयन्ती दिवस पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित होंगे तथा भित्तिचित्र/पोस्टर एवं वाद–विवाद के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होगा।

- विद्यालय में प्रत्येक दिवस पठन–पाठन प्रारम्भ करने के पूर्व 20 मिनट प्रार्थना सभा के लिए निर्धारित रहेंगे, जिसमें ईश–वन्दना, राष्ट्रगान, योगासन के साथ ही ''आज का सुविचार'' शीर्षक के अन्तर्गत प्रेरणादायी विचारों की प्रस्तुति होगी। इस सभा में विद्यार्थियों को भी नैतिक उत्थान हेतु विचार प्रस्तुतीकरण का पूर्ण अवसर दिया जायेगा। विद्यार्थीगण समसामयिक विषयों पर प्रस्तुतीकरण दें, इसके लिए उन्हें प्रेरित किया जायेगा।

Scanned with OKEN Scanner

- आज के सुविचार की एक पंजिका बनायी जायेगी माह के अन्त में सर्वश्रेष्ठ सुविचार प्रस्तुत करने वाले विधार्थी को प्रार्थना सभा में सम्मानित किया जायेगा।

- 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के अन्तर्गत भाषा संगम हेतु संविधान में वर्णित भाषाओं में परिचय का अभ्यास कराया जायेगा, जिससे अपनी मातृभाषा के साथ ही भारत की अन्य भाषाओं के प्रति लगाव व जानकारी बढेगी।

- प्रत्येक विद्यालय में स्काउट एवं गाइड के एक दल का गठन किया जायेगा। जिला विद्यालय निरीक्षक के मार्गदर्शन में यथा आवश्यकता आयोजित कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया जायेगा।

- निरीक्षक, संस्कृत पाठशालाएं, उत्तर प्रदेश प्रयागराज द्वारा निर्गत विद्यालय समय सारिणी/अवकाश पचांc के अनुसार प्रत्येक माह की प्रतिपदा एवं अष्टमी को अवकाश रहेगा एवं रविवार कार्य दिवस है। शासन एवं जिलाधिकारी द्वारा घोषित दिवसों को भी अवकाश रहेगा।

- प्रत्येक विद्यालय में 'निर्वाचन साक्षरता क्लब' के माध्यम से पूर्व मध्यमा (प्रथम) से उत्तर मध्यमा (द्वितीय) तक पढने वाले विद्यार्थियों को निर्वाचन आयोग द्वारा की गई व्यवस्थानुसार विभिन्न खेलों के माध्यम से निर्वाचन प्रक्रिया का ज्ञानार्जन कराया जाएगा तथा भविष्य के मतदाता के रूप में उन्हे जागरूक किया जाएगा। निर्वाचन साक्षरता क्लब की गतिविधियों हेतु विषय सामग्री निर्वाचन आयोग की वेबसाइट से ली जा सकती है।

- विद्यालय समय में विद्यार्थियों की आपसी वार्ता/बातचीत संस्कृत भाषा में हो, इसके लिए उन्हे प्रेरित किया जाएगा। वार्ता/बातचीत का अभ्यास करने हेतु विद्यार्थियों को पर्याप्त अवसर एवं मार्ग दर्शन दिया जाएगा।

- प्रत्येक विद्यालय में छात्र/छात्राओं का प्रवेश एक उत्सव के रूप में आयोजित किया जायेगा, जिसका पहला चरण 01 अप्रैल से 30 अप्रैल 2024 तथा दूसरा चरण 01 जुलाई से 15 जुलाई 2024 तक होगा।

- विद्यालय की समय सारिणी आठ कालांश में विभाजित रहेगी। प्रत्येक वादन ग्रीष्मकाल में 35 मिनट एवं शीतकाल में 40 मिनट अवधि का होगा। मध्यावकाश का समय 25 मिनट रखा जाएगा।

- शैक्षिक गुणवत्ता एवं मनोविज्ञान की दृष्टि से वादनों में विषय आवंटन इस प्रकार किया जाएगा कि अपेक्षाकृत कठिन विषय के बाद सरल विषय का कालांश होगा। परम्परागत

Scanned with OKEN Scanner

विषयों का पठन–पाठन मध्यान्ह से पूर्व तथा आधुनिक विषयों का मध्यान्ह के पश्चात किया जाना उपयोगी होगा।

- प्रत्येक विद्यालय के मुख्यद्वार पर एक श्यामपट्ट की व्यवस्था रखी जायेगी। जिस पर प्रतिदिन संस्कृत में एक श्लोक/नीतिवाक्य तथा उसका हिन्दी भावार्थ अंकित किया जायेगा। यह कार्य विद्यालय के शिक्षकों की देख–रेख में होगा।

- विद्यालय की समय सारिणी में प्रत्येक कक्षा के लिए एक कालांश पुस्तकालय हेतु रहेगा जिससे सभी विद्यार्थियों को सप्ताह में एक दिन अवश्य ही पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों को पढ़ने का अवसर मिले।

- विद्यार्थियों के समग्र विकास एवं अन्तर्निहित क्षमताओं को पहचान कर अध्ययन–अध्यापन के पारम्परिक तरीकों से पृथक बाल केन्द्रित सहगामी क्रियाओं के माध्यम से सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को आनन्ददायी बनाने के लिए प्रत्येक शनिवार को कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा।

- प्रत्येक विद्यालय में पर्यावरण क्लब के माध्यम से विद्यालय में पौधारोपण कराया जाएगा तथा जल संचयन एवं स्वच्छता आदि कार्यों द्वारा उनके माध्यम से जागरूकता लाई जाऐगी।

- विद्यार्थियों में सृजनात्मक कौशल तथा वैज्ञानिक अभिवृत्ति एवं अभिरूचि विकसित करने की दृष्टि से आयोजित होने वाली समस्त प्रतियोगिता शनिवार को विद्यालय में ही आयोजित की जायेगी। जिनमें खेलकूद, वाद–विवाद, भाषण, निबन्ध लेखन, भित्ति चित्र बनाना आदि शामिल होंगे। विद्यार्थियों की इन सभाओं में प्रत्येक माह पारम्परिक घेरलू कुटीर उद्योग का व्यवहारिक प्रदर्शन कराया जाएगा यथा–मिट्टी के बर्तन, खिलौना बनाना, सूत कातना, चरखा का उपयोग करना, बंधेज रंगाई आदि। इन विधाओं के लिए स्थानीय कारीगरों को विद्यालय में आमंत्रित किया जाएगा।

<u>शनिवार के कार्यक्रम</u>

प्रथम शनिवार	उत्तर प्रदेश को पहचानों
द्वितीय शनिवार	भाषा, कौशल विकास
तृतीय शनिवार	मैं वैज्ञानिक बनूंगा
चतुर्थ शनिवार	मेरे अपनों के साथ सभा

- जेण्डर संवेदीकरण कार्य के अन्तर्गत बालिका सशक्तीकरण पर प्रति सप्ताह एक कालांश में कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

Scanned with OKEN Scanner

- समस्त विद्यालयों में वार्षिक उत्सव एवं पूर्व छात्र सम्मेलन का (सखा संगम) का आयोजन किया जाएगा।
- माह दिसम्बर 2024 में आयोजित शिक्षक अभिभावक संघ की बैठक में अर्द्धवार्षिक परीक्षा के परिणामों से अभिभावकों को अवगत कराया जायेगा।
- राष्ट्रीय पर्वों पर उत्सव उसी दिन विद्यालय में ही शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों द्वारा मिल–जुलकर मनाया जायेगा।
- ''विश्व योग दिवस–21 जून, विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस – 21 अगस्त, बाल दिवस– 14 नवम्बर, अंतराष्ट्रीय दिवयांग दिवस– 03 दिसम्बर, महान गणितग् रमानुज का जन्म दिवस – 23 दिसम्बर एवं उत्तर प्रदेश दिवस– 24 जनवरी'' का आयोजन निर्धारित तिथियों में विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा प्रणाली के लिए एक ऐतिहासिक पहल है, जिसमें शिक्षा क्षेत्र में गहन सुधार और प्रणालीगत बदलाव का आ;ान किया गया है। इस नवीन शिक्षा नीति में जीवन कौशल को पाठ्यक्रम में शामिल करने की अनुशंसा की गई है। अनेक अवसरों पर पढ़े लिखे व्यक्तियों का आचरण इस प्रकार का होता है जो कि सामाजिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं होता। इस आधार पर ऐसे व्यक्तियों के लिए कहा जाता है कि ''पढ़े हो पर गुने नहीं हो''। इसलिए जीवन कौशलों के माध्यम से विद्यार्थियों में ''कुशलताओं एवं दक्षताओं का विकास किया जायेगा।

  जीवन कौशल मुख्यतः तीन कैटेगिरी में विभाजित है–

  1. सीखने के कौशल–
     - चिंतनशील सोंच एवं समस्या समाधान
     - रचनात्मकता एवं नवाचार
     - सहयोग
     - संचार कौशल
  2. साक्षरता के कौशल–
     - सूचना साक्षरता
     - मीडिया साक्षरता
     - प्रौद्योगिकी साक्षरता
  3. जीवन कौशल–
     - लचीलापन एवं अनुकूलनशीलता
     - नेतृत्व क्षमता एवं जिम्मेदारी
     - पहल करना एवं स्व–निर्देशन
     - उत्पादकता एवं जवाबदेही
     - सामाजिक एवं बहु सांस्कृतिक संवाद
- संस्कृत भारत की प्राचीन भाषा है। यह ऐसी भाषा है जिससे अन्य कई भाषाओं का जन्म हुआ है। रक्षाबंधन के दिन अर्थात श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन जब श्रवण नक्षत्र एवं

Scanned with OKEN Scanner

पूर्णिमा का संयोग होता है तो उसे श्रावणी कहा जाता है। यह दिन ज्ञान की साधना का पर्व माना जाता है। मनुस्मृति में इस दिन को उपाकर्म करने का दिन कहा गया है। वर्ष 1969 में शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार ने रक्षाबंधन के दिन संस्कृत दिवस आयोजन का निर्णय लिया था जिसका उद्देश्य आने वाली पीढी को वैदिक भाषा से परिचित कराया एवं प्रचार–प्रसार करना है। इसी उपलक्ष्य में एक सप्ताह कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना है। प्रस्तावित कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है–

प्रथम दिवसः–

- प्रत्येक विद्यालय में सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण दीप प्रज्जवलन के साथ संस्कृत सप्ताह का शुभारम्भ।
- संस्कृत से सम्बन्धित साहित्य, ग्रंथ एवं उपलब्ध सामग्री की प्रदर्शनी का आयोजन।
- संस्कृत भाषा में एक दूसरे का परिचय/अभिवादन।

द्वितीय दिवसः–

- संस्कृत की महत्ता पर छात्र–छात्राओं की अभिव्यक्ति एवं संस्कृत भाषा में लेख–लेखन। विषयः–
  1. संस्कृत से प्रभावित है, भारतीय संस्कृति।
  2. सभी भाषाओं की जननी है संस्कृत।
  3. संस्कृत पढने के लाभ।
  4. संस्कृत और संस्कार।
  5. संस्कृत भाषा नैतिक मूल्यों की भाषा है।

तृतीय दिवसः–

- संस्कृत श्लोकों का सस्वर वाचन।
- संस्कृत सम्भाषण।
- संस्कृत सुभाषित श्लोक एवं अनका अर्थ बताना।
- संस्कृत पुस्तकों पर आधारित संस्कृत नाटकों का मंचन।

चतुर्थ दिवसः–

- सेवानिवृत्त शिक्षकों, छात्रों एवं संस्कृत शिक्षकों का सम्मान तथा परिचर्चा :– विषय – संस्कृत भाषा का अध्ययन जरूरी है अथवा नहीं।
- छात्रों में 'हाइकु काव्य रचना' प्रतियोगिता का आयोजन। (कम शब्दों में अधिक अभिव्यक्ति, तीन लाइन कविता 5, 7, 5 शब्दों में) विद्यार्थी अद्वितीय शब्दों और वाक्यांशो के माध्यम से संस्कृत भाषा में मनोरम ''हाइकु'' बनाना सीखेंगे। उदाहरणार्थ–

1 गतोऽन्धदेशं
  दर्पण–विक्रयार्थम्,
  मोघः प्रयत्नः।

2 स्वादशब्देन
  पुंसः रिपुद्विरूपा

Scanned with OKEN Scanner

तस्य रसना।

- भारत के संविधान में वर्णित मूल कर्तव्यों के प्रति छात्र–छात्राओं को जागरूक करना।

पंचम् दिवसः–

- संस्कृत की विभूतियों यथा–कालिदास, पाणिनी, महर्षि वेदव्यास, वाल्मीकि एवं अन्य संस्कृत विद्वानों की कृतियों पर चर्चा।
- हिन्दी की छोटी–छोटी कहानियों का संस्कृत में अनुवाद करते हुए प्रतियोगिता का आयोजन।

षष्ठम् दिवसः–

- वेद, उपनिषद, ब्राह्मण ग्रंथ, आरण्यक आदि विषयों को आधार बनाकर विद्वानों के विचार आमंत्रित करना।
- संगोष्ठी का आयोजन।

  विषय –(अ) शाला शिक्षा में संस्कृत भाषा का विकास।

  (ब) संस्कृत में विज्ञान।

सप्तम् दिवसः–

- सप्ताह में आयोजित कार्यक्रमों की झलकियॉ/गतिविधियों का संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण।
- ग्राम/कस्बा/जनप्रतिनिधियों/संस्कृत विद्वानों को आमंत्रित कर संस्कृत सप्ताह का समापन।
- संक्षिप्त रैली का आयोजन। रैली के लिए नारे/स्लोगन का नमूना

  1. जयतु जयतु संस्कृत भाषा।
  2. मधुरा भाषा संस्कृत भाषा।
  3. वदतु वदतु संस्कृत भाषा।
  4. संस्कृत रक्षा संस्कृति रक्षा।
  5. वदतु संस्कृतम् पठतु संस्कृतम्।
  6. जयतु उत्तर प्रदेशम् जयतु भारतम्

,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

जलबिंदुनिपातेन पूर्यते घटः,
शुभस्य शीघम्।

Scanned with OKEN Scanner

पूर्व मध्यमा(प्रथम)
अनिवार्य संस्कृतम्
(खण्ड क)

भाग	क्रमांक	इकाई / पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
	1	क) नीतिसंग्रहः (तित्रलाभः)	30	10
	2	ख) रघुवंशिहाकाव्यि् (द्वितीय 1-25 श्लोकपर्यन्तम्)	30	10
	3	ग) छन्दसां लक्षणोदाहरणज्ञानम्- अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा,उपेन्द्रवज्रा,भुजङ्.गप्रयातम्, वसन्ततिलका,शालिनी,स्रग्विणी	15	05
	4	घ) रचनानुवादकौमुदी (1-15 अभ्यासाः) संस्कृतानुवादः, शब्दरूपाणि, धातुरूपाणि	25	10
		सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन		**15**
		योग	100	**50**

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	नीतिसंग्रह मित्रलाभ तथा रचनानुवादकौमुदी में 01 अभ्यास	शिक्षकों द्वारा कवि के कृतित्व व्यक्तित्व श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है।
मई	नीतिसंग्रह मित्रलाभ तथा रचनानुवादकौमुदी में 02 अभ्यास	शिक्षकों द्वारा श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों मे से गृहकार्य देना।
जुलाई	नीतिसंग्रह मित्रलाभ तथा रचनानुवादकौमुदी में 03 अभ्यास	शिक्षकों द्वारा श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।
अगस्त	नीतिसंग्रह मित्रलाभ तथा अनुष्टुप् छन्द तथा रचनानुवादकौमुदी में 04 अभ्यास	शिक्षकों द्वारा श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।
सितम्बर	रघुवंशमहाकाव्य द्वितीय सर्ग 1–05 श्लोक तथा आर्या छन्द तथा रचनानुवादकौमुदी में 05–06 अभ्यास	शिक्षकों द्वारा कवि के कृतित्व व्यक्तित्व श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	रघुवंशमहाकाव्य द्वितीय सर्ग 06–10 श्लोक तथा इन्द्रवज्रा तथा रचनानुवादकौमुदी में 07–08 अभ्यास	शिक्षकों द्वारा श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।
नवम्बर	रघुवंशमहाकाव्य द्वितीय सर्ग 11–15 श्लोक तथा उपेन्द्रवज्रा तथा रचनानुवादकौमुदी में 08–09 अभ्यास	शिक्षकों द्वारा श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।

Scanned with OKEN Scanner

दिसम्बर	रघुवंशमहाकाव्य द्वितीय सर्ग 16–25 श्लोक तथा भुजंगप्रयातम् तथा रचनानुवादकौमुदी में 09–10 अभ्यास	शिक्षकों द्वारा श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।
जनवरी	नीतिसंग्रह मित्रलाभ/रघुवंशमहाकाव्य पुनराभ्यासः तथा रचनानुवादकौमुदी में 11–12 अभ्यास	शिक्षकों द्वारा पढ़ाये गये विषयों का पुनः अभ्यास कराना।
फरवरी	नीतिसंग्रह मित्रलाभ/रघुवंशमहाकाव्य पुनराभ्यासः तथा रचनानुवादकौमुदी में 13–15 अभ्यास	शिक्षकों द्वारा पढ़ाये गये विषयों का पुनः अभ्यास कराना।

पूर्व मध्यमा(प्रथम)
अनिवार्य संस्कृतम्
(खण्ड ख)

भाग	क्रमांक	इकाई/पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
1	1	ड.) मध्यसिद्धान्तकौमुदी (आदितः अव्ययप्रकरणान्तम्) अथवा लघुसिद्धान्तकौमुदी (हलन्तप्रकरणत: अव्ययप्रकरणपर्यन्तम्) (व्याकरणेतरच्छात्राणां कृते अनिवार्यम् , व्याकरणच्छात्राणां कृते वैकल्पिकम्) अथवा तर्कसंग्रहः सपदकृत्यम् (प्रत्यक्षतः अनुमानखण्डपर्यन्तम्) अथवा योगदर्शनम् (प्रथमपादस्य १-३२ सूत्रपर्यन्तं तथा च द्वितीयपादस्य २९-५५ सूत्रपर्यन्तम्) व्यासभाष्यमनुसृत्य	110	35
		सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन		**15**
		योग	110	**50**

माहवार नियोजन
(लघुसिद्धान्तकौमुदी)

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	लघुसिद्धान्तकौमुदी में संज्ञाप्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
मई	लघुसिद्धान्तकौमुदी में अच्सन्धि प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों मे से गृहकार्य देना।
जुलाई	लघुसिद्धान्तकौमुदी में हल्सन्धि, प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
अगस्त	लघुसिद्धान्तकौमुदी में विसर्गसन्धि अजन्तपुल्लिंग प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।

Scanned with OKEN Scanner

सितम्बर	लघुसिद्धान्तकौमुदी में अजन्तस्त्रीलिंग, प्रकरणम	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	लघुसिद्धान्तकौमुदी में अजन्त नपुंसकलिंग	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
नवम्बर	लघुसिद्धान्तकौमुदी में हलन्तपुल्लिंग	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
दिसम्बर	लघुसिद्धान्तकौमुदी में हलन्तस्त्रीलिंग,	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
जनवरी	लघुसिद्धान्तकौमुदी में हलन्त नपुंसकलिंग प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
फरवरी	लघुसिद्धान्तकौमुदी में अव्ययप्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।

Scanned with OKEN Scanner

माहवार नियोजन

अनिवार्य संस्कृतम् (तर्कसंग्रह)

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	मंगलाचरण	ग्रन्थकार का परिचय तथा तर्कसंग्रह सम्बन्धित विस्तृत भूमिका समझाना एवं लिखाना अनिवार्य है।
मई	उद्देश्यप्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा पदार्थ और द्रव्य की परिभाषाओं तथा भेद प्रभेद पदकृत्य का ज्ञान कराना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों मे से गृहकार्य देना।
जुलाई	उद्देश्यप्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा गुण विभाजन कर्म भेद सामान्य भेद विशेष समवाय अभाव की परिभाषाएँ और पदकृत्य हिन्दी अर्थ की विस्तृत जानकारी कराना अनिवार्य है।
अगस्त	द्रव्यलक्षणप्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा पृथिवी ,जल, तेज, वायु का लक्षण पदकृत्य हिन्दी अर्थ उदाहरण सहित लिखाना समझाना अनिवार्य है।
सितम्बर	द्रव्यलक्षणप्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा आकाश, काल, दिशा, आत्मा, मन का लक्षण पदकृत्य हिन्दी अर्थ उदाहरण सहित लिखाना समझाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	गुणलक्षणप्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा रुप, रस, गन्ध, स्पर्श, पाकज का लक्षण पदकृत्य हिन्दी अर्थ उदाहरण सहित लिखाना समझाना अनिवार्य है।
नवम्बर	गुणलक्षणप्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा संख्या, परिमाण, पृथक्त्व, संयोग, विभाग का लक्षण पदकृत्य हिन्दी अर्थ उदाहरण सहित लिखाना समझाना अनिवार्य है।
दिसम्बर	गुणलक्षणप्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा परत्वापरत्व, गुरुत्व, द्रवत्व, स्नेह, शब्द, बुद्धि, स्मृति का लक्षण पदकृत्य हिन्दी अर्थ उदाहरण सहित लिखाना समझाना अनिवार्य है।
जनवरी	गुणलक्षणप्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा अनुभव, करण, कारण, प्रत्यक्षज्ञान, के भेद प्रभेद पदकृत्य सम्यक् प्रकार हिन्दी माध्यम संस्कृत माध्यम से पढ़ाना समझाना अनिवार्य है।
फरवरी	गुणलक्षणप्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा अनुभव, करण, कारण, प्रत्यक्षज्ञान, के भेद प्रभेद पदकृत्य सम्यक् प्रकार हिन्दी माध्यम संस्कृत माध्यम से पढ़ाना समझाना अनिवार्य है।

Scanned with OKEN Scanner

पूर्व मध्यमा(प्रथम)
नव्यव्याकरणम्

भाग	क्रमांक	इकाई / पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
1		नव्यव्याकरणम् (क) सिद्वान्तकौमुदी 1. संज्ञाप्रकरणम्	30	10
2		2. सन्धिप्रकरणम्	60	20
3		3. अजन्तप्रकरणम्	60	20
4		4. हलन्तपुल्लिंगप्रकरणतः अव्ययप्रकरणपर्यन्तम्	60	20
		सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन		**30**
		योग	210	**100**

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	संज्ञा प्रकरणम्	सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रुप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है।
मई	सन्धि प्रकरणम् (अच् सन्धि)	सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रुप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक	पढ़ाये गये विषयों मे से गृहकार्य देना। ग्रीष्मावकाश
जुलाई	हल् सन्धि	सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रुप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है।
अगस्त	विसर्ग सन्धि	सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रुप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है।
सितम्बर	अजन्तपुल्लिंग	सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रुप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है।
अक्टूबर	अजन्त स्त्रीलिंग, नपुंसकलिंग	सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रुप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है।
नवम्बर	हलन्त पुल्लिंग	सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रुप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है।
दिसम्बर	हलन्त स्त्रीलिंग,	सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रुप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है।
जनवरी	हलन्त नपुंसक	सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रुप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है।

Scanned with OKEN Scanner

फरवरी	अव्ययप्रकरणम	सम्पूर्ण प्रकरण को शिक्षकों द्वारा अनिवार्य रुप से सूत्रों का अर्थ एवं पद पदार्थ समझाना और उन सूत्रों का लक्ष्य लक्षस्थल संघटन एवं साधनिका प्रक्रिया का बोध कराना अनिवार्य है।

पूर्व मध्यमा(प्रथम)
साहित्यम्

भाग	क्रमांक	इकाई / पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
1		साहित्यम् क) कुमारसम्भवम् (प्रथमसर्गः	60	20
2		ख) कुमारसम्भवम् (द्वितीयसर्गः)	60	20
3		ग) रघुवंशमहाकाव्यम् (पञ्चम: सर्गः)	90	30
		सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन		**30**
		योग	210	**100**

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग / रघुवंश पंचम सर्ग	शिक्षकों द्वारा रघुवंश एवं कुमारसम्भव के रचयिता तथा उनका जीवन परिचय एवं काव्य परिचय काव्यविधा खण्ड अलंकारों का ज्ञान कराना अनिवार्य है।
मई	कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग / रघुवंश पंचम सर्ग	शिक्षकों द्वारा प्रत्येक सर्ग से प्रतिदिन एक–एक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 05 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों मे से गृहकार्य देना।
जुलाई	कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग / रघुवंश पंचम सर्ग	शिक्षकों द्वारा प्रत्येक सर्ग से प्रतिदिन एक–एक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 10 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है।
अगस्त	कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग / रघुवंश पंचम सर्ग	शिक्षकों द्वारा प्रत्येक सर्ग से प्रतिदिन एक–एक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 20 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है।
सितम्बर	कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग / रघुवंश पंचम सर्ग	शिक्षकों द्वारा प्रत्येक सर्ग से प्रतिदिन एक–एक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 20 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग / रघुवंश पंचम सर्ग	शिक्षकों द्वारा प्रत्येक सर्ग से प्रतिदिन एक–एक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 20 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है।
नवम्बर	कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग / रघुवंश पंचम सर्ग	शिक्षकों द्वारा प्रत्येक सर्ग से प्रतिदिन एक–एक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 20 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है।

Scanned with OKEN Scanner

दिसम्बर	कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग/रघुवंश पंचम सर्ग	शिक्षकों द्वारा प्रत्येक सर्ग से प्रतिदिन एक–एक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 20 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है।
जनवरी	कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग/रघुवंश पंचम सर्ग	शिक्षकों द्वारा प्रत्येक सर्ग से प्रतिदिन एक–एक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 15 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है।
फरवरी	कुमारसम्भवम् प्रथम सर्ग/रघुवंश पंचम सर्ग	शिक्षकों द्वारा प्रत्येक सर्ग से प्रतिदिन एक–एक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 10 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है।

पूर्व मध्यमा(प्रथम)
सामाजिक विज्ञान

भाग	क्रमांक	इकाई/पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
1		भारत और समकालीन विश्व –(इतिहास) क) कुमारसम्भवम् (प्रथ	60	20
2		समकालीन भारत –(भूगोल)	55	20
3		लोकतान्त्रिक राजनीति (नागरिक शास्त्र)	50	15
4		अर्थव्यवस्था (अर्थशास्त्र)	50	15
		प्रोजेक्ट कार्य (सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन)		30
		योग	215	100

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	इतिहास भूगोल	फ्रांसीसी क्रान्तिः भारत– आकार एवं स्थिति, भारत का भौतिक स्वरूप
मई	इतिहास भूगोल	मानचित्र कार्य– फ्रांसीसी क्रान्तिः भारत का अपवाह तन्त्र, जलवायु
जून		ग्रीष्मावकाश
जुलाई	इतिहास भूगोल नागरिक शास्त्र	यूरोप में समाजनाद एवं रूसी क्रान्ति प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी लोकतन्त्र क्या और क्यूँ?
अगस्त	इतिहास भूगोल नागरिक शास्त्र अर्थशास्त्र	मानचित्र कार्य–यूरोप में समाजवाद तथा रूस की क्रान्ति जनसंख्या संविधान निर्माण पालमपुर की कहानी
सितम्बर	इतिहास भूगोल नागरिक शास्त्र	नाजीवाद और हिटलर का उदय मानचित्र कार्य–भारतः आकार एवं स्थिति चुनावी राजनीति

Scanned with OKEN Scanner

अक्टूबर	इतिहास भूगोल नागरिक शास्त्र	मानचित्र कार्य–नाजीवाद और हिटलर का उदय मानचित्र कार्य–भारत की प्राकृतिक विशेषताएं(पर्वत श्रेणी, पर्वत चोटियां पठार,तटीय मैदान) संस्थाओं की कार्य प्रणाली (शासन व्यवस्थाः संसद, राष्ट्रपति प्रधानमंत्री, मंत्रिपरिषद)
नवम्बर	इतिहास भूगोल नागरिक शास्त्र अर्थशास्त्र	वन्य समाज और उपनिवेशवाद मानचित्र कार्य–भारत का अपवाह तन्त्र (नदियां, झीलें) लोकतान्त्रिक अधिकार पुनरावृत्ति
दिसम्बर	इतिहास भूगोल नागरिक शास्त्र अर्थशास्त्र	आधुनिक विश्व में चरवाहें मानचित्र कार्य–जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य जीवन पुनरावृत्ति संसाधन के रूप में जनसंख्या(लोग)
जनवरी	इतिहास भूगोल अर्थशास्त्र	एक अफ्रीका का एवं एक भारत का चरवाहा समह–केस स्टडी मानचित्र कार्य–जनसंख्या निर्धनता एक चुनौती
फरवरी	इतिहास भूगोल अर्थशास्त्र	पुनरावृत्ति पुनरावृत्ति भारत में खाद्य सुरक्षा

पूर्व मध्यमा (प्रथम)

अंग्रेजी

क्र0सं0	इकाई	अंक भार
1	**Prose-** Two short answer type questoions based on a given prose passage, One long answer type question, Two short answer type questions, Three very short vocabulary base/match type qurestions.	15
2	**Poetry-** Two short answer type questoions based on a given poetry extract, Central Idea of anyone of the given poems OR Four lines from any poem prescribed in the syllabus.	8
3	**Supplementry Reader-** Two short answer type questoions, One liong answer type questions, Four very short answer type questions (True/False, Completing the Sentence)	12
Section-B:- Grammar, Translation and Composition		
1	**Reading-** One Long passage followed by two short answer question and Two very short answer type vocabulary based / language based questions.	3+3=6 2+2=4 (vocabulary)
2	**Writing:** Letter / Application writing Descriptive paragraph / Report / Article based on given verbal clues	4 6
3 (A)	**Grammar-** Ten very short answer type questions based on Part of Speech, Tense, Narratins, Articles, Voice, Reording of sentences, Punctuations etc.	10
(B)	Avery short passage in Hindi for translation into english	5
	Continuous and Comprehensive Evaluation	30
	Total	100

पाठ्यक्रम का माहवार विभाजन

Scanned with OKEN Scanner

माह	पाठ्य वस्तु				शिक्षण हेतु वादन
	Prose	**Poetry**	**Supplementry Reader**	**Grammer**	
अप्रैल	The Fun They Had	The Road Not Taken	The Lost Child	Sentence Type and Part	22
मई	The Sound of Music	wind	The Adventure of Toto	Arctle, Part of Speech	15
जून	Summer Vacation				
जुलाई	The Little Girl A Truly Beautiful Mind	Rain On The Roof	IswaranThe Storyteller	Tense form and usesin Translation	25
अगस्त	The Snake and The Mirror	The Lake of Isle of Innisfree	In The Kingdom of Fools	Voice, The verb	25
सितम्बर	My Childhood	A Legand of the Northland	The Happy Prince	Essay/Descriptive Paragraph/Report	22
अक्टूबर	Packing	No Men Are Foreign	Wheathering the Strom in Ersama	Arctle/ Narrations	22
नवम्बर	Reach for The Top	The Duck And The Kangaroo	The Last Leaf	Letter/Application Writing	25
दिसम्बर	The Bond of Love	On Killing a Tree	A House is Not a Home	Voice	20
जनवरी	Kathmandu	The Snake Tring	The Accidental Tourist	Reordering of Sentenses Punctuations	25
फरवरी	If I were You Revision	A Slumber Did My Sprit Seal	The Beggar Revision	Revision	15
मार्च	परीक्षा	परीक्षा	परीक्षा	परीक्षा	
				योग	216

पूर्व मध्यमा (प्रथम)
विषयः कम्प्यूटर विज्ञान
पाठ्यक्रम

	इकाई	अंकभार
1	कम्प्यूटर फण्डामेंटल्स	15
2	अंक प्रणाली	05
3	(अ) आपरेटिंग सिस्टम (ब) आपरेटिंग सिस्टम् (लाइनेक्स)	05 10
4	ऑफिस (लाइनेक्स के परिप्रेक्ष्य में) से परिचय	10
5	प्रोग्रामिंग तकनीक	05
6	सी लैंग्वेज में मौलिक प्रोग्रामिंग	15
7	कम्प्यूटर एप्लीकेशन एवं उनके लाभ	05
8	प्रयोगात्मक कार्य(क्रम 3, 4, 5 एवं 6 पर आधारित माड्यूल्स के प्रयोगात्मक कार्य कराये जायेंगे)।	
	सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन	**30**
	योग	**100**

पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन

माह	पाठ्यवस्तु	शिक्षण हेतु वादन
अप्रैल	कम्प्यूटरः एक परिचय कम्प्यूटर की संरचना एवं उसके भाग	20
मई	हार्डवेयर तथा साफ्टवेयर	15

Scanned with OKEN Scanner

	कम्प्यूटर नेटवर्क तथा इंटरनेट	
जून	ग्रीष्मावकाश	
जुलाई	अंक प्रणाली आपरेटिंग सिस्टम्	22
अगस्त	लाइनेक्स आपरेटिंग सिस्टम् लाइनेक्स सामान्य आदेश फाइल एवं डायरेक्टरीज	22
सितम्बर	लाइनेक्स आफिस प्रेजेन्टेशन साफ्टवेयर स्प्रैडशीट साफ्टवेयर	22
अक्टूबर	प्रोग्रामिंग तकनीक पुनरावृत्ति एवं प्रायोगिक कार्य	20
नवम्बर	'सी' लैग्वेज से परिचय कान्सटैन्ट्स तथा वैरिएबल्स कथन, एक्सप्रेशन तथा आपरेटर	20
दिसम्बर	इनपुट तथा आउटपुट फंक्शन निर्णय नियंत्रण संरचनाएं लूपिंग नियंत्रण संरचना	22
जनवरी	कम्प्यूटर के अनुप्रयोग पुनरावृत्ति प्रोग्रामिंग कार्य का अभ्यास एवं प्रायोगिक कार्य	22
फरवरी	पुनरावृत्ति एवं प्रायोगिक कार्य	15
मार्च	वार्षिक परीक्षा	
	योग	**200**

पूर्व मध्यमा (प्रथम)

विषयः वाणिज्य

पाठ्यक्रम

		अंकभार
प्रथम खण्ड	पुस्तपालन अथवा बहीखाता	20
द्वितीय खण्ड	व्यापार प्रणाली	20
तृतीय खण्ड	मुद्रा	15
चतुर्थ खण्ड	अर्थशास्त्र	15
	सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन	**30**
	योग	**100**

पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन

माह	खण्ड	पाठ्यवस्तु	शिक्षण हेतु वादन
अप्रैल	प्रथम खण्ड	1 विषय प्रवेश–पुस्तपालन का अर्थ, उद्देश्य, लाभ एवं प्रणालियां 2 दोहरा लेखा प्रणाली– सिद्धान्त और व्यवहार	20
मई	,,	3 प्रारम्भिक लेखे की पुस्तकें– रोजनामंचा या जर्नल 4 खाता बही	15
जून		ग्रीष्मावकाश	
जुलाई	प्रथम खण्ड	5 तलपट अथवा परीक्षा सूची 6 प्रारंभिक लेखे की पुस्तकें– रोकड़ बही	22
अगस्त	द्वितीय खण्ड	1 व्यापारिक कार्यालयः संगठन एवं कार्य प्रणाली	22

Scanned with OKEN Scanner

		2 आने व जाने वाले पत्रों का लेखा 3 प्रतिलिपिकरण	
सितम्बर	,,	4 व्यापारिक पत्र–ब्यवहार का अर्थ व महत्व 5 ब्यापारिक पत्र के मुख्य अंग तथा विभिन्न रुप 6 पूछताछ, निर्ख व आदेश सम्बंधी पत्र ब्यवहार	22
अक्टूबर	तृतीय खण्ड	1 मुद्रा का इतिहास–मुद्रा के जन्म से पूर्व की अवस्थाः वस्तु विनिमय 2 मुद्रा का इतिहास– उद्‌गम तथा विकास 3 मुद्रा की परिभाषा एवं इसके भेद	22
नवम्बर	,,	4 पत्र मुद्रा या कागजी मुद्रा 5 धातु मुद्रा एवं सिक्का ढलाई 6 मुद्रा के कार्य	20
दिसम्बर	,, चतुर्थ खण्ड	7 मुद्रामान अथवा मुद्रा प्रणालियां 8 भारत में मुद्रा प्रणाली का सामान्य परिचय 1 अर्थशास्त्र की परिभाषा	22
जनवरी	,,	2 अर्थशास्त्र की विषय सामग्री एवं इसके विभाग 3 अर्थशास्त्र का स्वभाव : कला है या विज्ञान 4 अर्थशास्त्र के अध्ययन से लाभ	22
फरवरी	,,	5 अर्थशास्त्र से सम्बन्धित शब्दावली 6 आवश्यकताएं– वर्गीकरण एवं लक्षण पुनारावृत्ति	15
मार्च		वार्षिक परीक्षा	
		योग	**202**

पूर्व मध्यमा (प्रथम)

विषयः गणित

पाठ्यक्रम

इकाई	इकाई का नाम	अंकभार
1	संख्या पद्धति	07
2	बीजगणित	20
3	निर्देशांक ज्यामित	05
4	ज्यामिति	20
5	मेन्सुरेशन	10
6	सांख्यिकी तथा प्रायिकता	08
	सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन	**30**
	योग	**100**

पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन

माह	पाठ्यवस्तु	शिक्षण हेतु वादन
अप्रैल	(1) संख्या पद्धति	20
मई	(2) बहुपद	15
जून	ग्रीष्मावकाश	
जुलाई	(3) निर्देशांक ज्यामिति (4) दो चरों वाले रैखिक समीकरण	22
अगस्त	(5) यूक्लिड़ की ज्यामिति का परिचय (6) रेखाएं एवं कोण	25
सितम्बर	(7) त्रिभुज	25

Scanned with OKEN Scanner

	(8) चतुर्भुज	
अक्टूबर	(9) समान्तर चतुर्भुजों और त्रिभुजों के क्षेत्रफल (10) वृत्त	17
नवम्बर	(11) रचनाएं + ज्यामिति पुनरावृत्ति	21
दिसम्बर	(12) हीरोन का सूत्र (13) पृष्ठीय क्षेत्रफल और आयतन	20
जनवरी	(14) सांख्यिकी (15) प्रायकिता	25
फरवरी	पुनरावृत्ति	20
मार्च	वार्षिक परीक्षाएं	
	योग	**210**

पूर्व मध्यमा (प्रथम)

विषयः विज्ञान

पाठ्यक्रम

इकाई	इकाई का नाम	अंकभार
1	द्रव्य–प्रकृति एवं व्यवहार	20
2	सजीव जगत में संगठन	15
3	गति, बल तथा कार्य	25
4	हमारा पर्यावरण	06
5	खाद्य उत्पादन	04
	सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन	**30**
	योग	**100**

पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन

माह		पाठ्यवस्तु	शिक्षण हेतु वादन
अप्रैल	1 हमारे आस–पास के पदार्थ	परिचय, पदार्थ का भौतिक स्वरुप, पदार्थ के कणों के अभिलाक्षणिक गुण, पदार्थ की अवस्थाएं, वाष्पीकरण, क्या पदार्थ अपनी अवस्था को बदल सकता है?	20
मई	2 क्या हमारे आस–पास के पदार्थ शुद्ध है।	मिश्रण क्या है, विलयन क्या है, मिश्रण के घटकों का पृथक्करण, भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तन, शुद्ध पदार्थो के क्या प्रकार हैं?	15
जून	ग्रीष्मावकाश		
जुलाई	5 जीवन की मौलिक इकाई 8 गति	परिचय, सजीव किससे बने होते हैं, कोशिका किससे बनी होती है? कोशिका का संरचनात्मक संगठन क्या है? गति का वर्णन, गति की दर का मापन, ग्राफीय विधि से गति के समीकरण, एकसमान वृत्तीयगति	22
अगस्त	3 परमाणु एवं अणु 4 परमाणु की संरचना	रासायनिक संयोजन के नियम, परमाणु क्या होता है, अणु क्या है, आण्विक द्रव्यमान एवं मोल संकल्पना पदार्थो में आवेशित कण, परमाणु की संरचना, विभिन्न कक्षाओं में इलेक्ट्रॉन कैसे वितरित होते हैं, परमाणु संख्या तथा द्रव्यमान संख्या, समस्थानिक	22
सितम्बर	9 बल तथा गति के नियम 10 गुरुत्वाकर्षण	संतुलित और असंतुलित बल, गति का प्रथम नियम जड़त्व तथा द्रव्यमान, गति का द्वितीय नियम, गति का तृतीय नियम, संवेग संरक्षण गुरुत्वाकर्षण, मुक्तपतन, द्रव्यमान, भार, प्रणोद तथा दाब, आर्किमीडीज सिद्धान्त, आपेक्षिक घनत्व	22

Scanned with OKEN Scanner

अक्टूबर	6 ऊतक 7 जीवों में विविधता	क्या पौधे और जन्तु एक ही तरह के ऊतकों से बने होते है, पादप ऊतक, जन्तु ऊतक वर्गीकरण का आधार क्या है, वर्गीकरण और जैव विकास, वर्गीकरण समूहों की पदानुक्रमित संरचना, प्लांटी, एनिमेलिया, नाम पद्धति।	22
नवम्बर	10 गुरुत्वाकर्षण 11 कार्य तथा ऊर्जा	गुरुत्वाकर्षण, मुक्तपतन, द्रव्यमान, भार, प्रणोद तथा दाब, आर्किमीडीज सिद्धान्त, आपेक्षिक घनत्व कार्य, ऊर्जा, कार्य करने की दर	20
दिसम्बर	12 ध्वनि 13 हम बीमार क्यों होते हैं	ध्वनि का उत्पादन, ध्वनि का संचरण, ध्वनि का परिवर्तन, श्रव्यता का परिसर, पराध्वनि के अनुप्रयोग, मानव कर्ण की संरचना स्वास्थ्य तथा इसका बिगड़ना, रोग तथा इसके कारण, संक्रामक रोग	22
जनवरी	14 प्राकृतिक सम्पदा 15 खाद्य पदार्थो में सुधार	जीवन की श्वास : वायु, जलः एक अद्भुत चक्रण, मृदा में खनिज की प्रचुरता, जैव रासायनिक चक्रण, ओजोन परत फसल उत्पादन में उन्नति, पशुपालन।	22
फरवरी		पुनरावृत्ति	15
मार्च		वार्षिक परीक्षा	
		योग	**202**

Scanned with OKEN Scanner

पूर्व मध्यमा(द्वितीय)
अनिवार्य संस्कृतम्
(खण्ड क)

भाग	क्रमांक	इकाई / पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
	1	क) मूलरामायणम् (बालकाण्डस्य प्रथमः सर्गः)	30	10
	2	ख) शिवराजविजयः (प्रथमविरामस्य प्रथमो निश्वासः)	30	10
	3	ग) छन्दसां लक्षणोदाहरणज्ञानम्- द्रुतविलम्बितम्, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडितम्, मालिनी, तोटकम्, प्रहर्षिणी, हरिणी	15	05
	4	घ) रचनानुवादकौमुदी (16-30 अभ्यासाः) संस्कृतानुवादः, शब्दरूपाणि, धातुरूपाणि	30	10
		सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन		**15**
		योग	105	**50**

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	मूलरामायण प्रथम सर्ग में 1–10 श्लोक तथा द्रुतविलम्बितम् छन्द रचनानुवादकौमुदी से 16–17 अभ्यास तक	शिक्षकों द्वारा कवि के कृतित्व व्यक्तित्व श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।
मई	मूलरामायण प्रथम सर्ग में 11–20 श्लोक तथा मन्दाक्रान्ता छन्द रचनानुवादकौमुदी से 18–19 अभ्यास तक	शिक्षकों द्वारा श्लोकों की सन्दर्भ अन्वय व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों मे से गृहकार्य देना।
जुलाई	शिवराजविजय प्रथम निश्वास के 06 गद्यखण्ड तथा शिखरिणी छन्द रचनानुवादकौमुदी से 20–21 अभ्यास तक	शिक्षकों द्वारा मंगलाचरण एवं गद्यखण्डों की संस्कृत व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।
अगस्त	शिवराजविजय प्रथम निश्वास के 07–12 गद्यखण्ड तक तथा शार्दूलविक्रीडितम् छन्द रचनानुवादकौमुदी से 22–23 अभ्यास तक	शिक्षकों द्वारा मंगलाचरण एवं गद्यखण्डों की संस्कृत व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।
सितम्बर	शिवराजविजय प्रथम निश्वास के 13–18 गद्यखण्ड तक तथा मालिनी छन्द रचनानुवादकौमुदी से 23–24 अभ्यास तक	शिक्षकों द्वारा मंगलाचरण एवं गद्यखण्डों की संस्कृत व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	शिवराजविजय प्रथम निश्वास के 19–24तथा तोटकम् छन्द रचनानुवादकौमुदी से 25–26 अभ्यास तक	शिक्षकों द्वारा मंगलाचरण एवं गद्यखण्डों की संस्कृत व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।
नवम्बर	शिवराजविजय प्रथम निश्वास के 25–30 गद्यखण्ड तक तथा प्रहर्षिणी छन्द रचनानुवादकौमुदी से 27–28 अभ्यास तक	शिक्षकों द्वारा मंगलाचरण एवं गद्यखण्डों की संस्कृत व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।

Scanned with OKEN Scanner

दिसम्बर	शिवराजविजय प्रथम निश्वास के 31–36 गद्यखण्ड तक तथा हरिणी छन्द रचनानुवादकौमुदी से 29–30 अभ्यास तक	शिक्षकों द्वारा मंगलाचरण एवं गद्यखण्डों की संस्कृत व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।
जनवरी	शिवराजविजय प्रथम निश्वास के 31–36 गद्यखण्ड तक	शिक्षकों द्वारा मंगलाचरण एवं गद्यखण्डों की संस्कृत व्याख्या पदों का समास हिन्दी भावार्थ तथा छन्द का लक्षण और परिभाषा समझाना अनिवार्य है।
फरवरी	मूलरामायण छन्द रचनानुवाद	शिक्षकों द्वारा पुनराभ्यास कराया जाए।

अनिवार्य संस्कृतम्
(खण्ड ख)

भाग	क्रमांक	इकाई / पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
1		ङ) मध्यसिद्धान्तकौमुदी (कारकः, समासः, भ्वादिगणः) अथवा लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्तप्रकरणमात्रम्) (व्याकरणेतरच्छात्राणां कृते अनिवार्यम्, व्याकरणच्छात्राणां कृते वैकल्पिकम्) अथवा तर्कसंग्रहः पदकृत्यसहितः (अनुमानादिसमाप्तिपर्यन्तः) अथवा सांख्यसूत्रम् (तृतीयोऽध्यायः)	110	35
		सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन		**15**
		योग	110	**50**

माहवार नियोजन
(लघुसिद्धान्तकौमुदी

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	भ्वादि प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
मई	भ्वादि प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों मे से गृहकार्य देना।
जुलाई	अदादि प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
अगस्त	अदादि प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
सितम्बर	जुहोत्यादि प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	दिवादि प्रकरण तथा स्वादि प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।

Scanned with OKEN Scanner

नवम्बर	तुदादि प्रकरण तथा रुधादि प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
दिसम्बर	तनादि प्रकरण तथा क्र्यादि प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
जनवरी	चुरादि प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
फरवरी	चुरादि प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।

Scanned with OKEN Scanner

माहवार नियोजन
अनिवार्य संस्कृतम् (तर्कसंग्रह)

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	अनुमान परिच्छेद	शिक्षकों द्वारा अनुमान परिच्छेद में आने वाले समस्त पद पदार्थों का संस्कृत हिन्दी भाषा के माध्यम से पदकृत्य उदाहरण इत्यादि समझाना लिखाना अनिवार्य है।
मई	अनुमान परिच्छेद	शिक्षकों द्वारा अनुमान परिच्छेद में आने वाले समस्त पद पदार्थों का संस्कृत हिन्दी भाषा के माध्यम से पदकृत्य उदाहरण इत्यादि समझाना लिखाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों मे से गृहकार्य देना।
जुलाई	अनुमान परिच्छेद	शिक्षकों द्वारा अनुमान परिच्छेद में आने वाले समस्त पद पदार्थों का संस्कृत हिन्दी भाषा के माध्यम से पदकृत्य उदाहरण इत्यादि समझाना लिखाना अनिवार्य है।
अगस्त	अनुमान परिच्छेद	शिक्षकों द्वारा अनुमान परिच्छेद में आने वाले समस्त पद पदार्थों का संस्कृत हिन्दी भाषा के माध्यम से पदकृत्य उदाहरण इत्यादि समझाना लिखाना अनिवार्य है।
सितम्बर	उपमान परिच्छेद	शिक्षकों द्वारा उपमान परिच्छेद में उपमान स्वरुप तथा पदकृत्य सम्यक् प्रकार से समझाना तथा लिखाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	उपमान परिच्छेद	शिक्षकों द्वारा उपमान परिच्छेद में उपमान स्वरुप तथा पदकृत्य सम्यक् प्रकार से समझाना तथा लिखाना अनिवार्य है।
नवम्बर	उपमान परिच्छेद	शिक्षकों द्वारा उपमान परिच्छेद में उपमान स्वरुप तथा पदकृत्य सम्यक् प्रकार से समझाना तथा लिखाना अनिवार्य है।
दिसम्बर	शब्द परिच्छेद	शिक्षकों द्वारा शब्द परिच्छेद को सम्यक् प्रकार से लिखाना पढ़ाना समझाना अनिवार्य है।
जनवरी	शब्द परिच्छेद	शिक्षकों द्वारा शब्द परिच्छेद को सम्यक् प्रकार से लिखाना पढ़ाना समझाना अनिवार्य है।
फरवरी	अवशिष्ट भाग	शिक्षकों द्वारा अवशिष्ट भाग की विस्तृत जानकारी देना अनिवार्य है।

Scanned with OKEN Scanner

पूर्व मध्यमा(द्वितीय)

नव्यव्याकरणम्

भाग	क्रमांक	इकाई / पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
1		नव्यव्याकरणम् क) सिद्धान्तकौमुदी 1) स्त्रीप्रत्ययः	30	10
2		2) कारकप्रकरणम्	60	20
3		3) समासाश्रयविधिप्रकरणतः अपत्याधिकारप्रकरणपर्यन्तम्	120	40
		सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन		**30**
		योग	210	**100**

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	स्त्रीप्रत्यय प्रकरण	शिक्षकों द्वारा स्त्री प्रत्यय के सम्पूर्ण सूत्रों को कण्ठस्थ कराना और उनके अर्थ याद कराना अनिवार्य है।
मई	स्त्रीप्रत्यय प्रकरण	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के उदाहरण प्रत्युदाहरण शंका समाधान प्रयोगों की सिद्धि संस्कृत तथा हिन्दी भाषा में लिखाना समझाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों मे से गृहकार्य देना।
जुलाई	कारक प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा स्त्री प्रत्यय के सम्पूर्ण सूत्रों को कण्ठस्थ कराना और उनके अर्थ याद कराना अनिवार्य है।
अगस्त	कारक प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के उदाहरण प्रत्युदाहरण शंका समाधान प्रयोगों की सिद्धि संस्कृत तथा हिन्दी भाषा में लिखाना समझाना अनिवार्य है।
सितम्बर	अव्ययीभाव समास प्रकरण	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के उदाहरण प्रत्युदाहरण शंका समाधान प्रयोगों की सिद्धि संस्कृत तथा हिन्दी भाषा में लिखाना समझाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	तत्पुरुष समास प्रकरण	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के उदाहरण प्रत्युदाहरण शंका समाधान प्रयोगों की सिद्धि संस्कृत तथा हिन्दी भाषा में लिखाना समझाना अनिवार्य है।
नवम्बर	तत्पुरुष समास प्रकरण	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के उदाहरण प्रत्युदाहरण शंका समाधान प्रयोगों की सिद्धि संस्कृत तथा हिन्दी भाषा में लिखाना समझाना अनिवार्य है।
दिसम्बर	बहुव्रीहि समास प्रकरण द्वन्द्व समास प्रकरण	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के उदाहरण प्रत्युदाहरण शंका समाधान प्रयोगों की सिद्धि संस्कृत तथा हिन्दी भाषा में लिखाना समझाना अनिवार्य है।
जनवरी	एकशेष समास प्रकरण, सर्वसमासशेष समास प्रकरण, सर्वसमासान्त प्रकरण	शिक्षकों द्वारा स्त्री प्रत्यय के सम्पूर्ण सूत्रों को कण्ठस्थ कराना और उनके अर्थ याद कराना अनिवार्य है।

Scanned with OKEN Scanner

फरवरी	अलुक समास प्रकरण, समासाश्रय विधि प्रकरण	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के उदाहरण प्रत्युदाहरण शंका समाधान प्रयोगों की सिद्धि संस्कृत तथा हिन्दी भाषा में लिखाना समझाना अनिवार्य है।

पूर्व मध्यमा(द्वितीय)
साहित्यम्

भाग	क्रमांक	इकाई / पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
1		साहित्यम् चन्द्रालोकः क) सिद्वान्तकौमुदी	210	70
		सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन		**30**
		योग	210	**100**

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	चन्द्रालोकः (प्रथम मयूख)	शिक्षकों द्वारा ग्रन्थकार का परिचय एवं मयूख में लिखे गये 16 श्लोकों का रहस्य तथा पद पदार्थ बोध कराना अनिवार्य है।
मई	चन्द्रालोकः (द्वितीय मयूख)	शिक्षकों द्वारा साहित्य के सम्पूर्ण दोषों के नाम तथा उनकी परिभाषा समझाना और श्लोकों में घटाकर दर्शाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों मे से गृहकार्य देना।
जुलाई	चन्द्रालोकः (तृतीय मयूख)	शिक्षकों द्वारा अक्षर संहिता, शोभा, अभिमान, हेतु, प्रतिशेध, निरुक्त, मिथ्याध्यवसाय, सिद्धि, युक्ति, कार्य, उपसंहार, के विषय में स्पष्ट रुप से समझाना।
अगस्त	चन्द्रालोकः (चतुर्थ मयूख)	शिक्षकों द्वारा श्लेष, प्रसाद, समता, समाधि, माधुर्य, ओज, सौकुमार्य, उदारता इत्यादि गुणों के परिभाषायें अवगत कराना तथा बोध कराना अनिवार्य है।
सितम्बर	चन्द्रालोकः (पंचम् मयूख)	शिक्षकों द्वारा सम्पूर्ण अलंकारों के लक्षण उदाहरणों को समझाना।
अक्टूबर	चन्द्रालोकः (षष्ठ मयूख)	शिक्षकों द्वारा विभावादि का कारण रसों के स्वरुप तथा उनके स्थाई भावादि को स्पष्टीकरण कराना अनिवार्य है।
नवम्बर	चन्द्रालोकः (सप्तम् मयूख)	शिक्षकों द्वारा व्यंजनादि स्वरुपादि ध्वनियों के भेदों को ज्ञान कराना अनिवार्य है।
दिसम्बर	चन्द्रालोकः (अष्टम् मयूख)	शिक्षकों द्वारा व्यंजनादि स्वरुपादि ध्वनियों के भेदों को ज्ञान कराना अनिवार्य है।

Scanned with OKEN Scanner

जनवरी	चन्द्रालोकः (नवम् मयूख)	शिक्षकों द्वारा लक्षणा स्वरुप भेद उपभेद तथा अभिधा लक्षण और अभिधा के 06 प्रकारों के भेदों को निरुपित करना अनिवार्य है।
फरवरी	चन्द्रालोकः (दशम् मयूख)	शिक्षकों द्वारा लक्षणा स्वरुप भेद उपभेद तथा अभिधा लक्षण और अभिधा के 06 प्रकारों के भेदों को निरुपित करना अनिवार्य है।

पूर्व मध्यमा(द्वितीय)

सामाजिक विज्ञान

भाग	क्रमांक	इकाई / पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
1		भारत और समकालीन विश्व–2(इतिहास)	60	20
2		समकालीन भारत–2(भूगोल)	55	20
3		लोकतान्त्रिक राजनीति–2(नागरिक शास्त्र)	50	15
4		आर्थिक विकास की समझ (अर्थ शास्त्र)	50	15
5		प्रोजेक्ट कार्य (सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन)		30
		योग	215	**100**

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	इतिहास भूगोल	यूरोप में राष्ट्रवाद ाक उदय संसाधन एवं विकास
मई	अर्थशास्त्र राजनीति विज्ञान	विकास सत्ता की साझेदारी
जून		ग्रीष्मावकाश
जुलाई	इतिहास भूगोल अर्थशास्त्र राजनीति विज्ञान	भारत में राष्ट्रवाद वन एवं वन्य जीव संसाधन भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक संघवाद
अगस्त	इतिहास भूगोल अर्थशास्त्र राजनीति विज्ञान	भूमण्डलीकरण–विश्व का बनना जल संसाधन मुद्रा एवं साख लोकतन्त्र एवं विविधता
सितम्बर	इतिहास भूगोल राजनीति विज्ञान	औद्योगीकरण का युग कृषि जाति ,धर्म और लैंगिक मसले
अक्टूबर	भूगोल राजनीतिक विज्ञान	खनिज और ऊर्जा संसाधन जन संघर्ष और आन्दोलन राजनीतिक दल
नवम्बर	इतिहास भूगोल अर्थशास्त्र राजनीति विज्ञान	मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया विनिमार्ण उद्योग वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था लोकतन्त्र के परिणाम
दिसम्बर	भूगोल अर्थशास्त्र	राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएं उपभोक्ता अधिकार

Scanned with OKEN Scanner

	नागरिक शास्त्र	लोकतन्त्र की चुनौतियां
जनवरी		सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति छात्र/छात्राओं का उपचारात्मक शिक्षण मानचित्र सम्बन्धी कार्य का अभ्यास
फरवरी		वार्षिक परीक्षा का आयोजन

पूर्व मध्यमा (द्वितीय)

विषयः कम्प्यूटर विज्ञान

पाठ्यक्रम

इकाई	इकाई का नाम	अंकभार
1	कम्प्यूटर और संचार	15
2	लाइनक्स ऑपरेटिंग सिस्टम्	10
3	बाइनरी अर्थमेटिक एवं लॉजिक गेट्स	10
4	सी लैंग्वेज में एडवांस प्रोग्रामिंग अ– सब्सक्रिप्टेड वैरीएबल्स ब– एरेज एवं स्ट्रिॅग स– फंक्शन्स एवं सबरुदीन्स द– स्ट्रिंग मैन्युपुलेशन य– फाइल आपरेशन्स	 10 05 05 05 10
	सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन	**30**
	योग	**100**

प्रयोगात्मक कार्य इकाई 2 से 4 में किया जाएगा।

पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन

माह	पाठ्यवस्तु	शिक्षण हेतु वादन
अप्रैल	डाटा संचरण, प्राथमिक संचार माडल, संचार के प्रकार, डाटा ट्रासमिशन 1 माड्युलेशन, डिजिटल से एनालॉग में परिवर्तन, एनालॉग से डिजिटल में परिवर्तन, ट्रांसमिशन मोड	20
मई	2 संचार माध्यम	20
जून	ग्रीष्म अवकाश	
जुलाई	3 कम्प्यूटर नेटवर्क तथा इंटरनेट	25
अगस्त	4 लाइनक्स आपरेटिंग सिस्टम्	25
सितम्बर	5 बाइनरी अंकगणित	15
अक्टूबर	'सी' भाषा	20
नवम्बर	कंट्रोल कथन ऐरे	25
दिसम्बर	सार्टिंग एवं सर्चिंग कैरेक्टर ऐरे एवं स्ट्रिंग	20
जनवरी	यूजर डिफाइण्ड फंक्शन लाइब्रेरी फंक्शन	20
फरवरी	फाइल प्रबन्धन	25
मार्च	वार्षिक परीक्षा	

टिप्पणी : पाठ्यक्रम आच्छादन के साथ ही प्रयोगात्मक कार्य भी प्रत्येक माह कराया जाएगा।

Scanned with OKEN Scanner

पूर्व मध्यमा (द्वितीय)

वाणिज्य

क्रमांक	खण्ड	विवरण	अंकभार
1	अ	अध्याय 1 से 5	20
2	ब	अध्याय 6 से 13	20
3	स	अध्याय 14 से 21	15
4	द	अध्याय 22 से 24	15
		सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन	**30**
		योग	**100**

माहवार नियोजन

माह का नाम	पाठ्य वस्तु	शिक्षण हेतु वादन
अप्रैल	1. अन्तिम खाते 2. समायोजनाएं एवं अन्तिम खाते	22
मई	3. बैंक सम्बन्धी लेन देन	15
जून	ग्रीष्मावकाश	
जुलाई	4. बैंक समाधान विवरण पत्रः बैंक पास बुक एवं रोकड़ पुस्तक 5. विनिमय-विपत्र (बिल, हुण्डी व प्रतिज्ञा-पत्र सम्बन्धी साधारण लेखे)	25
अगस्त	6. नस्तीकरण और फाइलिंग 7. अनुक्रमणिका 8. सन्देश वाहन प्रणालियां	25
सितम्बर	9. व्यापारिक कार्यालय में समय व श्रम बचाने वाले यन्त्र 10. देशी व्यापार (अर्थ,क्षेत्र तथा व्यापारिक प्रतिनिधि) 11. थोक व्यापार	22
अक्टूबर	12. फुटकर व्यापारी 13. बीजक, विक्रय विवरण एवं हिसाब विवरण आदि बनाना 14. बैंकः उद्गम, परिभाषा, कार्य एवं महत्व	22
नवम्बर	15. केन्द्रीय बैंक 16. भारतीय रिजर्व बैंक 17. स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया	25
दिसम्बर	18. व्यापारिक बैंक 19. बैंको का राष्ट्रीयकरण 20. सहकारी बैंक	20
जनवरी	21. देशी बैंकर्स 22. उपयोगिता ह्रास नियम अथवा सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम 23. व्यय व बचत	25
फरवरी	24. उत्पत्ति के साधन पुनरावृत्ति	15
मार्च	वार्षिक परीक्षा	
	योग	**216**

Scanned with OKEN Scanner

पूर्व मध्यमा (द्वितीय)

विज्ञान

क्रमांक	इकाई	अंकभार
1	रासायनिक पदार्थ-प्रकृति एवं व्यवहार	20
2	जैव जगत	20
3	प्राकृतिक घटनाएं (संवृत्तियाँ)	12
4	विद्युत का प्रभाव	13
5	प्राकृतिक संसाधन	05
	योग	70
6	प्रयोगात्मक कार्य एवं प्रोजेक्ट (आन्तरिक मूल्यांकन)	30
	योग	100

माहवार नियोजन

माह का नाम	ईकाई	पाठ्य वस्तु	शिक्षण हेतु वादन
अप्रैल	1 2	रासायनिक अभिक्रियाएँ एवं समीकरणः परिचय, रासायनिक समीकरण, रासायनिक अभिक्रियाओं के प्रकार, दैनिक जीवन में उपचयन अभिक्रियाओं का प्रभाव जैव प्रक्रम	22
मई	3	प्रकाशः परावर्तन एंव अपवर्तन	15
जून		ग्रीष्मावकाश	
जुलाई	4 5	विद्युत ऊर्जा के स्रोत	22
अगस्त	1 2	अम्ल,क्षारक एवं लवणः रासायनिक गुण धर्म, अम्लों एवं क्षारकों मे क्या समानताएँ है? अम्ल एवं क्षारकों के विलयन कितने प्रकार के होते है, लवण के संबध में अधिक जानकारी। नियंत्रण एवं समन्वयन	20
सितम्बर	1 2	धातु एंव अधातु जीव जनन कैसे करते हैं	25
अक्टूबर	3	मानव नेत्र तथा रंग बिरंगा संसार पुनरावृत्ति	22
नवम्बर	1	कार्बन तथा उसके यौगिक	22
दिसम्बर	2 1	आनुवांशिकता एवं जैव विकास तत्वों का आवर्त वर्गीकरण	20
जनवरी	4 5	विद्युत धारा के चुम्बकिय प्रभाव हमारा पर्यावरण	25
फरवरी	5	प्राकृतिक संसाधनों का संपोषित प्रबन्धन पुनरावृत्ति / प्रयोगिक कार्य	20
मार्च		वार्षिक परीक्षा	
		योग	**213**

Scanned with OKEN Scanner

पूर्व मध्यमा (द्वितीय)
गणित

क्र0सं0	इकाई	अंक भार
1	संख्या पद्धति	05
2	बीजगणित	18
3	निर्देशांक ज्यामिति	05
4	ज्यामिति	12
5	त्रिकोणमिति	12
6	मेन्सुरेशन	08
7	सांख्यिकी तथा प्रायिकता	10
	योग–	**70**
	सतत् एवं व्यापक मूल्यांकनः आन्तरिक मूल्याकन	15
	प्रोजेक्ट कार्य	15
	योग–	**100**

पाठ्यक्रम का माहवार विभाजन

माह	इकाई	पाठ्य वस्तु	शिक्षण हेतु वादन
अप्रैल	1	संख्या पद्धतिः वास्तविक संख्याएं–यूक्लिड विभाजन तथा एल्गोरिथ्म परिमेय व अपरिमेय संख्याओं का पुनभ्रमण अंक गणित की आधारभूत प्रमेय, परिमेय संख्याओं का दशमलव प्रसार ।	22
मई	2	बीजगणित–बहुपद, दो चरवाले रैखिक समीकरण युग्म	15
जून		ग्रीष्म अवकाश	
जुलाई	2	बीजगणित –द्विघात समीकरण, समान्तर श्रेणियां	25
अगस्त	3	निर्देशांक ज्यामितिः रेखा (द्विविमीय)	25
सितम्बर	4	ज्यामितिःत्रिभुज,वृत्त एंव रचनाएं	22
अक्टूबर	5	त्रिकोणमितिः परिचय, सर्व समिकाएं, उंचाई और दूरी	22
नवम्बर	6	मेन्सुरेशनः वृत्तों से सम्बन्धित क्षेत्रफल और आयतन	25
दिसम्बर	7	सांख्यिकीय– सांख्यिकी–माध्य, माध्यिका, बहुलक, संचायी बारम्बारता ग्राफ प्रायिकता–सैद्धान्तिक परिभाषा, एकल घटना पर आधारित सामान्य प्रश्न।	20
जनवरी	सभी	उपयुक्त सभी इकाइयों से अभ्यास कार्य/पुनरावृत्ति	25
फरवरी	सभी	पुनरावृत्ति/आवश्यक कार्य	15
मार्च		वार्षिक परीक्षाएं	
		योग–	**216**

Scanned with OKEN Scanner

पूर्व मध्यमा (द्वितीय)

अंग्रेजी

क्र0सं0	इकाई	अंक भार
1	**Prose-** Two short answer type questoions based on a given prose passage, One long answer type question, Two short answer type questions, Three very short vocabulary base/match type qurestions.	15
2	**Poetry-** Two short answer type questoions based on a given poetry extract, Central Idea of anyone of the given poems OR Four lines from any poem prescribed in the syllabus.	8
3	**Supplementry Reader-** Two short answer type questoions, One liong answer type questions, Four very short answer type questions (True/False, Completing the Sentence)	12
Section-B:- Grammar, Translation and Composition		
1	**Reading-** One Long passage followed by two short answer question and Two very short answer type vocabulary based / language based questions.	3+3=6 2+2=4 (vocabulary)
2	**Writing:** Letter / Application writing Descriptive paragraph / Report / Article based on given verbal clues	4 6
3 (A)	**Grammar-** Ten very short answer type questions based on Part of Speech, Tense, Narratins, Articles, Voice, Reording of sentences, Punctuations etc.	10
(B)	Avery short passage in Hindi for translation into english	5
	Continuous and Comprehensive Evaluation	30
	Total	100

पाठ्यक्रम का माहवार विभाजन

माह	पाठ्य वस्तु				शिक्षण हेतु वादन
	Prose	**Poetry**	**Supplementry Reader**	**Grammer**	
अप्रैल	A Letter to God	Dust of Snow	A Triumph of Surgery	Part of Speech	22
मई	NelsonMandela:Long walk to Freedom	Fire and Ice	The Theif's Story	Part of Speech	15
जून					
जुलाई	Two Stories about flying	A Tiger in The Zoo	The Midnight Visitor	Artcles	25
अगस्त	From The Diary of Anne Frank	How to Tell Wild Animals The Ball Poems	A Question of Trust	Punctuations	25
सितम्बर	The Hundred Dress-I The Hundred Dress-II	Amanda!	Footprint Without Feet	Voice	22
अक्टूबर	Glimpses Of India	Animals	The Making of Scientist	Narrations	22
नवम्बर	Mijbil the Otter	The Trees	The Necklace	Reordering of Sentenses	25
दिसम्बर	Madam Rides the Bus	Fog	The Hack Driver	Tense/ Translation	20
जनवरी	The Sermon at Benaras	The Tale of Custard the Dragon	Bholi	Revision of Grammer	25
फरवरी	The Proposal	For Anne Gregory	The Book That Saved the Earth	Revision of Grammer	15
मार्च	परीक्षा	परीक्षा	परीक्षा	परीक्षा	
				योग	216

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर मध्यमा(प्रथम)

अनिवार्य संस्कृतम्
(खण्ड क)

भाग	क्रमांक	इकाई / पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
	1	क) किरातार्जुनीयम्(प्रथमःसर्गः)	44	20
	2	ख) शब्दालंकाराः भेदोपभेदसहिताः (लक्षणोदाहरणज्ञानम्)	11	05
	3	ग) गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् आदितः विंशतिपर्यन्तं श्लोकाः, गुप्ताशुद्धिवाक्यानि (1-100 पर्यन्तम्) घ) रचनानुवादकौमुदी (31-45 अभ्यासाः) संस्कृतानुवादः, शब्दरूपाणि, धातुरूपाणि, पत्रलेखनम्	33	15
	4	घ) रचनानुवादकौमुदी (31-45 अभ्यासाः) संस्कृतानुवादः, शब्दरूपाणि, धातुरूपाणि, पत्रलेखनम्	22	10
		योग	110	**50**

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	किरातार्जुनीयम् प्रथम सर्ग 10 श्लोक तक रचनानुवादकौमुदी से 31 से 32 वाँ अभ्यास	शिक्षकों द्वारा ग्रन्थकार का जीवन परिचय सन्दर्भ प्रसंग अन्वय व्याख्या हिन्दी भावार्थ संस्कृत भाषा में लिखना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है।
मई	किरातार्जुनीयम् प्रथम सर्ग 11से 25 श्लोक तक रचनानुवादकौमुदी से 33 से 34 वाँ अभ्यास	शिक्षकों द्वारा ग्रन्थकार का जीवन परिचय सन्दर्भ प्रसंग अन्वय व्याख्या हिन्दी भावार्थ संस्कृत भाषा में लिखना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों मे से गृहकार्य देना।
जुलाई	गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् प्रारम्भ से लेकर 15 श्लोक पर्यन्त रचनानुवादकौमुदी से 35 से 36 वाँ अभ्यास	शिक्षकों द्वारा ग्रन्थकार का जीवन परिचय सन्दर्भ प्रसंग अन्वय व्याख्या हिन्दी भावार्थ संस्कृत भाषा में लिखना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है।
अगस्त	गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् प्रारम्भ से 50 वाक्य शुद्धि रचनानुवादकौमुदी से 37 से 38 वाँ अभ्यास	शिक्षकों द्वारा ग्रन्थकार का जीवन परिचय सन्दर्भ प्रसंग अन्वय व्याख्या हिन्दी भावार्थ संस्कृत भाषा में लिखना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है।
सितम्बर	गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् 51 से 70 वाक्य शुद्धि रचनानुवादकौमुदी से 39 से 40 वाँ अभ्यास	शिक्षकों द्वारा ग्रन्थकार का जीवन परिचय सन्दर्भ प्रसंग अन्वय व्याख्या हिन्दी भावार्थ संस्कृत भाषा में लिखना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् 71 से 80 वाक्य शुद्धिरचनानुवादकौमुदी से 41 से 42 वाँ अभ्यास	शिक्षकों द्वारा ग्रन्थकार का जीवन परिचय सन्दर्भ प्रसंग अन्वय व्याख्या हिन्दी भावार्थ संस्कृत भाषा में लिखना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है।
नवम्बर	गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् 81 से 100 वाक्य शुद्धिरचनानुवादकौमुदी से 43 से 45 वाँ अभ्यास	शिक्षकों द्वारा ग्रन्थकार का जीवन परिचय सन्दर्भ प्रसंग अन्वय व्याख्या हिन्दी भावार्थ संस्कृत भाषा में लिखना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है।

Scanned with OKEN Scanner

दिसम्बर	अलंकार	शिक्षकों द्वारा अलंकार की परिभाषा बताना अनिवार्य है।
जनवरी	शब्दालंकार	शिक्षकों द्वारा अलंकारों की परिभाषा बताना अनिवार्य है।
फरवरी	अर्थालंकार	शिक्षकों द्वारा अलंकारों की परिभाषा बताना अनिवार्य है।

उत्तर मध्यमा(प्रथम)

अनिवार्य संस्कृतम्

(खण्ड ख)

भाग	क्रमांक	इकाई / पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
	1	क) मध्यसिद्धान्तकौमुदी (कारक-समासप्रकरणे) अथवा लघुसिद्धान्तकौमुदी (ण्यन्तकृदन्तप्रकरणं यावत्) (व्याकरणेतरच्छात्राणां कृते अनिवार्यम्, व्याकरणच्छात्राणां कृते वैकल्पिकम्) अथवा न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्षखण्डः) अथवा न्यायसूत्रम् (प्रथमाध्यायस्य प्रथमाह्निकम्)	110	50
		योग	110	**50**

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	लघुसिद्धान्तकौमुदी में ण्यन्तप्रक्रिया	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
मई	लघुसिद्धान्तकौमुदी में सनन्तप्रकरण तक	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों मे से गृहकार्य देना।
जुलाई	लघुसिद्धान्तकौमुदी में यङन्तप्रकरण प्रकरण	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
अगस्त	लघुसिद्धान्तकौमुदी में कण्ड्वादि प्रकरण तक	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
सितम्बर	लघुसिद्धान्तकौमुदी में आत्मनेपद प्रक्रिया से परस्मैपद प्रक्रिया प्रकरण	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	लघुसिद्धान्तकौमुदी में भावकर्म प्रक्रिया से लकारार्थ प्रक्रिया प्रकरण तक	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
नवम्बर	लघुसिद्धान्तकौमुदी में कृदन्ते कृत्यप्रक्रिया	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।

Scanned with OKEN Scanner

दिसम्बर	लघुसिद्धान्तकौमुदी में पूर्वकृदन्त	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
जनवरी	लघुसिद्धान्तकौमुदी में उत्तरकृदन्त	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
फरवरी	लघुसिद्धान्तकौमुदी में उत्तरकृदन्त	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।

Scanned with OKEN Scanner

माहवार नियोजन

विषय–.. अनिवार्य संस्कृतम्. (न्यायसिद्धान्तमुक्तावली) द्वितीय प्रश्न पत्र

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	मंगलाचरण	शिक्षकों द्वारा ग्रन्थकार का जीवन परिचय संक्षिप्त भूमिका लिखाना पढ़ाना अनिवार्य है।
मई	मंगलाचरण कारिकावली मंगलवाद	शिक्षकों द्वारा मंगलाचरण की कारिका मंगलवाद के विषय में प्राच्य एवं नव्य मत समझाना लिखाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों मे से गृहकार्य देना।
जुलाई	ईश्वरास्तित्ववादः, पदार्थविभाग,	शिक्षकों द्वारा सम्यक् प्रकार से कारिकाओं के विषय में विस्तृत जानकारी देना लिखाना अनिवार्य है।
अगस्त	कारिका संख्या 1–10 तक	शिक्षकों द्वारा सम्यक् प्रकार से कारिकाओं के विषय में विस्तृत जानकारी देना लिखाना अनिवार्य है।
सितम्बर	कारिका संख्या 10–20	शिक्षकों द्वारा सम्यक् प्रकार से कारिकाओं के विषय में विस्तृत जानकारी देना लिखाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	कारिका संख्या 10–20	शिक्षकों द्वारा सम्यक् प्रकार से कारिकाओं के विषय में विस्तृत जानकारी देना लिखाना अनिवार्य है।
नवम्बर	कारिका संख्या 20–30	शिक्षकों द्वारा सम्यक् प्रकार से कारिकाओं के विषय में विस्तृत जानकारी देना लिखाना अनिवार्य है।
दिसम्बर	कारिका संख्या 20–30	शिक्षकों द्वारा सम्यक् प्रकार से कारिकाओं के विषय में विस्तृत जानकारी देना लिखाना अनिवार्य है।
जनवरी	कारिका संख्या 30–34	शिक्षकों द्वारा सम्यक् प्रकार से कारिकाओं के विषय में विस्तृत जानकारी देना लिखाना अनिवार्य है।
फरवरी	कारिका संख्या 34–38	शिक्षकों द्वारा सम्यक् प्रकार से कारिकाओं के विषय में विस्तृत जानकारी देना लिखाना अनिवार्य है।

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर मध्यमा(प्रथम)

नव्यव्याकरणम्

(खण्ड क)

भाग	क्रमांक	इकाई / पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
		नव्यव्याकरणम् **द्वितीयपत्रम्-**		
1		क) सिद्धान्तकौमुदी (शैषिकादि द्विरूक्त प्रक्रियान्त भागः)	110	50
		योग	110	**50**

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	अपत्याधिकार प्रकरण	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
मई	अपत्याधिकार प्रकरण	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों मे से गृहकार्य देना।
जुलाई	शैषिक प्रकरण	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
अगस्त	शैषिक प्रकरण	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
सितम्बर	शैषिक प्रकरण	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
अक्टूबर	शैषिक प्रकरण	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
नवम्बर	मत्वर्थीय प्रकरण	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
दिसम्बर	मत्वर्थीय प्रकरण	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
जनवरी	मत्वर्थीय प्रकरण	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
फरवरी	शैषिक / मत्वर्थीय प्रकरण	सभी पढ़ाये हुए प्रकरणों का पुनराभ्यास ।

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर मध्यमा(प्रथम)

नव्यव्याकरणम्

(खण्ड ख)

भाग	क्रमांक	इकाई / पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
		नव्यव्याकरणम् **तृतीयपत्रम्**		
1		क) सिद्धान्तकौमुदी (भ्वादितः जुहोत्यादि पर्यन्तम्)	100	50
		योग	100	**50**

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	भ्वादिप्रकरणम् (100 धातुएं)	शिक्षकों द्वारा दशों लकारों का विस्तृत ज्ञान कराना अनिवार्य है।
मई	भ्वादिप्रकरणम् (150 धातुएं)	शिक्षक द्वारा शास्त्र प्रक्रिया साधनिका धातुओं के अर्थ सम्यक् प्रकार से हिन्दी तथा संस्कृत भाषा में समझाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों मे से गृहकार्य देना।
जुलाई	भ्वादिप्रकरणम् (150 धातुएं)	शिक्षक द्वारा शास्त्र प्रक्रिया साधनिका धातुओं के अर्थ सम्यक् प्रकार से हिन्दी तथा संस्कृत भाषा में समझाना अनिवार्य है।
अगस्त	भ्वादिप्रकरणम् (305 धातुएं)	शिक्षक द्वारा शास्त्र प्रक्रिया साधनिका धातुओं के अर्थ सम्यक् प्रकार से हिन्दी तथा संस्कृत भाषा में समझाना अनिवार्य है।
सितम्बर	भ्वादिप्रकरणम् (305 धातुएं)	शिक्षक द्वारा शास्त्र प्रक्रिया साधनिका धातुओं के अर्थ सम्यक् प्रकार से हिन्दी तथा संस्कृत भाषा में समझाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	अदादिप्रकरणम् (36 धातुएं)	शिक्षक द्वारा शास्त्र प्रक्रिया साधनिका धातुओं के अर्थ सम्यक् प्रकार से हिन्दी तथा संस्कृत भाषा में समझाना अनिवार्य है।
नवम्बर	अदादिप्रकरणम् (18 धातुएं)	शिक्षक द्वारा शास्त्र प्रक्रिया साधनिका धातुओं के अर्थ सम्यक् प्रकार से हिन्दी तथा संस्कृत भाषा में समझाना अनिवार्य है।
दिसम्बर	अदादिप्रकरणम् (18 धातुएं)	शिक्षक द्वारा शास्त्र प्रक्रिया साधनिका धातुओं के अर्थ सम्यक् प्रकार से हिन्दी तथा संस्कृत भाषा में समझाना अनिवार्य है।
जनवरी	जुहोत्यादिप्रकरणम् (सम्पूर्ण प्रकरण)	शिक्षक द्वारा शास्त्र प्रक्रिया साधनिका धातुओं के अर्थ सम्यक् प्रकार से हिन्दी तथा संस्कृत भाषा में समझाना अनिवार्य है।

Scanned with OKEN Scanner

फरवरी	जुहोत्यादिप्रकरणम् (सम्पूर्ण प्रकरण)	शिक्षक द्वारा शास्त्र प्रक्रिया साधनिका धातुओं के अर्थ सम्यक् प्रकार से हिन्दी तथा संस्कृत भाषा में समझाना अनिवार्य है।

उत्तर मध्यमा(प्रथम)

साहित्यम्

(खण्ड क)

भाग	क्रमांक	इकाई / पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
		साहित्यम् **द्वितीयपत्रम्-**		
1		क) दशकुमारचरितम् (पूर्वपीठिका)	55	25
2		ख) रघुवंशमहाकाव्यम् (13-14 सर्गौ)	55	25
		योग	110	**50**

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	दशकुमारचरितम् पूर्वपीठिका प्रथमोच्छवास	शिक्षकों द्वारा दशकुमारचरितम् के रचयिता तथा जीवन परिचय एवं काव्य समीक्षा परिचय तथा गद्य का उच्चारण, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।
मई	दशकुमारचरितम् पूर्वपीठिका द्वितीयोच्छवास,	शिक्षकों द्वारा गद्य का उच्चारण व्याख्या हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों मे से गृहकार्य देना।
जुलाई	दशकुमारचरितम् पूर्वपीठिका, तृतीयोच्छवास	शिक्षकों द्वारा गद्य का उच्चारण व्याख्या हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।
अगस्त	दशकुमारचरितम् पूर्वपीठिका चतुर्थोच्छवास, पंचमोच्छवास	शिक्षकों द्वारा गद्य का उच्चारण व्याख्या हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।
सितम्बर	दशकुमारचरितम् पूर्वपीठिका पंचमोच्छवास	शिक्षकों द्वारा गद्य का उच्चारण व्याख्या हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	रघुवंशमहाकाव्यम् त्रयोदश सर्ग	शिक्षकों द्वारा ग्रन्थ के ग्रन्थकार तथा उनका परिचय तथा रघुवंश की विशेषता प्रत्येक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 20 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है।
नवम्बर	रघुवंशमहाकाव्यम् त्रयोदश सर्ग	शिक्षकों द्वारा प्रत्येक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 20 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है।
दिसम्बर	रघुवंशमहाकाव्यम् त्रयोदश सर्ग	शिक्षकों द्वारा प्रत्येक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 20 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है।

Scanned with OKEN Scanner

जनवरी	रघुवंशमहाकाव्यम् त्रयोदश सर्ग	शिक्षकों द्वारा प्रत्येक श्लोक का उच्चारण सन्दर्भ प्रसंग अन्वय पदच्छेद व्याख्या हिन्दी भावार्थ माह पर्यन्त में 20 श्लोक पढ़ाना अनिवार्य है।
फरवरी	दशकुमारचरितम्/ रघुवंशमहाकाव्यम्	सभी शिक्षक पढ़ाये गये विषयों का पुनराभ्यास कराये।

उत्तर मध्यमा(प्रथम)

साहित्यम्

(खण्ड ख)

भाग	क्रमांक	इकाई/पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
		साहित्यम् **तृतीयपत्रम्**		
1		क) तर्कसंग्रहः (न्यायबोधिनी टीका) - प्रत्यक्षखण्डः	110	50
		योग	110	**50**

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	तर्कसंग्रह प्रत्यक्ष खण्ड ''न्यायबोधनी'' (मंगल श्लोक से द्रव्यलक्षण पर्यन्त)	शिक्षकों द्वारा तर्कसंग्रह के रचयिता जीवन परिचय तथा उनकी कृतियाँ एवं लक्षण परिभाषाओं को समझाना तथा उनके परिकृत्य और न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना अनिवार्य है।
मई	गुण लक्षण से (पृथवीनिरुपण लक्षण पर्यन्त)	शिक्षकों द्वारा लक्ष्य लक्षणों की पदकृत्य एवं न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना समझाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाये गये विषयों मे से गृहकार्य देना।
जुलाई	(अव्याप्त्यतिव्याप्त्यसम्भव–लक्षण से तेजोनिरुपणम्, लक्षण पर्यन्त)	शिक्षकों द्वारा लक्ष्य लक्षणों की पदकृत्य एवं न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना समझाना अनिवार्य है।
अगस्त	वायु निरुपणम् लक्षण से कालनिरुपण लक्षण पर्यन्त	शिक्षकों द्वारा लक्ष्य लक्षणों की पदकृत्य एवं न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना समझाना अनिवार्य है।
सितम्बर	दिक् निरुपणम्, लक्षण से स्पर्शः लक्षण पर्यन्त	शिक्षकों द्वारा लक्ष्य लक्षणों की पदकृत्य एवं न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना समझाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	पाकविचारः लक्षण से पृथक्त्वम लक्षण पर्यन्त	शिक्षकों द्वारा लक्ष्य लक्षणों की पदकृत्य एवं न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना समझाना अनिवार्य है।

Scanned with OKEN Scanner

नवम्बर	संयोग विभागौ लक्षण से द्रवत्वम् लक्षण पर्यन्त	शिक्षकों द्वारा लक्ष्य लक्षणों की पदकृत्य एवं न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना समझाना अनिवार्य है।
दिसम्बर	संयोग विभागौ लक्षण से द्रवत्वम् लक्षण पर्यन्त	शिक्षकों द्वारा लक्ष्य लक्षणों की पदकृत्य एवं न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना समझाना अनिवार्य है।
जनवरी	स्नेह लक्षण से बुद्धिनिरुपणम् लक्षण पर्यन्त	शिक्षकों द्वारा लक्ष्य लक्षणों की पदकृत्य एवं न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना समझाना अनिवार्य है।
फरवरी	स्नेह लक्षण से बुद्धिनिरुपणम् लक्षण पर्यन्त	शिक्षकों द्वारा लक्ष्य लक्षणों की पदकृत्य एवं न्यायबोधनी टीका को पढ़ाना समझाना अनिवार्य है।

उत्तर मध्यमा(प्रथम)

भूगोल

भाग	क्रमांक	इकाई/पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
क	1	भौतिक भूगोल के मूल सिद्धान्त	89	30
	2	मानचित्र एवं आरेख		05
ख	1	भारतः भौतिक पर्यावरण	78	30
	2	मानचित्र एवं आरेख		05
ग	1	प्रयोगात्मक कार्य एवं आरेख		
	2	मानचित्र के आधारभूत तत्व	20	10
	3	स्थलाकृति एवं मौसम मानचित्र	30	10
	4	प्रयोगात्मक पुस्तिका		5
	5	मौखिकी		5
		योग	217	**100**

माहवार नियोजन

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल		एक विषय के रूप में भूगोल पृथ्वी
मई		भू–आकृतियां प्रयोगात्मक कार्य
जून		ग्रीष्मावकाश
जुलाई		जलवायु प्रयोगातमक कार्य
अगस्त		जल (महासागर) पृथ्वी पर जीवन
सितम्बर		भारतः भौतिक पर्यावरण का परिचय प्रयोगात्मक कार्य
अक्टूबर		भू–आकृति विज्ञान प्रयोगात्मक कार्य

Scanned with OKEN Scanner

नवम्बर		जलवायु, वनस्पति एवं मृदा प्रयोगात्मक कार्य
दिसम्बर		प्राकृतिक आपदाएं एवं संकट प्रयोगात्मक कार्य
जनवरी		पुनरावृत्ति प्रयोगात्मक कार्य
फरवरी		पुनरावृत्ति मानचित्र कार्य का अभ्यास

उत्तर मध्यमा प्रथम

विषयः इतिहास

पाठ्यक्रम

पुस्तक		अंकभार
प्रारम्भिक समाज	इकाई–1	20
साम्राज्य	इकाई–2	25
बदलती परम्परायें	इकाई–3	25
आधुनिकीकरण की ओर	इकाई–4	20
मानचित्र कार्य	इकाई 1–4	10
	योग	**100**

माहवार नियोजन

माह	**पुस्तक का नाम**	**विषय वस्तु**	**शिक्षण के वादन**
अप्रैल	प्रारंभिक समाज	समय की शुरुआत से	30
मई		लेखन कला और शहरी जीवन	25
जून		ग्रीष्मा अवकाश	
जुलाई	साम्राज्य	तीन महाद्वीपों में फैला हुआ साम्राज्य	20
अगस्त		इस्लाम का उदाय और विस्तार लगभग 570–1200 ई0	20
सितम्बर		यायावर साम्राज्य	30
अक्टूबर	बदलती परम्पराएँ	तीन वर्ष	18
नवम्बर		बदलती हुई सांस्कृतिक परम्पराएँ संस्कृतियों का टकराव	20
दिसम्बर	आधुनिकीकरण की ओर	औद्योगिक क्रान्ति मूल निवासियों का विस्थापन	25
जनवरी		आधुनिकीकरण के रास्त मानचित्र का अभ्यास	18
फरवरी		पुनरावृत्ति	
मार्च		वार्षिक परीक्षा	

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर मध्यमा प्रथम

विषयः अर्थशास्त्र

पाठ्यक्रम

पुस्तक		अंकभार
खण्ड–कः सांख्यिकी : अर्थशास्त्र के सन्दर्भ में	इकाई–1	05
	इकाई–2	20
	इकाई–3	13
	इकाई–4	06
	इकाई–5	06
	योग	50
खण्ड–ख : भारत का आर्थिक विकास	इकाई–6	17
	इकाई–7	25
	इकाई–8	08
	योग	50
	योग	**100**

माहवार नियोजन

माह	पुस्तक का नाम	विषय वस्तु	शिक्षण के वादन
अप्रैल	खण्ड(क) खण्ड (ख)	परिचय स्वतन्त्रता की पूर्व संध्या पर भारतीय अर्थव्यवस्था	18
मई	खण्ड (ख)	भारतीय अर्थव्यवस्था	20
जून		ग्रीष्म अवकाश	
जुलाई	खण्ड(क) खण्ड (ख)	आंकड़ो का संग्रह उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण	20
अगस्त	खण्ड (क) खण्ड (ख)	ऑकड़ो का संगठन निर्धनता	25
सितम्बर	खण्ड(क) खण्ड (ख)	आंकड़ो का प्रस्तुतीकरण भारत में मानव पूँजी का निर्माण	25
अक्टूबर	खण्ड (क) खण्ड (ख)	केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप ग्रामीण विकास	18
नवम्बर	खण्ड(क) खण्ड (ख)	परिक्षेपण (अपकिरण) के माप रोजगार–संवृद्धि,अनौपचारीकरण एवं अन्य मुद्दे	25
दिसम्बर	खण्ड (क) खण्ड (ख)	सह सम्बन्ध आधारिक संरचना	20
जनवरी	खण्ड(क) खण्ड (ख)	सूचकांक पर्यावरण और धारणीय विकास	25
फरवरी	खण्ड (ख)	भारत और उसके पड़ोसी देशों के तुलनात्मक विकास अनुभव	22
मार्च		वार्षिक परीक्षा	

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर मध्यमा प्रथम

विषयः नागरिक शास्त्र

पुस्तक		अंकभार
खण्ड–क भारत का संविधानः सिद्धान्त और व्यवहार	इकाई–1	12
	इकाई–2	10
	इकाई–3	10
	इकाई–4	10
	इकाई– 5	08
	योग	50
खण्ड–ख राजनीतिक सिद्धान्त	इकाई–6	10
	इकाई–7	10
	इकाई–8	10
	इकाई–9	10
	इकाई–10	10
	योग	50
	योग	**100**

माहवार नियोजन

माह	भाग	विषय वस्तु	शिक्षण के वादन
अप्रैल	खण्ड–क	1 संविधान क्यूँ और कैसे और संविधान दर्शन 2 भारतीय संविधान में अधिकार	30
मई	खण्ड–ख	1 राजनीतिक सिद्धान्त : एक परिचय 2 स्वतन्त्रता	25
जून		ग्रीष्मावकाश	
जुलाई	खण्ड–क	(1) चुनाव और प्रतिनिधित्व (2) कार्यपालिका	20
अगस्त	खण्ड–ख	(1) समानता (2) सामाजिक न्याय	20
सितम्बर	खण्ड–क	(1) विधायिका (2) न्यायपालिका	30
अक्टूबर	खण्ड–ख	(1) अधिकार (2) नागरिकता	18
नवम्बर	खण्ड– क	(1) संघवाद (2) स्थानीय शासन	20
दिसम्बर	खण्ड– ख	(1) राष्ट्रवाद (2) धर्मनिरपेक्षता	25
जनवरी	खण्ड–क खण्ड–ख	संविधानः एक जीवंत दस्तावेज (1) शांति (2) विकास	18
फरवरी		पुनरावृत्ति	

Scanned with OKEN Scanner

मार्च		वार्षिक परीक्षा	

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर मध्यमा (प्रथम)

विषयः रसायन विज्ञान

पाठ्यक्रम

इकाई	इकाई का नाम	अंकभार
1	रसायन विज्ञान की कुछ मूल अवधारणाएं	05
2	परमाणु की संरचना	06
3	तत्वों का वर्गीकरण एवं गुण धर्मो में आवर्तिता	05
4	रासायनिक आबंधन तथा आण्विक संरचना	05
5	द्रव्य की अवस्थाएं	05
6	उष्मा गतिकी	04
7	साम्यावस्था	06
8	रेडाक्स अभिक्रिया	05
9	हाइड्रोजन	03
10	S-ब्लाक के तत्व (क्षार तथा क्षारीय मृदा धातुएं)	05
11	P-ब्लाक के तत्व	06
12	कार्बनिक रसायन कुछ मूलभूत सिद्धान्त तथा तकनीकें	07
13	हाइड्रोजन	08
	योग	70

– प्रायोगिक कार्य पाठ्यपुस्तक के अनुसार कराये जायेंगे।
– प्रायोगिक कार्य के लिए लगभग 60 वादन रखे जायेंगे।

प्रायोगिक कार्य

क्रमांक	योजना	अंक भार
1	विषयवस्तु आधारित प्रयोग	04
2	आयतनमितीय विश्लेषण	08
3	(क) लवण विश्लेषण (ख) कार्बनिक योगिकों में तत्व का विश्लेषण	06 02
4	कक्षा रिकार्ड तथा प्रोजेक्ट कार्य	05
5	मौखिक परीक्षा	05
	योग	30

पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन

माह	इकाई का नाम	शिक्षण हेतु वादन
अप्रैल	रसायन विज्ञान की कुछ मूल अवधारणाएं	22
मई	परमाणु की संरचना, प्रायोगिक कार्य	15
जून	ग्रीष्मा अवकाश	
जुलाई	तत्वों का वर्गीकरण एवं गुण धर्मो में आवर्तिता, प्रायोगिक कार्य	22
अगस्त	रासायनिक आबंधन तथा आण्विक संरचना, प्रायोगिक कार्य	22
सितम्बर	द्रव्य की अवस्थाएं, उष्मागतिकी प्रायोगिक कार्य	25
अक्टूबर	साम्यावस्था, रेडाक्स अभिक्रिया प्रायोगिक कार्य	22
नवम्बर	हाइड्रोजन, S-ब्लाक के तत्व (क्षार तथा क्षारीय मृदा धातुएं) प्रायोगिक कार्य	25
दिसम्बर	P-ब्लाक के तत्व कार्बनिक रसायन के कुछ मूलभूत सिद्धान्त तथा तकनीकें प्रायोगिक कार्य	20
जनवरी	हाइट्रोकार्बन, पुनरावृत्ति एवं प्रायोगिक कार्य	25
फरवरी	प्रायोगिक परीक्षा, सैद्धान्तिक का अभ्यास	20
मार्च	वार्षिक परीक्षा	

Scanned with OKEN Scanner

1 प्रायोगिक कार्य में मूलभूत प्रयोगशाला तकनीकें (ग्लास नली का मोड़ना, छड़ का काटना, ग्लास नली से ग्लास जैट बनाना, कार्क में छेद करना)।
2 रासायनिक पदार्थो का शोधन एवं लक्षण (गलनांक एवं क्वथनांक बिन्दु ज्ञात करना)।
3 मात्रात्मक निर्धारण करना, विलयन तैयार करना आदि।
4 गुणात्मक विश्लेषण करना (लवण में धनायन एवं ऋणायन का निरीक्षण)।

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर मध्यमा (प्रथम)

विषयः लेखाशास्त्र

पाठ्यक्रम

क्रमांक	इकाई का नाम	अंकभार
भाग–1		
1	(i) लेखांकन – एक परिचय (i i) लेखांकन के सैद्धान्तिक आधार	10
2	(i) लेन–देनों का अभिलेखन–। (i i) लेन–देनों का अभिलेखन–।।	10
3	(i) बैंक समाधान एवं विवरण (i i) तलपट एवं अशुद्धियों का शोधन	15
4	(i) ह्रास प्रबन्धन व संचय (i i) विनिमय विपत्र	20
भाग–2		
5	(i) वित्तीय विवरण–1 (i i) वित्तीय विवरण–2 (i i i) अपूर्व अभिलेखों के खाते	15
6	(i) लेखांकन में कम्प्यूटर का अनुप्रयोग (i i) कम्प्यूटरीकृत लेखांकन प्रणाली	15
7	(i)। लेखांकन के लिए डेटाबेस की संरचना	15
	योग	100

पाठ्यक्रम माहवार विभाजन

माह	इकाई का नाम	शिक्षण के वादन
अप्रैल	लेखांकन एक परिचय	22
मई	लेखांकन के सैद्धान्तिक आधार	15
जून	ग्रीष्मा अवकाश	
जुलाई	लेन–देनों का अभिलेखन–। लेन–देनों का अभिलेखन–।।	22
अगस्त	बैंक समाधान विवरण तलपट अशुद्धियों का शोधन	22
सितम्बर	ह्रास प्रावधान एवं और संचय	25
अक्टूबर	विनिमय पत्र	22
नवम्बर	वित्तीय विवरण–। वित्तीय विवरण–।।	22
दिसम्बर	अपूर्व अभिलेखों से खाते	20
जनवरी	लेखांकन में कम्प्यूटर का अनुप्रयोग कम्प्यूटरीकृत लेखांकन प्रणाली	25
फरवरी	लेखांकन के लिए डेटाबेस की संरचना पुनरावृत्ति	25
मार्च	वार्षिक परीक्षा	

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर मध्यमा (प्रथम)

विषयः जीव विज्ञान

पाठ्यक्रम

क्रमांक	इकाई	अंकभार
1	जीव जगत में विविधता	15
2	पादप एवं प्राणियों में संरचनात्मक संगठन	10
3	संरचना एवं कार्य	15
4	पादप कार्यकीय (शरीर क्रियात्मकता)	12
5	मानव शरीर विज्ञान	18
	प्रयोगात्मक कार्य	30
	योग	100

पाठ्यक्रम माहवार विभाजन

माह	इकाई का नाम	शिक्षण के वादन
अप्रैल	जीव जगत जीव जगत का वर्गीकरण वनस्पति जगत	22
मई	प्राणि जगत	15
जून	ग्रीष्मा अवकाश	
जुलाई	पुष्पी पादपों की आकारिकी पुष्पी पादपों का शरीर प्राणियों में संरचनात्मक संगठन	22
अगस्त	कोशिका : जीवन की इकाई जैव अणु कोशिका चक्र और कोशिका विभाजन	22
सितम्बर	पौधों में परिवहन खनिज पोषण उच्च पादपों में प्रकाश संश्लेषण	25
अक्टूबर	पादप में श्वसन पादप वृद्धि एवं परिवर्धन	22
नवम्बर	पाचन एवं अवशोषण श्वसन और गैसों का विनिमय	22
दिसम्बर	शरीर द्रव तथा परिसंचरण उत्सर्जी उत्पाद एवं उनका निष्कासन	20
जनवरी	गमन एवं संचलन तंत्रिकीय नियंत्रण एवं समन्वय रासायनिक समन्वय तथा एकीकरण	25
फरवरी	पुनरावृत्ति	25
मार्च	वार्षिक परीक्षा	

प्रत्येक माह 4 वादन प्रयोगात्मक कार्य कराया जायेगा।

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर मध्यमा (प्रथम)

विषयः भौतिकी

पाठ्यक्रम

क्रमांक	इकाई	अंकभार
खण्ड–क		
1	भौतिक जगत तथा मापन	02
2	शुद्ध गतिकी	06
3	गति के नियम	07
4	कार्य ऊर्जा तथा शक्ति	07
5	दृढ़ पिण्ड तथा कणों के निकाय की गति	07
6	गुरुत्वाकर्षण	06
	योग	**35**
खण्ड–ख		
1	स्थूल द्रव्य के गुण	10
2	ऊष्मागतिकी	09
3	आदर्श गैस का व्यवहार तथा गैसों का अणुगीत सिद्धान्त	06
4	दोलन तथा तरंगे	10
	योग	**35**
	प्रयोगात्मक कार्य	30 अंक
	कुल योग	**100 अंक**

पाठ्यक्रम माहवार विभाजन

माह	इकाई का नाम	शिक्षण के वादन
अप्रैल	भौतिक जगत	22
मई	मात्रक और मापन सरल रेखा में गति	15
जून	ग्रीष्मा अवकाश	
जुलाई	समतल में गति गति के नियम	22
अगस्त	कार्य ऊर्जा और शक्ति कणों के निकाय तथा घूर्णी गति	22
सितम्बर	गुरुत्वाकर्षण अद्यतन पढ़ाए गये पाठों की पुनरावृत्ति	25
अक्टूबर	ठोसों के यांत्रिक गुण तरलों के यांत्रिकी गुण	22
नवम्बर	द्रव्य के तापीय गुण ऊष्मा गतिकी	22
दिसम्बर	अणुगति सिद्धान्त दोलन	20
जनवरी	तरंगे अद्यतन पढ़ाए गए पाठों की पुनरावृत्ति	25
फरवरी	प्रायोगिक कार्य का अभ्यास एवं पाठ्यवस्तु का पुनरावृत्ति	25
मार्च	वार्षिक परीक्षा	

टिप्पणीः– प्रत्येक माह कम से कम 4 प्रयोग अवश्य कराये जाएंगे।

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर मध्यमा (प्रथम)

विषयः गणित

पाठ्यक्रम

क्रमांक	इकाई	अंकभार
1	समुच्चय तथा फलन	29
2	बीजगणित	37
3	निर्देशांक ज्यामिति	13
4	कलन	06
5	गणितीय विवेचन	03
6	सांख्यिकी तथा प्रायिकता	12
	योग	**100**

पाठ्यक्रम माहवार विभाजन

माह	इकाई का नाम	शिक्षण के वादन
अप्रैल	समुच्चय सम्बन्ध तथा फलन	22
मई	त्रिकोणमितीय फलन	15
जून	ग्रीष्मा अवकाश	
जुलाई	गणितीय आगमन का सिद्धान्त सम्मिश्र संख्याएँ तथा द्विघात समीकरण	22
अगस्त	रैखिक असमिकाएँ क्रमचय तथा संचय	22
सितम्बर	द्विपद प्रमेय अनुक्रम तथा श्रेणी	25
अक्टूबर	सरल रेखा शंकु परिच्छेद त्रिविमीय ज्यामिति का परिचय	22
नवम्बर	सीमा तथा अवकलज	22
दिसम्बर	गणितीय विवेचन	20
जनवरी	सांख्यिकी प्रायिकता	25
फरवरी	पुनरावृत्ति	25
मार्च	वार्षिक परीक्षा	

Scanned with OKEN Scanner

पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन

विषय–.. अनिवार्य संस्कृतम्..... (खण्ड क) उ0म0– ।। कक्षा–12

भाग	क्रमांक	इकाई / पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
1	1	क) शुकनासोपदेशः अथवा स्वप्नवासवदत्तम्		25
	2	ख) अर्थालंकाराः(लक्षणोदाहरणज्ञानम्) उपमा, रूपकम्, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्तिः, वक्रोक्तिः, भ्रान्तिमानः, सन्देहः, दृष्टान्तः		10
	3	ग) गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् व्युत्पत्तिप्रदर्शनम् (21 – 57 श्लोकपर्यन्तम्), गुप्ताशुद्धिवाक्यानि (101-130 पर्यन्तम्) घ)- रचनानुवादकौमुदी (46-60 अभ्यासाः) संस्कृतानुवादः,शब्दरूपाणि,धातुरूपाणि,निबन्धलेखनम्		05 10
	1			
	2			
	3			
	4			
	5			
	6			
		योग		**50**

Scanned with OKEN Scanner

माहवार नियोजन

विषय–.. अनिवार्य संस्कृतम्..... (खण्ड क) उ0म0– ।। कक्षा–12

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	स्वप्नवासवदत्तम् प्रथम अंक, रचनानुवादकौमुदी के 46 और 47 वाँ अभ्यास	शिक्षकों द्वारा महाकवि भास का परिचय तथा नाटक नायक नायिका सूत्रधार नान्दी इत्यादि के लक्षण का बोध कराना और प्रथम अंक कथासारांश और श्लोकों के अन्वय व्याख्या का पद पदार्थ बोध कराना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है। अनिवार्य है।
मई	स्वप्नवासवदत्तम् द्वितीय अंक अलंकारसार मंजरी से उपमा अलंकार रुपकम् रचनानुवादकौमुदी के 46 और 47 वाँ अभ्यास	शिक्षकों द्वारा महाकवि भास का परिचय तथा नाटक नायक नायिका सूत्रधार नान्दी इत्यादि के लक्षण का बोध कराना और प्रथम अंक कथासारांश और श्लोकों के अन्वय व्याख्या का पद पदार्थ बोध कराना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है। अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाए गए विषयों में से गृहकार्य देना।
जुलाई	स्वप्नवासवदत्तम् तृतीय अंक अलंकारसार मंजरी से उत्प्रेक्षा अलंकार दृष्टान्त अलंकार रचनानुवादकौमुदी के 46 और 47 वाँ अभ्यास	शिक्षकों द्वारा महाकवि भास का परिचय तथा नाटक नायक नायिका सूत्रधार नान्दी इत्यादि के लक्षण का बोध कराना और प्रथम अंक कथासारांश और श्लोकों के अन्वय व्याख्या का पद पदार्थ बोध कराना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है। अनिवार्य है।
अगस्त	स्वप्नवासवदत्तम् चतुर्थ अंक रचनानुवादकौमुदी के 46 और 47 वाँ अभ्यास	शिक्षकों द्वारा महाकवि भास का परिचय तथा नाटक नायक नायिका सूत्रधार नान्दी इत्यादि के लक्षण का बोध कराना और प्रथम अंक कथासारांश और श्लोकों के अन्वय व्याख्या का पद पदार्थ बोध कराना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है। अनिवार्य है।
सितम्बर	स्वप्नवासवदत्तम् पंचम अंक रचनानुवादकौमुदी के 46 और 47 वाँ अभ्यास	शिक्षकों द्वारा महाकवि भास का परिचय तथा नाटक नायक नायिका सूत्रधार नान्दी इत्यादि के लक्षण का बोध कराना और प्रथम अंक कथासारांश और श्लोकों के अन्वय व्याख्या का पद पदार्थ बोध कराना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है। अनिवार्य है।
अक्टूबर	स्वप्नवासवदत्तम् षष्ठ अंक रचनानुवादकौमुदी के 46 और 47 वाँ अभ्यास	शिक्षकों द्वारा महाकवि भास का परिचय तथा नाटक नायक नायिका सूत्रधार नान्दी इत्यादि के लक्षण का बोध कराना और प्रथम अंक कथासारांश और श्लोकों के अन्वय व्याख्या का पद पदार्थ बोध कराना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है। अनिवार्य है।
नवम्बर	गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् 21 से 40 श्लोक पर्यन्तम् रचनानुवादकौमुदी के 46 और 47 वाँ अभ्यास	शिक्षकों द्वारा महाकवि भास का परिचय तथा नाटक नायक नायिका सूत्रधार नान्दी इत्यादि के लक्षण का बोध कराना और प्रथम अंक कथासारांश और श्लोकों के अन्वय व्याख्या का पद पदार्थ बोध कराना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है। अनिवार्य है।
दिसम्बर	गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् से 101 से लेकर के 110 तक वाक्यशुद्धि रचनानुवादकौमुदी के 46 और 47 वाँ अभ्यास	शिक्षकों द्वारा महाकवि भास का परिचय तथा नाटक नायक नायिका सूत्रधार नान्दी इत्यादि के लक्षण का बोध कराना और प्रथम अंक कथासारांश और श्लोकों के अन्वय व्याख्या का पद पदार्थ बोध कराना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है। अनिवार्य है।
जनवरी	गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् से 111 से लेकर के 130 तक वाक्यशुद्धि रचनानुवादकौमुदी के 46 और 47 वाँ अभ्यास	शिक्षकों द्वारा महाकवि भास का परिचय तथा नाटक नायक नायिका सूत्रधार नान्दी इत्यादि के लक्षण का बोध कराना और प्रथम अंक कथासारांश और श्लोकों के अन्वय व्याख्या का पद पदार्थ बोध कराना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है। अनिवार्य है।

Scanned with OKEN Scanner

फरवरी	गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् से 131 से लेकर के 140 तक वाक्यशुद्धि रचनानुवादकौमुदी के 46 और 47 वाँ अभ्यास	शिक्षकों द्वारा महाकवि भास का परिचय तथा नाटक नायक नायिका सूत्रधार नान्दी इत्यादि के लक्षण का बोध कराना और प्रथम अंक कथासारांश और श्लोकों के अन्वय व्याख्या का पद पदार्थ बोध कराना तथा हिन्दी भाषा से संस्कृत भाषा में अनुवाद बनाने की कला सिखाना अनिवार्य है। अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन

विषय–.. अनिवार्य संस्कृतम्..... (खण्ड ख) उ0म0– ।। कक्षा–12

भाग	क्रमांक	इकाई / पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
	1	ख) मध्यसिद्धान्तकौमुदी (तद्धितप्रकरणं स्त्रीप्रत्ययप्रकरणं च) अथवा लघुसिद्धान्तकौमुदी (विभक्त्यर्थप्रकरणत: स्त्रीप्रत्ययप्रकरणं यावत्) (व्याकरणेतरच्छात्राणां कृते अनिवार्यम्) अथवा व्याकरणच्छात्राणां कृते- न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमानखण्डः) अथवा वैशेषिकसूत्रम् (प्रथमोऽध्यायः)		50
	1			
	2			
	3			
	4			
	5			
	6			
		योग		50

Scanned with OKEN Scanner

माहवार नियोजन

विषय–.. अनिवार्य संस्कृतम्..... (खण्ड ख) उ0म0– ।। कक्षा–12

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	लघुसिद्धान्तकौमुदी से विभक्त्यर्थ प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
मई	लघुसिद्धान्तकौमुदी में समासप्रकरणम् से लेकर द्वन्द्व समासप्रकरणम् तक	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाए गए विषयों में से गृहकार्य देना।
जुलाई	लघुसिद्धान्तकौमुदी में समासान्त प्रकरणम् से लेकर चातुरर्थिक प्रकरणम् तक	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
अगस्त	लघुसिद्धान्तकौमुदी में शैषिक प्रकरणम् से लेकर ठगाधिकार प्रकरणम् तक	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
सितम्बर	लघुसिद्धान्तकौमुदी में यदधिकार प्रकरणम् से लेकर भवनाद्यर्थक प्रकरणम् तक	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	लघुसिद्धान्तकौमुदी में मत्वर्थीय प्रकरणम् से लेकर प्राग्दिशीय प्रकरणम् तक	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
नवम्बर	लघुसिद्धान्तकौमुदी में मत्वर्थीय प्रकरणम् से लेकर प्राग्दिशीय प्रकरणम् तक	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
दिसम्बर	लघुसिद्धान्तकौमुदी में प्रागिवीय प्रकरणम् से लेकर स्वार्थिक प्रकरणम् तक	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
जनवरी	लघुसिद्धान्तकौमुदी में प्रागिवीय प्रकरणम् से लेकर स्वार्थिक प्रकरणम् तक	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।
फरवरी	लघुसिद्धान्तकौमुदी में स्त्रीप्रत्यय प्रकरणम्	शिक्षकों द्वारा सूत्रों के अर्थ प्रयोगों की साधनिका सिखाना अनिवार्य है।

Scanned with OKEN Scanner

पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन

विषय–.. **नव्यव्याकरणम्** (खण्ड क) उ0म0– ।। कक्षा–12

भाग	क्रमांक	इकाई / पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
		नव्यव्याकरणम् **द्वितीयपत्रम्-**		
1		सिद्वान्तकौमुदी (दिवादिगणादारभ्य नामधात्वन्तो भागः)		50
		योग		**50**

Scanned with OKEN Scanner

माहवार नियोजन

विषय–.. नव्यव्याकरणम् **(खण्ड क)** **उ0म0– ।। कक्षा–12**

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	दिवादि प्रकरणम् स्वादि प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
मई	तुदादि प्रकरणम् रुदाधि प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाए गए विषयों में से गृहकार्य देना।
जुलाई	तनादि प्रकरणम् क्र्यादि प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
अगस्त	चुरादि प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
सितम्बर	णिच्प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
अक्टूबर	णिच्प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
नवम्बर	सन्प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
दिसम्बर	यङ्प्रकरणम् यङ्लुक्प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
जनवरी	नामधातु प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
फरवरी	नामधातु प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।

Scanned with OKEN Scanner

पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन

विषय–.. **नव्यव्याकरणम्** (खण्ड ख) उ0म0– ।। कक्षा–12

भाग	क्रमांक	इकाई / पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
		नव्यव्याकरणम् **तृतीयपत्रम्**		
1		सिद्धान्तकौमुदी (कण्ड्वादिप्रकरणमारभ्य उणादिहीनकृदन्तान्तो भागः)		50
		योग		**50**

Scanned with OKEN Scanner

माहवार नियोजन

विषय–.. नव्यव्याकरणम् **(खण्ड ख)** **उ0म0– ।। कक्षा–12**

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	कण्ड्वादि प्रकरणम् प्रत्ययमाला प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
मई	आत्मनेपद प्रकरणम् परस्मैपद प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाए गए विषयों में से गृहकार्य देना।
जुलाई	आत्मनेपद प्रकरणम् परस्मैपद प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
अगस्त	भावकर्मतिङ् प्रकरणम् कर्मकतृतिङ् प्रकरणम् लकारार्थ प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
सितम्बर	क्रदन्तेकृत्य प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
अक्टूबर	क्रदन्तेकृत्य प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
नवम्बर	पूर्वकृदन्त प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
दिसम्बर	पूर्वकृदन्त प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
जनवरी	उत्तरकृदन्त प्रकरणम्	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।
फरवरी	उत्तरकृदन्त प्रकरणम	शिक्षक द्वारा इस प्रकरण में लिखे गये की विस्तृत व्याख्याएं अनुवृत्ति सूत्रार्थ प्रयोग साधनिका अनिवार्य है।

Scanned with OKEN Scanner

पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन

विषय–.. **साहित्यम्** (खण्ड क) उ0म0– ।। कक्षा–12

भाग	क्रमांक	इकाई / पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
		साहित्यम्		
1		क) काव्यमीमांसा (1-5 अध्यायाः)	**55**	25
2		ख) वृत्तरत्नाकरः (1-3 अध्यायाः)	**55**	25
		योग	**110**	**50**

Scanned with OKEN Scanner

माहवार नियोजन

विषय–.. साहित्यम् **(खण्ड क)** **उ0म0– ।। कक्षा–12**

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	काव्यमीमांसा प्रथम अध्याय	शिक्षकों द्वारा काव्यमीमांसा के रचयिता तथा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रुप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है।
मई	काव्यमीमांसा द्वितीय अध्याय	शिक्षकों द्वारा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रुप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाए गए विषयों में से गृहकार्य देना।
जुलाई	काव्यमीमांसा तृतीय अध्याय	शिक्षकों द्वारा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रुप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है।
अगस्त	काव्यमीमांसा चतुर्थ अध्याय	शिक्षकों द्वारा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रुप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है।
सितम्बर	काव्यमीमांसा पंचम अध्याय	शिक्षकों द्वारा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रुप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है।
अक्टूबर	वृत्तरत्नाकर प्रथम अध्याय	शिक्षकों द्वारा वृत्तरत्नाकर के रचयिता तथा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रुप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है।
नवम्बर	वृत्तरत्नाकर प्रथम अध्याय	शिक्षकों द्वारा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रुप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है।
दिसम्बर	वृत्तरत्नाकर द्वितीय अध्याय	शिक्षकों द्वारा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रुप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है।
जनवरी	वृत्तरत्नाकर द्वितीय अध्याय	शिक्षकों द्वारा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रुप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है।
फरवरी	वृत्तरत्नाकर तृतीय अध्याय	शिक्षकों द्वारा सम्पूर्ण अध्याय विस्तृत रुप से संस्कृत भाषा उसकी व्याख्याओं को हृदयंगम कराना अनिवार्य है।

Scanned with OKEN Scanner

पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन

विषय–.. **साहित्यम्** (खण्ड ख) उ0म0– ।। कक्षा–12

भाग	क्रमांक	इकाई / पाठ्यअंश	शिक्षण हेतु वादन	अंकभार
		साहित्यम् **तृतीयपत्रम्**		
1		किरातार्जुनीयम् (3-4 सर्गौ)		50
		सर्ग–03	**65**	
		सर्ग–04	**45**	
		योग	**110**	**50**

Scanned with OKEN Scanner

माहवार नियोजन

विषय–.. साहित्यम् **(खण्ड ख)** **उ0म0– ।। कक्षा–12**

माह	इकाई क्रमांक	विवरण
अप्रैल	किरातार्जुनीयम् तृतीय सर्ग	शिक्षकों द्वारा किरातार्जुनीयम् के रचयिता तथा जीवन परिचय एवं काव्य समीक्षा परिचय तथा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।
मई	किरातार्जुनीयम् तृतीय सर्ग	शिक्षकों द्वारा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।
जून	20 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश	पढ़ाए गए विषयों में से गृहकार्य देना।
जुलाई	किरातार्जुनीयम् तृतीय सर्ग	शिक्षकों द्वारा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।
अगस्त	किरातार्जुनीयम् तृतीय सर्ग	शिक्षकों द्वारा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।
सितम्बर	किरातार्जुनीयम् तृतीय सर्ग	शिक्षकों द्वारा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।
अक्टूबर	किरातार्जुनीयम् चतुर्थ सर्ग	शिक्षकों द्वारा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।
नवम्बर	किरातार्जुनीयम् चतुर्थ सर्ग	शिक्षकों द्वारा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।
दिसम्बर	किरातार्जुनीयम् चतुर्थ सर्ग	शिक्षकों द्वारा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।
जनवरी	किरातार्जुनीयम् चतुर्थ सर्ग	शिक्षकों द्वारा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।
फरवरी	किरातार्जुनीयम् चतुर्थ सर्ग	शिक्षकों द्वारा पद्य का उच्चारण, सन्दर्भ, प्रसंग, अन्वय, व्याख्या एवं हिन्दी भावार्थ समझाना अनिवार्य है।

Scanned with OKEN Scanner

पाठ्यक्रम आधारित नमूना प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र संकेतांक - 501 विषय कोड - 157

2024 ई. वर्षे
पूर्वमध्यमा द्वितीयवर्षे परीक्षायाम्
अनिवार्यसंस्कृतम् विषये प्रश्नाः

समयः – 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णाङ्काः – 70

निर्देशः- प्रारम्भे पञ्चदशकलाः (15 मिनट) परीक्षार्थिनां कृते प्रश्नपत्रपठनार्थं निर्धारिताः सन्ति। यथानिर्देशं सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः। प्रश्नानां पुरोऽङ्काः अङ्किताः सन्ति।

(157 : खण्ड-क)

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः 1×9=9

समुचितं विकल्पं चिनुत।

1. शिवराजविजयस्य नायकः कः?
   (क) गौरवटुः (ख) श्यामवटुः (ग) योगिराट् (घ) शिवंवीरः
2. अम्बिकादत्तव्यासस्य पितुर्नाम किम्?
   (क) दुर्गादत्तः (ख) विष्णुदत्तः (ग) सोमदत्तः (घ) यज्ञदत्तः
3. सोमनाथतीर्थः कस्मिन् प्रदेशे वर्तते?
   (क) महाराष्ट्रे (ख) गुर्जरप्रदेशे (ग) मध्यप्रदेशे (घ) उत्तरप्रदेशे
4. उद्धूय- इत्यत्र का प्रकृतिः कश्च प्रत्ययः?
   (क) उत्+धूञ्+ल्यप् (ख) उद्+धूञ्+यत्
   (ग) उद्+धूञ्+क्यप् (घ) उत्+धूञ्+व्यत्
5. महामदः कस्य देशस्य निवासी आसीत्?
   (क) तुर्कदेशस्य (ख) अरबदेशस्य (ग) गजनीदेशस्य (घ) भारतदेशस्य
6. शुद्धं वाक्यं किम्?
   (क) जनकः पुत्रे विश्वसिति। (ख) जनकः पुत्रं स्निह्यति।
   (ग) जनकः पुत्रे विश्वसिति। (घ) जनकः पुत्राय स्निह्यति।
7. 'दिगीशः' इत्यस्य विच्छेदः कः?
   (क) दिग्+ईशः (ख) दिक्+ईशः (ग) दिगी+ईशः (घ) दिगि+ईशः

क्रमशः

Scanned with OKEN Scanner

8. 10 हजार-

(क) अयुतम् (ख) नियुतम् (ग) कोटिः (घ) अर्बुदम्

9. शुद्धः प्रयोगः कः?

(क) चत्वारः कन्याः (ख) चत्वारि कन्याः (ग) चतुर् कन्याः (घ) चतस्रः कन्याः

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः 2×3=6

10. रामः कस्मिन् वंशे जनिं लेभे तथा च रामः कस्मात् दिव्यास्त्रं प्राप्तवान्?

11. शिवराजविजयस्य संक्षिप्तं परिचयं लिखत।

12. सह्-धातोः तोट्-लकारस्य रूपाणि लिखत।

लघूत्तरीयाः प्रश्नाः 4×3=12

13. तेन तत्रैव वसता जनस्थाननिवासिनी।
विरूपिता शूर्पणखा राक्षसी कामरूपिणी।। व्याख्या कार्या।

14. आत्मवान् को जितक्रोधो द्युतिमान् कोऽनसूयकः।
कस्य बिभ्यति देवाश्च जातरोषस्य संयुगे।। व्याख्या कार्या।

15. निर्देशानुसारं प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत-

(क) माता पुत्र से स्नेह करती है। (संस्कृतानुवादं कुरुत।)

(ख) वह पिता का अनुकरण करता है। (संस्कृतानुवादं कुरुत।)

(ग) पितृ-शब्दस्य पञ्चमी विभक्तिं लिखत।

(घ) सः गुरुं सेविष्यते, दुःखं सहिष्यते। (हिन्द्यनुवादं कुरुत।)

दीर्घोत्तरीयः प्रश्नः 8

16. निम्न गद्यखण्डस्य सप्रसङ्गं संस्कृतभाषायां व्याख्यां कुरुत-

अतं भो अलम्! मयैव पूर्वमवचितानि कुसुमानि, त्वं तु चिरं रात्रावजागरीरिति क्षिप्रं नोत्थापितः, गुरुचरणा अत्र तडागतटे सन्ध्यामुपासते, संस्थापिता मया निखिला सामग्री तेषां समीपे। यां च सप्तवर्षकल्पाम्, यावनजासेन निःशब्दं रुदतीम्, परमसुन्दरीम्, कलित-मानव-देहामिव सरस्वतीं सान्त्वयन् मरन्दमधुरा अपः पाययन्, कन्दखण्डानि भोजयन्, त्वं त्रियामाया यामत्रयमनैषीः; सेयमधुना स्वपिति, उद्बुध्य च पुनस्तथैव रोदिष्यति, तत् परिमार्गणीयान्येतस्याः पितरौ गृहं च -

अथवा

तदाकर्ण्य दुःखितश्चकितश्च योगिराडुवाच- "कथमेतत्? अ एव पर्वतीयाञ्छत्रून् विनिर्जित्य महता जयघोषेण स्वराजधानीमायातः श्रीमानादित्य-पताकाङ्को वीरविक्रमः। अद्यापि तद्विजयपताका मम चक्षुषोरग्रत इव समुल्लसन्ती, अद्यापि तेषां पटहगोमुखादीनां निनादः कर्णशष्कुली पूरयतीव, तत् कथमद्य वर्षाणां सप्तदशशतकानि व्यतीतानि" इति?

(158 : खण्ड-ख)

खण्ड 'अ' - व्याकरणशास्त्राणां कृते तर्कसंग्रहे प्रश्नाः

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः 1×5=5

अधोलिखितानां प्रश्नानां समेषां समीचीनं विकल्पं चिनुत।

1. उपमितिकरणं केन पदेन बोध्यते?

(क) अनुमानम् (ख) उपमानम् (ग) प्रमेयः (घ) अप्रमेयः

2. वाक्यस्य कति अवयवाः सन्ति?

(क) पञ्च (ख) नव (ग) षट् (घ) सप्त

3. विप्रकृष्टसंयोग-हेतुः भवति-

(क) उत्प्रेक्षण (ख) आकुञ्चनम् (ग) प्रसारणम् (घ) गमनम्

4. प्रतिज्ञायाः उदाहरणमस्ति-

(क) व्याप्तिः (ख) अनुमानम् (ग) लिंगम् (घ) किमपि न

5. संज्ञा-संज्ञी संबंध-ज्ञानं किं भवति?

(क) प्रत्यक्षम् (ख) प्रमितिः (ग) उपमितिः (घ) अनुमितिः

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः 2×5=10

6. अभावः कतिविधः?

7. सामान्यलक्षणं किम्?

8. शिखरिणी-छन्दसि कुत्र यतिः भवति?

9. हरिणी-छन्दसि प्रतिपादं कति वर्णाः भवन्ति? छन्दसः लक्षणमपि लिखत।

10. मन्दाक्रान्ता-छन्दसः उदाहरणपूर्वकं लक्षणं लिखत।

लघूत्तरीयाः प्रश्नाः 4×3=1

11. हेत्वाभासानां वर्णनं कुरुत।

12. अन्वयव्यतिरेकिणो लक्षणं लेखनीयम्। क्र

Scanned with OKEN Scanner

13. 'तोटकम्' इत्यस्य छन्दसः उदाहरणं लिखत।

दीर्घोत्तरीयः प्रश्नः 8

14. अनुमानं विशदयत।

अथवा

विशेषं विशदयत।

अथवा

सांख्यदर्शने प्रश्नाः

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः 1×5=5

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. सिद्धिः कतिधा भवति?

(क) नवधा (ख) दशधा (ग) अष्टधा (घ) पञ्चधा

2. सांख्यदर्शनस्य तृतीयाध्याये कति सूत्राणि सन्ति?

(क) 80 (ख) 89 (ग) 60 (घ) 84

3. रागोपहतिः किं भवति?

(क) सिद्धिः (ख) ध्यानम् (ग) ज्ञानम् (घ) मुक्तिः

4. तिर्यक्सृष्टिः कीदृशी भवति?

(क) रजोविशाला (ख) तमोविशाला (ग) सत्वविशाला (घ) सर्वप्रकारका

5. सांख्यदर्शने कति पदार्थाः मन्यन्ते?

(क) 24 (ख) 21 (ग) 18 (घ) 25

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः 2×5=10

6. आसनं किं भवति? ससूत्रं लिखत।

7. समानं जरामरणादिजं दुःखम्, इत्यस्य भाष्यं लिखत।

8. शिखरिणी-छन्दसि कुत्र यतिर्भवति?

9. हरिणी-छन्दसि प्रतिपादं कति वर्णाः भवन्ति? छन्दसः लक्षणमपि लिखत।

10. मन्दाक्रान्ता-छन्दसः उदाहरणपूर्वकं लक्षणं लिखत।

लघूत्तरीयाः प्रश्नाः 4×3=12

11. 'भूतेष्वपि न संघातयोगात् तरणिवत्' सूत्रं सप्रसंगं व्याख्यायत।

12. 'वैराग्याऽभ्यासाभ्यां' इत्यस्य सप्रसंगं व्याख्यां विदेयात्।

13. 'तोटकम्' इत्यस्य छन्दसः उदाहरणं लिखत।

दीर्घोत्तरीयः प्रश्नः 8

14. 'नियतकारणत्वान्न समुच्चयविकल्पौ' सूत्रं व्याख्यायत।

अथवा

आध्यात्मिकादिभेदान्नवधा तुष्टिः।

खण्ड 'ब' - व्याकरणेतरछात्राणां कृते मध्यसिद्धान्तकौमुद्यां प्रश्नाः

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः 1×5=5

समुचितं विकल्पं चिनुत।

1. आत्मनेपदसंज्ञाविधायकं सूत्रं किम्?

(क) अनुदात्तङित आत्मनेपदम् (ख) तङानावात्मनेपदम्

(ग) भावकर्मणोः (घ) आत्मनेपदेष्वन्यतरस्याम्

2. 'दिवः कर्म च' इत्यनेन का संज्ञा भवति?

(क) कर्तृसंज्ञा (ख) संप्रदान संज्ञा (ग) करणसंज्ञा (घ) अपादान संज्ञा

3. निर्धारणे का विभक्तिः?

(क) पञ्चमी (ख) तृतीया (ग) चतुर्थी (घ) षष्ठी

4. परार्थाभिधानं .....

(क) समासः (ख) उपमा (ग) वृत्तिः (घ) हि

5. टच्-विधायकं सूत्रं नास्ति-

(क) ह्रयः (ख) अनश्च (ग) नस्तद्धिते (घ) नपुंसकादन्यतरस्याम्

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः 2×5=1(

6. गुप-धातोः आपादयः प्रत्ययाः कुत्र भवन्ति? सूत्रपूर्वकं लिखत।

7. अपादानसंज्ञायाः किमपि सूत्रद्वयं उदाहरणपुरस्सरं लिखत।

क्रमः

Scanned with OKEN Scanner

8. शिखरिणी-छन्दसि कुत्र यतिर्भवति?

9. हरिणी-छन्दसि प्रतिपादं कति वर्णाः भवन्ति?

10. मन्दाक्रान्ता-छन्दसः उदाहरणपूर्वकं लक्षणं लिखत।

लघूत्तरीयाः प्रश्नाः 4×3=12

11. भवेयम्, गोपायति, ग्लाता - इत्येतेषु प्रयोगेषु द्वौ साधनीयौ।

12. कृष्णश्रितः, पुरुषव्याघ्रः, उपकृष्णम् - इत्येतेषु द्वौ साधनीयौ।

13. 'तोटकम्' - इत्यस्य छन्दसः उदाहरणं लिखत।

दीर्घोत्तरीयः प्रश्नः 8

14. आनङ् ऋतो द्वन्द्वे, ढ्रो ढे लोपः सूत्रद्वयं व्याख्याहि।

अथवा

अकथितं च, कडाराः कर्मधारये सूत्रद्वयं व्याख्याहि।

अथवा

लघुसिद्धान्तकौमुद्यां प्रश्नाः

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः 1×5=5

समेषां प्रश्नानां समुचितं विकल्पं विनुत।

1. 'आतिथुः' इत्यत्र क्रेर्जुस् - आदेशः केन सूत्रेण?

(क) क्रेर्जुस् (ख) जुसि (ग) सिजभ्यस्तविदिभ्यश्च (घ) जसि च

2. कुहोश्चु इत्यनेन सूत्रेण भवति-

(क) कवर्गादेशः (ख) चवर्गादेशः (ग) हकारादेशः (घ) टवर्गादेशः

3. एधेत इत्यत्र सीयुटः - सकारलोपः केन सूत्रेण?

(क) लिङः सलोपोऽनन्त्यस्य (ख) स्कोः संयोगाद्योरन्ते च

(ग) लिङः सीयुट् (घ) तासस्त्योर्लोपः

4. जुहोत्यादिभ्यः धातुभ्यः कः विकरणप्रत्ययः?

(क) श्यन् (ख) शप् (ग) श्नुः (घ) श्नम्

5. अत्ति इत्यत्र कः धातुः?

(क) अट गतौ (ख) अत सातत्यगमने (ग) अद भक्षणे (घ) न कोऽपि

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः 2×5=10

6. सत्यापपाश ..... सूत्रं पूरयत।

7. भू-धातोः लिट्लकारे रूपाणि लिखत।

8. शिखरिणी-छन्दसि कुत्र यतिः भवति?

9. हरिणी-छन्दसि प्रतिपादं कति वर्णाः भवन्ति? छन्दसः लक्षणमपि लिखत।

10. मन्दाक्रान्ताछन्दसः सोदाहरणं लक्षणं लिखत।

लघूत्तरीयाः प्रश्नाः 4×3=12

11. अभूवम्, अग्मतुः, जुह्वति- इत्येतेषु रूपद्वयं साधयत।

12. विपर्ति, अकार्षीत, जायते- इत्येतेषु रूपद्वयं साधयत।

13. 'तोटकम्' इत्यस्य छन्दसः उदाहरणं लिखत।

दीर्घोत्तरीयः प्रश्नः 8

14. 'अचस्तास्वत्थल्यनिटो नित्यम्', कृन्यानुप्रयुज्यते लिटि सूत्रद्वयं सोदाहरणं व्याख्यायत।

अथवा

लिट्यभ्यासस्योभयेषाम्, थलि च सेटीडन्तो वा सूत्रद्वयं व्याख्यायत।

— 0 —

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्नपत्र संकेतांक - 601 विषय कोड - 193

2024 ई. वर्षे

उत्तरमध्यमा प्रथमवर्षे परीक्षायाम्

अनिवार्यसंस्कृतम् विषये प्रश्नाः

समयः — 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णाङ्काः — 100

निर्देशः- प्रारम्भे पञ्चदशकलाः (15 मिनट) परीक्षार्थिनां कृते प्रश्नपत्रपठनार्थं निर्धारिताः सन्ति। यथानिर्देशं सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः। प्रश्नानां पुरोऽङ्काः अङ्किताः सन्ति।
खण्ड-क सर्वेषां छात्राणां कृते (रचनानुवादकौमुदी)
खण्ड-ख व्याकरणेतरछात्राणां कृते (मध्यसिद्धान्तकौमुदी अथवा लघुसिद्धान्तकौमुदी)
खण्ड-ग व्याकरणच्छात्राणां कृते (न्यायसिद्धान्तमुक्तावली अथवा न्यायदर्शनम्)

(193 : खण्ड-क)

बहुविकल्पीयात्मकाः प्रश्नाः 1×5=5

1. किरातार्जुनीयम् इत्यत्र कः प्रत्ययः?
(क) छः (ख) ढक् (ग) यत् (घ) यः

2. किरातार्जुनीयमहाकाव्ये प्रधानो रसः कः?
(क) शृंगारः (ख) वीरः (ग) शान्तः (घ) करुणः

3. वृकोदरः कः?
(क) अर्जुनः (ख) युधिष्ठिरः (ग) भीमः (घ) नकुलः

4. 'गृहीष्यामि' इत्यस्य शुद्धं रूपं किम्?
(क) गृहिष्यामि (ख) ग्रहष्यामि (ग) गृहीष्यामि (घ) ग्रहीष्यामि

5. अनुप्रास-अलंकारस्य भेदाः सन्ति-
(क) सप्त (ख) अष्टौ (ग) नव (घ) पञ्च

अतिलघूत्तरीयात्मकाः प्रश्नाः 1×5=5

6. 'प्रवक्तुमिच्छन्ति न मृषा हितैषिणः' उक्तिरियं कुतः?
7. किरातार्जुनीयस्य प्रथमसर्गस्य सारः संक्षेपेण लेख्यः।
8. 'अम्बिकादत्तः व्यासस्य' पितुः नाम।
9. 'यत्त्वं ब्राह्मणः सुरां सेवसे, यच्च शुद्रीमुखं चुम्बसि, अन्याय्यं तत्' इत्यस्मिन् अशुद्धपदानां रूपं लिखत।
10. कादम्बरीग्रन्थस्य कः लेखकः?

क्रमशः

Scanned with OKEN Scanner

9. धातु-शब्दस्य रूपाणि लिखत।
10. कृ+क्त्वातु, स्था+क्त्वा, गा+यत्- धातु प्रत्ययं च योजयित्वा रूपाणि लिखत।

खण्ड-'ख' (व्याकरणेतरखण्डानां कृते)

मध्यसिद्धान्तकौमुद्यां प्रश्नाः

वस्तुनिष्ठात्मकाः प्रश्नाः

2×5=10

अधोलिखितानां प्रश्नानां समुचितं विकल्पं चिनुत।

11. 'अश्ना काणः' इत्यत्र केन सूत्रेण तृतीया?
(क) इत्थम्भूतलक्षणे (ख) हेतौ (ग) येनाङ्गविकारः (घ) कर्तृकरणयोस्तृतीया

12. 'कृष्णस्य कृतिः' इत्यत्र कस्मिन् कारके षष्ठी?
(क) कर्तरि (ख) कर्मणि (ग) सम्बन्धे (घ) करणे

13. 'अक्षशौण्डः' इत्यस्य अलौकिक-विग्रहः कः?
(क) अक्ष+ङस्+शौण्ड सु (ख) अक्ष+सुप्+शौण्ड+सु
(ग) अक्ष+अम्+शौण्ड+सु (घ) शौण्ड+सुप्+अक्ष+सु

14. 'उपसर्जन-संज्ञा' विधायकं सूत्रं अस्ति-
(क) उपसर्जनं पूर्वम् (ख) वोपसर्जनस्य
(ग) गोस्त्रियोरुपसर्जनस्य (घ) प्रथमानिर्दिष्टं समास उपसर्जनम्

15. विशेषसंज्ञाविनिर्मुक्तः समासः कः?
(क) तत्पुरुषः (ख) कर्मधारयः (ग) केवलः (घ) द्वन्द्वः

5×4=20

लघूत्तरीयात्मकाः प्रश्नाः

16. लक्षणेत्थम्भूताख्यानभागवीप्सासु प्रतिपर्यनवः- व्याख्या विधेया।
17. हलदन्तात् सप्तम्याः संज्ञायाम्- इत्यस्य व्याख्या कार्या।
18. चित्रगुः, देवपूजकः- इत्येतौ प्रयोगौ साधनीयौ।
19. शङ्कुलाखण्डः, मातापितरौ- इत्येतौ प्रयोगौ साधनीयौ।

दीर्घोत्तरीयात्मकः प्रश्नः

10

20. तृतीया तत्कृतार्थेन गुणवचनेन, चार्थे द्वन्द्वः- व्याख्या कार्या।

अथवा

उभसर्वतसोः कार्या धिगुपर्यादिषु त्रिषु।
द्वितीयाम्रेडितान्तेषु ततोऽन्यत्रापि दृश्यते।। इत्यस्य व्याख्या विधेया।

अथवा

मध्यसिद्धान्तकौमुद्यां प्रश्नाः

वस्तुनिष्ठात्मकाः प्रश्नाः

अधोलिखितानां प्रश्नानां समुचितं विकल्पं चिनुत। 2×5=10

11. किमर्थं स्वातन्त्र्येण विवक्षितेऽर्थे भवति-
(क) कर्ता (ख) कर्म (ग) करणम् (घ) सम्प्रदानम्

12. सनु-प्रत्ययः कस्मिन्नर्थे भवति?
(क) सम्मिताद्येऽर्थे (ख) अभ्यासाद्येऽर्थे
(ग) इच्छार्थे (घ) आचाराद्यर्थे

13. 'आधु+भव+आ+तु' इत्यत्र 'ओःपुयण्ज्यपरे' इत्यनेन कः आदेशः?
(क) आयादेशः (ख) इदादेशः (ग) उवादेशः (घ) ऊवादेशः

14. 'सन्यङोः' इत्यनेन किं भवति?
(क) सन्वद्भावः (ख) धातुसंज्ञा
(ग) अभ्याससंज्ञा (घ) द्वित्वम्

15. 'वशंवदः' इत्यत्र वद्-धातोः कः प्रत्ययः?
(क) खच् (ख) खश् (ग) ख (घ) क

लघूत्तरीयात्मकाः प्रश्नाः 5×4=2(

16. धातोः कर्मणः समानकर्तृकादिच्छायां वा। इत्यस्य व्याख्या कार्या।
17. नन्दिग्रहिपचादिभ्यो ल्युणिन्यचः। इत्यस्य व्याख्या विधेया।
18. स्थापयति, वाद्यते- इत्येतौ प्रयोगौ साधनीयौ।
19. देयम्, कुरुचरः- इत्येतौ प्रयोगौ साधनीयौ।

दीर्घोत्तरीयात्मकः प्रश्नः

20. सुपो धातुप्रातिपदिकयोः, वासरूपोऽस्त्रियाम्- अनयोः व्याख्या विधेया।

अथवा

अनुनासिकस्य क्विझलोः क्ङिति, आतश्चोपसर्गे यश्च- अनयोः व्याख्या विधेया।

Scanned with OKEN Scanner

खण्ड 'ग' (व्याकरणछात्राणां कृते)

न्यायसिद्धान्तमुक्तावल्यां प्रश्नाः

वस्तुनिष्ठात्मकाः प्रश्नाः

अधोलिखितानां प्रश्नानां समुचितं विकल्पं चिनुत। 2×5=10

11. सामान्यं कतिविधम्?
(क) द्विविधम् (ख) त्रिविधम् (ग) चतुर्विधम् (घ) पञ्चविधम्

12. अल्पदेशवृत्तित्वम् किम्?
(क) परसामान्यम् (ख) अपरसामान्यम्
(ग) अधिकसामान्यम् (घ) न्यूनसामान्यम्

13. संसर्गाभावः कतिविधः?
(क) द्विविधः (ख) त्रिविधः (ग) चतुर्विधः (घ) पञ्चविधः

14. अदृष्टनाम्ना किं गृह्यते?
(क) सुखदुःखे (ख) शीतोष्णे (ग) धर्माधर्मौ (घ) जयाजयौ

15. नित्यत्वे सति अनेक समवेतत्वम् .....?
(क) संयोगः (ख) सामान्यम् (ग) अभावः (घ) समवेतः

लघूत्तरीयात्मकाः प्रश्नाः 5×4=20

16. व्यापकत्वात्परा ऽपि स्याद् व्याप्यत्वादपरा ऽपि च।
अन्त्यो नित्यद्रव्यवृत्तिर्विशेषः परिकीर्तितः।। इति व्याख्यायताम्।

17. समवायिकारणत्वं त्रैविध्यमथाप्यसमवायिहेतुत्वम्।
एवं न्यायनयज्ञैस्तृतीयमुक्तं निमित्तहेतुत्वम्।। इति व्याख्यायताम्।

18. क्षितिर्जलं तथा तेजः पवनो मन एव च।
परापरत्वमूर्तत्वक्रियावेगाश्रया अमी।। इति व्याख्यायताम्।

19. वर्णः शुक्लो रसस्पर्शौ जले मधुरशीतलौ।
स्नेहस्तत्र द्रवत्वं तु सांसिद्धिकमुदाहृतम्।। इति व्याख्यायताम्।

दीर्घोत्तरीयात्मकः प्रश्नः 10

20. अद्वैतवादस्य स्वरूपं खण्डनञ्च।

अथवा

द्रव्यारम्भश्चतुर्षु स्यात् अथाकाशशरीरिणाम्।
अव्याप्तवृत्तिः क्षणिको विशेषगुण इष्यते।। व्याख्यायताम्।

अथवा

न्यायदर्शने प्रश्नाः

वस्तुनिष्ठात्मकाः प्रश्नाः

अधोलिखितानां प्रश्नानां समीचीनं विकल्पं चिनुत। 2×5=10

11. सदविषयकं प्रमाणं किम्?
(क) प्रत्यक्षम् (ख) अनुमानम् (ग) उपमानम् (घ) शब्दः

12. 'अथ तत्पूर्वकं त्रिविधमनुमानं पूर्ववच्छेषवत्सामान्यतोदृष्टञ्च' इत्यस्मिन् सूत्रे 'तत्' इति पदेन किं गृह्यते?
(क) शब्दः (ख) अनुमानम् (ग) उपमानम् (घ) प्रत्यक्षम्

13. ..... प्रतिज्ञा इतीदं सूत्रं पूरयत-
(क) चेष्टेन्द्रियः (ख) बुध्यज्ञानानुत्पत्तिः (ग) साध्यनिर्देशः (घ) प्रवृत्तिदोषजनितेऽर्थः

14. मृत्वा या पुनरुत्पत्तिः (पुनर्जन्म) स भवतिः
(क) अपवर्गः (ख) दोषः (ग) प्रवृत्तिः (घ) प्रेत्यभावः

15. न्यायदर्शने कति अध्यायाः सन्ति?
(क) दश (ख) पञ्च (ग) षड् (घ) सप्त

लघूत्तरीयात्मकाः प्रश्नाः 5×4=20

16. प्रसिद्धसाधर्म्यात् साध्यसाधनमुपमानम्।

17. युगपज्ज्ञानानुत्पत्तिर्मनसो लिङ्गम्।

18. बाधनालक्षणं दुःखम्।

19. उदाहरणसाधर्म्यात् साध्यसाधनं हेतुः।

दीर्घोत्तरीयात्मकः प्रश्नः 1

20. इन्द्रियार्थसन्निकर्षोत्पन्नं ज्ञानमव्यपदेश्यमव्यभिचारि व्यवसायात्मकं प्रत्यक्षम्।
(वात्स्यायनभाष्यमनुसृत्य सप्रसङ्गं व्याख्या विधेया।)

अथवा

न्यायदर्शनानुसारं षोडशपदार्थानां विवेचनं कुरुत।

— 0 —

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्नपत्र संकेतांक - 608 विषय कोड - 207

2024 ई. वर्षे
उत्तरमध्यमा प्रथमवर्षे परीक्षायाम्
नव्य व्याकरणम् विषये प्रश्नाः

समयः — 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णाङ्काः — 100

निर्देशः- प्रारम्भे पञ्चदशकलाः (15 मिनट) परीक्षार्थिनां कृते प्रश्नपत्रपठनार्थं निर्धारिताः सन्ति। यथानिर्देशं सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः। प्रश्नानां पुरोऽङ्काः अङ्किताः सन्ति।

(207 : खण्ड-क)

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः 1×5=5

1. सिद्धान्तकौमुद्यां कति प्रकरणानि सन्ति?
   (अ) त्रयोदश (ब) चतुर्दश (स) पञ्चदश (द) षोडश
2. महाभाष्यं केन रचिता?
   (अ) पाणिनिना (ब) पतंजलिना (स) भट्टोजिदीक्षितेन (द) वरदराजाचार्येण
3. समास प्रकरणस्य कानि उपकरणानि सन्ति?
   (अ) नव (ब) दश (स) पञ्चदश (द) षोडश
4. दाक्षिः इत्यत्र कः प्रत्ययः?
   (अ) अण् (ब) ण्यः (स) मयट् (द) इञ्
5. आश्वपतम् इत्यत्र कः प्रत्ययः?
   (अ) मयट् (ब) इणि (स) ङीप् (द) अण्

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः 1×5=5

6. व्याकरणसूत्राष्टाध्यायी केन प्रणीताः?
7. शेषे इति सूत्रं लक्षणं अधिकारसूत्रं वा?
8. कान्तिकः इति केन सूत्रेण कः भवति?
9. कण्वादिभ्यो गोत्रे इति सूत्रस्य का व्युत्पत्तिः?
10. द्वाशदीनां के?

क्रमशः

Scanned with OKEN Scanner

4×5=20

लघूत्तरीयाः प्रश्नाः

11. श्रीमदभट्टोजिदीक्षितः सिद्धान्तकौमुदीं कां व्याख्यां चकार?
12. वयः मुनयः के वर्तन्ते?
13. देवपथः इत्यत्रं विग्रहं लिखित्वा सूत्रमपि लिखत।
14. नित्यवीप्सयोः इत्यस्य अर्थं लिखत।

10×2=20

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः

15. ग्रैष्म, प्रावृषिकः, मूलकः, स्थौल्य, मासिकम्, वाजपेयिकः, वैयाकरणः, एषु पञ्चैव समाधेयाः।

अथवा

तैर्थः, पैतृकम्, वनसमम्, वासुदैवकः, कलाः, पाणिनीयम्, क्षातिकम्, एषु केचन पञ्चैव समाधेयाः।

16. गोत्रे किं सौतङ्गमीयम् इति व्याख्यायताम्।

अथवा

श्रविष्ठा फल्गुन्यनुराधा इति सूत्रं पूरयित्वा व्याख्यायताम्।

(208 : खण्ड-ख)

1×5=5

बहुविकल्पीयात्मकाः प्रश्नाः

1. धातवः कतिविधाः (षोडा, चतुर्धा, पञ्चधा)
2. विष्तृधातोः स्वरूपमस्ति लिट्लकारस्य (वेवेष्टि, वेविष्टे)
3. सृधातोः अर्थमस्ति- गत्यर्थक, पृथक्भावे, व्याप्त्यर्थक
4. डु धाञ्दाने वा धारण पोषणयोः।
5. वक्ष्यति इति लट्लकारस्य रूपं वा लिट्लकारस्य रूपम्।

1×5=5

अतिलघूत्तरीयात्मकाः प्रश्नाः

6. भट्टोजिदीक्षितस्य पितुः नाम किमासीत्?
7. सिद्धान्तकौमुदी कीदृशः ग्रन्थः वर्तते?
8. का जाम परिभाषा?
9. स्वादयः प्रत्ययाः के?
10. बभूव इति का धातुः अस्ति?

5×4=20

लघूत्तरीयात्मकाः प्रश्नाः

11. जुहोत्यादिभ्यः श्लुः इति किं भवति?
12. जिर्गीतः इति कुत्र सिद्धयति?
13. जुहोत्यादिप्रकरणस्य को ऽर्थः?
14. कृञ्यानुप्रयुज्यते लिटि इति सूत्रस्य किमर्थः?

10×2=20

दीर्घोत्तरीयात्मकाः प्रश्नाः

15. अजति, बभूवुः, संविवेशुः, भवताम्, अपैषीत्, अकार्टीत्, अवोचन्त एषु पञ्चैव समाधेयाः

अथवा

पाघ्राध्मा इति सम्पूर्णसूत्रं विलिख्य व्याख्यायताम्।

16. श्रसन्तश्वनुदात्तधातूनामर्थं विलिख्य आत औणः, इति सूत्रस्यार्थौ लेख्यः।

अथवा

'जनसनखनांसञ्झलोः' इति अर्थं विलिख्य उदाहरणमपि देयः।

— 0 —

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्नपत्र संकेतांक - 707 विषय कोड - 273

2024 ई. वर्षे
उत्तरमध्यमा द्वितीयवर्षे परीक्षायाम्
प्राचीन व्याकरण विषये प्रश्नाः

समयः — 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णाङ्काः — 100

निर्देशः- प्रारम्भे पञ्चदशकलाः (15 मिनट) परीक्षार्थिनां कृते प्रश्नपत्रपठनार्थं निर्धारिताः सन्ति। यथानिर्देशं सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः। प्रश्नानां पुरोऽङ्काः अङ्किताः सन्ति।

(273 : खण्ड-क)

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः 1×5=5

1. लिटिधातोरनभ्यासस्य इति सूत्रेण किं भवति?
   (अ) अभ्यास संज्ञा (ब) अभ्यस्त संज्ञा (स) द्वित्वम्
2. लङ्लकारस्य रूपं अस्ति?
   (अ) अदेवीत् (ब) अदीव्यत् (स) अदेविष्यत्
3. पिपर्ति इत्यत्र लकारः अस्ति?
   (अ) लट् (ब) लोट् (स) लिट्
4. आख्यात पदस्य कोऽर्थः?
   (अ) तिङ्. (ब) तद्धितः (स) कृत्
5. दधाति कस्य धातोः रूपम्?
   (अ) दध (ब) धा (स) दधा

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः 1×5=5

6. पदन्नोमास्हन्नि - इति सूत्रं पूरणीयम्।
7. प्रच्छ धातु कस्मिन्नर्थे विद्यते?
8. भुज धातोः लट्लकारे प्रथमपुरुषे रूपाणि लिखत।
9. सम्प्रसारण संज्ञा केन सूत्रेण भवति?
10. अनश्वः इत्यत्र कः समासः?

लघूत्तरीयाः प्रश्नाः 5×4=20

11. एरनेकाचोऽसंयोगपूर्वस्य, न भूसुधियोः सूत्रयोः टिप्पणी अष्टाध्यायी भाष्यानुसारिणी लेख्या।
12. ईछति, चिणो लुक् सूत्रयोः अष्टाध्यायी भाष्यानुसारिणी व्याख्या कार्या।

क्रमशः

Scanned with OKEN Scanner

म भूसुधियो, ईं हल्यघोः सूत्रयोः टिप्पणी अष्टाध्यायी भाष्यानुसारेण देया।
अनद्यतनेलङ्, लिट् च सूत्रयोः काशिकानुसारि व्याख्या कार्या।

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः 10×2=20

विनोति, अबोधि, नर्तिष्यति, दीव्यतु, ततान्, चोरयाञ्चकार अरुणत्-अरुणद्, एतेषु प्रयोगेषु ऋणः प्रयोगाः साधनीयाः।
न सम्प्रसारणे सम्प्रसारणम्, अनुदात्तस्य चर्दुपधस्यान्यतरयाम्, धातोस्तन्निमित्तस्यैव, नामन्यतरस्याम्, ह्रस्वनुड्भ्यां मतुप् एतेषु सूत्रद्वयस्य अष्टाध्यायी भाष्यानुसारि व्याख्या करणीया।

अथवा

उपरिलिखितेषु द्वयोः सूत्रयोः काशिकानुसारिणी व्याख्या करणीया।

(274 : खण्ड-ख)

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः 1×5=5

युस्मभ्यम् इत्यत्र का विभक्तिः?
(अ) चतुर्थी (ब) पञ्चमी (स) षष्ठी
आदिरञ्च सूत्रेण किं भवति?
(अ) इडागमः (ब) इड्निषेधः (स) इड्विकल्पः
हनिष्यति इत्यत्र केन सूत्रेण इडागमः?
(अ) आर्धधातुकस्येड्वलादेः (ब) वृतो भारद्वाजस्य (स) वृच्छृधोः स्ये
पथः इत्यत्र का विभक्तिः?
(अ) प्रथमा (ब) द्वितीया (स) तृतीया
क्रोष्टुः इत्यत्र का विभक्तिः?
(अ) प्रथमा (ब) द्वितीया (स) पञ्चमी

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः 1×5=5

इकोऽचि विभक्तौ इत्यनेन सूत्रेण किं भवति?
चतुरनडुहोरामुदात्तः सूत्रस्य उदाहरणं लेखनीयम्।
अनङ् सौ इत्यनेन सूत्रेण किं भवति?
युस्माभिः इत्यत्र का विभक्तिः?
विदेः शतुर्वसुः सूत्रस्योदाहरणं लेखनीयम्।

लघूत्तरीयाः प्रश्नाः 5×4=20

11. सर्वस्मिन्, शेरते, युस्माकम्, गार्गीयः, अष्टौ, अनैषीत्, षट्, षड् इत्येतेषु किमप्युदाहरणद्वयं काशिकामाश्रित्य अथवा अष्टाध्यायीभाष्यमाश्रित्य साधनीयम्।
12. ज्ञानानि, सर्वेषाम्, ररन्थहुः, अलम्भत्, सुधिना इत्येतेषु किमप्युदाहरणद्वयं नामिकमाश्रित्य साधनीयम्।
13. गार्गीयः, अष्टौ, अनैषीत् इत्येतेषु किमप्युदाहरणद्वयं काशिकामाश्रित्य अथवा अष्टाध्यायी भाष्यमाश्रित्य साधनीयम्।
14. अलम्भत्, सुधिना, तव इत्येतेषु किमप्युदाहरणद्वयं नामिकमाश्रित्य साधनीयम्।

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः 10×2=20

15. ह्रसिडधो स्मात्स्मनौ, अष्टाभ्य औश्, तुष्टयोस्तातङ्ङाशिष्यन्यतरस्याम् ह्रस्वनद्यापो नुट्, अतो हलादेर्लघोः भोज्यं भक्ष्ये इत्येतेषु किमपि सूत्रद्वयं काशिकामाश्रित्य अथवा अष्टाध्यायीभाष्यमाश्रित्य सोदाहरणं व्याख्यायताम्।
16. षट्चतुर्भ्यश्च, पुंवेरसमासे, इकोऽचि विभक्तौ, रायो हलि, साम आव, आत औ णलः इत्येतेषु कानिचित् चत्वारि सूत्राणि नामिकमाश्रित्य सोदाहरणं व्याख्यायताम्।

-- 0 --

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्नपत्र संकेतांक - 701 विषय कोड - 261

2024 ई. वर्षे
उत्तरमध्यमा द्वितीयवर्षे परीक्षायाम्
अनिवार्य संस्कृतम् विषये प्रश्नाः

समयः – 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णाङ्काः – 100

निर्देशः- प्रारम्भे पञ्चदशकलाः (15 मिनट) परीक्षार्थिनां कृते प्रश्नपत्रपठनार्थं निर्धारिताः सन्ति। यथानिर्देशं सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः। प्रश्नानां पुरोऽङ्काः अङ्किताः सन्ति।

(261 : खण्ड-क)
'अ' खण्डः
शुकनासोपदेशः
बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः

अधोलिखितानां प्रश्नानां समीचीनं विकल्पं चिनुत- 1×5=5

1. बाणभट्टस्य का रीतिः (शैली)?
   (अ) वैदर्भी (ब) पाञ्चाली (स) गौडी (द) चूर्णक
2. चन्द्रापीडस्य पितुर्नाम किम्?
   (क) तारापीडः (ख) सूर्यापीडः (ग) शुकनासः (घ) शूद्रकः
3. 'शिशिरोपचारहार्यः' इत्यत्र कः समासः?
   (अ) बहुव्रीहिः (ब) तत्पुरुषः (स) कर्मधारयः (द) द्वन्दः
4. शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि का कालुष्यनुपयाति?
   (अ) युवावस्था (ब) गुरूपदेशः (स) दृष्टिः (द) बुद्धिः
5. लक्ष्मीः कुतः उद्गता?
   (अ) कमलपत्रात् (ब) क्षीरसागरात् (स) क्षीरात् (द) कुसुमात्

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः

सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः- 3×4=12

6. चन्द्रापीडस्य परिचयं लिखत।
7. 'कादम्बरीरसज्ञानामाहारोऽपि न रोचते' उक्तिरियं वर्णयत।
8. शुकनासोपदेशस्य सारो संक्षेपेण लिखत।
9. 'अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः' सूक्तेः व्याख्या कार्या।

क्रमशः

Scanned with OKEN Scanner

लघूत्तरीयाः प्रश्नाः

4×2=8

निम्नाङ्कितेषु गद्येषु द्वयोरेव व्याख्या कार्या-

10. हरति च सकलमतिमलिनमप्यन्धकारमिव दोषजातं प्रदोषसमयनिशाकर इव गुरूपदेशः। प्रशमहेतुर्वयः परिणाम इव पलितरूपेण शिरसिजजालमलीकुर्वन् गुणरूपेण तदेव परिणमयति। अयमेव चानास्वादित विषयरसस्य ते काल उपदेशस्य। कुसुमशरशर प्रहारजर्जरिते हि हृदये जलमिव गलत्युपदिष्टम्।
11. न परिचयं रक्षति। नाभिजनमीक्षते। न रूपमालोकयते। न कुलक्रममनुवर्तते। न शीलं पश्यति। न वैदग्ध्यं गणयति। न श्रुतमाकर्णयति। न धर्ममनुरुध्यते। न त्यागमादियते। न लक्षणं प्रमाणीकरोति। गन्धर्वनगरलेखेव पश्यत एव नश्यति।
12. पुरः पतांक्ष सर्वविनयानाम्। उत्पत्तिर्निम्नगा क्रोधावेगग्राहाणाम्। आपानभूमिर्विषयमधूनाम्। सद्गीतशाला भ्रूविकारनाट्यानाम्। आवासदरी दोषाशीविषाणाम्। उत्सारणवेत्रलता सत्पुरुषव्यवहाराणाम्। अकालप्रावृड् गुणकलहंसकानाम्।

अथवा

स्वप्नवासवदत्तम्

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः

1×5=5

अधोलिखितानां प्रश्नानां समीचीनं विकल्पं चिनुत-

1. स्वप्नवासवदत्तस्य नाटकस्य प्रणेता कः?
   (क) बाणः (ख) दण्डी (ग) हर्षः (घ) भासः
2. यौगन्धरायणः कः वर्त्तते?
   (क) अमात्यः (ख) राजा (ग) युवराजः (घ) महामन्त्री
3. अवन्तिका का विद्यते?
   (क) पद्मावती (ख) विजया (ग) अङ्गारवती (घ) वासवदत्ता
4. घोषवती कस्याः नाम?
   (क) दुर्गायाः (ख) लक्ष्म्याः (ग) वीणायाः (घ) सरस्वत्याः
5. उदयनस्य पितुर्नाम किमासीत्?
   (क) महासेनः (ख) आरुणिः (ग) रुमण्वान् (घ) वसन्तकः

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः

3×4=12

सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः-

6. महाकवेः भासस्य परिचयं लिखत।
7. स्वप्नवासवदत्तस्य चतुर्थाङ्कस्य सारं लिखत।
8. नान्द्याः किं लक्षणम्।
9. 'कालक्रमेण जगतः परिवर्तमाना चक्रारपंक्तिरिव गच्छति भाग्यपंक्तिः' इतीमां पंक्तिं वर्णयत।

लघूत्तरीयाः प्रश्नाः

4×2=8

द्वयोः श्लोकयोः छन्दोलक्षणपुरस्सरं व्याख्या कार्या-

10. तीर्थोदकानि समिधः कुसुमानि दर्भान् स्वैरं वनादुपनयन्तु तपोधनानि।
    धर्मप्रिया नृपसुता न हि धर्मपीडामिच्छेत् तपस्विषु कुलव्रतमेतदस्याः॥
11. दुःखं त्यक्तुं बद्धमूलोऽनुरागः स्मृत्वा स्मृत्वा याति दुःखं नवत्वम्।
    यात्रा त्वेषा यद् विमुच्येह बाष्पं प्राप्ताऽऽवृत्त्या याति बुद्धिः प्रसादम्॥
12. ऋज्वायतां हि मुखतोरणतोलमालां भ्रष्टां क्षितौ त्यमवगच्छति मूर्ख! सर्पम्।
    मन्दानिलेन निशि या परिवर्तमाना किञ्चित् करोतिभुजगस्य विचेष्टितानि॥

खण्ड 'ब' (सर्वेषां कृते अनिवार्यः)

13. द्वयोः अलङ्कारयोः सोदाहरणं वर्णनं कुरुत- 4×2=8
    उपमा, अतिशयोक्तिः वक्रोक्तिः

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः

1×5=5

अधोलिखितानां प्रश्नानां समेषां समीचीनं विकल्पं चिनुत-

14. मुक्ताशुक्तिप्रदर्शनस्य रचनाकालः-
    (क) 1937 वि.सं. (ख) 1927 वि.सं. (ग) 1938 वि.सं. (घ) 1929 वि.सं.
15. सारथिः तुरगैः रथे वाहयति इत्यत्र अशुद्धं पदं किम्?
    (क) सारथिः (ख) तुरगैः (ग) रथे (घ) वाहयति
16. अस्य युवकस्य मुखे राजवर्चो भासते इत्यत्र शुद्धं पदं लिखत-
    (क) राजवर्चसः (ख) राजवर्चसेन (ग) राजवर्चम् (घ) राजवर्चे
17. देवत्राहि सदा भक्त्या वयं वन्दामहे मुहुः इत्यत्र देवत्राहि पदस्य विग्रहः कः?
    (क) देव+त्राहि (ख) देवत्रा+हि (ग) देवत्र+आहि (घ) दे+वत्राहि
18. 'महर्घे' इत्यस्य शुद्धं रूपं किम्?
    (क) महद्घे (ख) महार्घे (ग) माहर्घे (घ) महार्घै

लघूत्तरीयाः प्रश्नाः

4×3=12

सर्वेषां व्याख्या कार्या-

19. उत्तरस्यां दक्षिणस्यां च ध्रुवौ स्तः, पूर्वस्यां पश्चिमस्यां च ... रवेरुदयास्तौ।
20. पम्पासरसि रामेण सस्नेहं सविलासया।
    सीतया किं कृतं सार्द्धमत्रैवोत्तरमीक्ष्यताम्॥
21. प्रमोदं जनयत्येव सदारा गृहमेधिनः।
    यदि धर्मश्च कामश्च भवेतां सङ्गतावुभौ॥

क्रमशः

Scanned with OKEN Scanner

(262 : खण्ड-ख)

खण्ड 'अ' (सर्वेषां कृते अनिवार्यः)

खण्ड 'अ'

रचनानुवादकौमुदी

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः

अधोलिखितानां प्रश्नानां समीचीनं विकल्पं चिनुत- 1×5=5

1. 'पगडी' इत्यस्य संस्कृतार्थं कः?
   (क) अधोवस्त्रम् (ख) मुखप्रोक्षणम् (ग) उष्णीषम् (घ) अधानम्
2. 'व्योमन्' इत्यस्य सप्तम्यां रूपं नास्ति-
   (क) व्योम्नः (ख) व्योमनि (ग) व्योम्नि (घ) व्योम्नोः
3. 'अहं पाठं शक्नोमि' अत्र अशुद्धं पदं किम्?
   (क) अहम् (ख) पाठम् (ग) शक्नोमि (घ) न किमपि
4. 'विद्वस्' शब्दात्ष्यञ्-प्रत्यये कृते किं रूपम्?
   (क) वैदुष्यम् (ख) विदुष्यम् (ग) वैद्वस्यम् (घ) विदुस्यम्
5. 'तत्र जातः' इत्यस्मिन्नर्थे सुघ्न-शब्दात् अण्प्रत्यये कृते किं रूपम्-
   (क) स्रौघ्नः (ख) सुघ्नः (ग) सौघ्नः (घ) सुघ्ने

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः 2×3=6

6. मन् धातोः लङ्लकारस्य मध्यमपुरुषे रूपाणि लिखत।

अथवा

शप्या शब्दस्य सप्तम्यां रूपाणिं लिखत।

7. 'शताब्दी' इत्यत्र कः समासः?
8. स त्वं अहं च .....(हस्)। इत्यत्र क्रियायाः कः पुरुषः प्रयोक्तव्यः?

लघूत्तरीयाः प्रश्नाः

9. संस्कृतेऽनुवादः कार्यः- 4
   (क) राम विद्यालय जाकर परिश्रम से पढ़ता है।
   (ख) गुरु छात्र से प्रश्न पूछता है।

   अथवा

   हिन्यामनुवादो विधेयः-
   विद्या ददाति विनयं विनयाद्याति पात्रताम्।
   पात्रत्वाद्धनमाप्नोति धनाद्धर्मं ततः सुखम्।।
10. अनुशासनम्, अस्माकं देशः, संस्कृतभाषा विषयेषु कमप्येकविषयमवलम्ब्य लघुनिबन्धो लेख्यः। 5

खण्ड 'ब'

मध्यसिद्धान्तकौमुदी

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः

अधोलिखितानां प्रश्नानां समीचीनं विकल्पं चिनुत- 1×5=5

11. 'त्रिलोकी' इत्यत्र कः स्त्रीप्रत्ययः?
    (क) ङीप् (ख) टीप् (ग) ङीन (घ) इनि
12. 'कुरीषगन्ध्या' इत्यत्र कः स्त्रीप्रत्ययः?
    (क) टाप् (ख) ङाप् (ग) ष्णप् (घ) टा
13. आदित्यशब्दात् कः प्रत्ययः?
    (क) यत् (ख) ण्यः (ग) क्यप् (घ) ण्यत्
14. 'अश्वादिभ्यः' कः प्रत्ययो भवति?
    (क) ढक् (ख) ढञ् (ग) फक् (घ) फञ्
15. धातुरर्थिकेषु न भवति-
    (क) तेन क्रीतम् (ख) तेन निर्वृत्तम् (ग) तस्य (घ) अदूरभवश्च

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः 3×3=9

16. 'वैयाकरणः' इतीदं पदं साधयत।
17. 'ङाबुभाभ्यामन्यतरस्याम्' इत्यस्य सोदाहरणं अर्थं लिखत।
18. 'भवन्ती' इतीदं पदं साधयत।

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः

सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः। 8×2=16

19. मादुपधायाश्च मतोर्वोऽयवादिभ्यः, नद्यादिभ्यो ढक् इत्येतयोः व्याख्या कार्या।
20. राष्ट्रावारपाराद् घखौ, तस्य भावस्त्यतलौ इत्येतयोः व्याख्या कार्या।

अथवा

अणिञोरनार्षयोर्गुरूपोत्तमयोः ष्यङ् गोत्रे, अत इनिठनौ इत्येतयोः व्याख्या कार्या।

अथवा

लघुसिद्धान्तकौमुदी

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः

अधोलिखितानां प्रश्नानां समुचितं विकल्पं चिनुत- 1×5=5

11. 'प्रतिविपाशम्' इत्यत्र कः समासान्तप्रत्ययः?
    (क) टच् (ख) षच् (ग) अप् (घ) कप्
12. 'नर्त्तकी' इत्यत्र कः स्त्रीप्रत्ययः?
    (क) ङीप् (ख) ङीष् (ग) ङीन् (घ) णिनि

क्रमशः

Scanned with OKEN Scanner

13. सम्बोधने का विभक्तिर्भवति?
(क) प्रथमा (ख) द्वितीया (ग) तृतीया (घ) चतुर्थी

14. 'ग्रामजनबन्धुभ्यस्तल्' इत्यनेन कस्मिन्नर्थे तल्प्रत्ययः भवति?
(क) अपत्ये (ख) कर्मणि (ग) भावे (घ) समूहे

15. अनश्वः इत्यत्र नुडागमः केन सूत्रेण?
(क) तस्मान्नुड् ह्रिहलः (ख) तस्मान्नुडचि
(ग) ह्रस्वनद्यापो नुट् (घ) तस्माच्छसोनः पुंसि

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः 3×3=9

सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।

16. 'अग्निगोपम्' इतीदं पदं साधयत।

17. 'शालीयः' इतीदं रूपं साधयत।

18. आधारः कतिविधः? सोदाहरणं विवेचयत।

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः 8×2=16

सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।

19. तृतीया तत्कृतार्थेन गुणवचनेन, पुंयोगादाख्यायाम् इत्येतयोः व्याख्या कार्या।

20. तदस्मिन्नस्तीति देशे तन्नाम्नि, उगवादिभ्यो यत् इत्येतयोः व्याख्या विधेया।

अथवा

आत्मन्विश्वजनभोगोत्तरपदात् खः, उपपदमतिङ् इत्येतयोः व्याख्या विधेया।

अथवा

वैशेषिकदर्शनम्

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः 1×5=5

समुचितं विकल्पं चिनुत-

11. वैशेषिकदर्शनस्य रचनाकारः कः?
(क) जैमिनी (ख) कणाद (ग) कपिल (घ) गौतम

12. वैशेषिक दर्शनानुसारं कति पदार्थाः स्वीकृताः?
(क) 16 (ख) 25 (ग) 6 (घ) 8

13. समवायिकारणं किम्?
(क) द्रव्यम् (ख) गुणः (ग) कर्म (घ) समवायः

14. क्रियायाः अधः प्रवृत्तिर्भवति?
(क) उत्क्षेपणम् (ख) अवक्षेपणम् (ग) गमनम् (घ) आकुञ्चनम्

15. संयोगविभागवेगानां सामान्यं कारणं किम्?
(क) द्रव्यम् (ख) गुणः (ग) कर्म (घ) समवायः

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः 3×3=9

सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः-

16. 'कर्म कर्मसाध्यं न विद्यते।' इतीदं सूत्रं लिखत।

17. 'गुरुत्वप्रयत्नसंयोगानामुत्क्षेपणम्' इत्यस्य व्याख्या कार्या।

18. 'अन्यत्रान्त्येभ्यो विशेषेभ्यः' इदं सूत्रं लिखत।

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः 8×2=16

अधोलिखितयोः सूत्रयोः व्याख्या कार्या-

19. सदनित्यं द्रव्यवत् कार्यं कारणं सामान्यविशेषवदिति द्रव्यगुणकर्मणामविशेषः।

20. न द्रव्याणां कर्म, व्यतिरेकात्।

अथवा

सदिति लिङ्गाविशेषाद् विशेषाभावाच्चैको भवः।

अथवा

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः 1×5=5

11. अनुमितौ व्याप्तिज्ञानं किं भवति?
(क) करणम् (ख) व्यापारः (ग) परामर्शः (घ) व्याप्तिः

12. व्याप्यस्य पक्षवृत्तित्वधीः ..... उच्यते-
(क) व्यापारः (ख) परामर्शः (ग) अनुमा (घ) व्याप्ति

13. 'वह्निमान् धूमात्' अत्र साध्यः किमस्ति?
(क) महानसः (ख) पर्वतः (ग) वह्निः (घ) ह्रदः

14. 'मठोदण्डिमान्' इत्यत्र साध्यावच्छेदकं किं भवति?
(क) मठः (ख) दण्डः (ग) दण्डिसंयोगः (घ) दण्डि

15. 'सिषाधयिषया शून्या सिद्धिर्यत्र न विद्यते' इत्यत्र यत्र इति पदेन किं गृह्यते?
(क) विपक्षः (ख) सपक्षः (ग) पक्षः (घ) अपक्षः

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः 3×3=

सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।

16. व्याप्तिः साध्यवदन्यस्मिन्नसम्बन्ध उदाहृतः इत्यस्य अर्थं लिखत।

17. अभावश्च प्रतियोगिव्यधिकरणो बोध्यः इतीदं वर्णयत।

18. असाधारणस्य उदाहरणं स्पष्टयत।

क्रमः

Scanned with OKEN Scanner

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः

व्याख्या विधेया- 8×2=16

19. अनागतादिलिङ्गेन न स्यादनुमितिस्तथा।
20. अनैकान्तो विरुद्धचाश्प्यसिद्धः प्रतिपक्षितः।
    कालात्ययापदिष्टश्च हेत्वाभासास्तु पञ्चधा।।

अथवा

साध्यशून्यो यत्र पक्षस्त्वसौ बाध उदाहृतः।
उत्पन्तिकालीनघटे गन्धादिर्यत्र साध्यते।।

-- 0 --

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्नपत्र संकेतांक - 707 विषय कोड - 273

2024 ई. वर्षे
उत्तरमध्यमा द्वितीयवर्षे परीक्षायाम्
प्राचीन व्याकरण विषये प्रश्नाः

समयः — 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णाङ्काः — 100

निर्देशः- प्रारम्भे पञ्चदशकलाः (15 मिनट) परीक्षार्थिनां कृते प्रश्नपत्रपठनार्थं निर्धारिताः सन्ति। यथानिर्देशं सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः। प्रश्नानां पुरोऽङ्काः अङ्किताः सन्ति।

(273 : खण्ड-क)

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः 1×5=5

1. लिटिधातोरनभ्यासस्य इति सूत्रेण किं भवति?
   (अ) अभ्यास संज्ञा (ब) अभ्यस्त संज्ञा (स) द्वित्वम्
2. लङ्लकारस्य रूपं अस्ति?
   (अ) अदेवीत् (ब) अदीव्यत् (स) अदेविष्यत्
3. पिपर्ति इत्यत्र लकारः अस्ति?
   (अ) लट् (ब) लोट् (स) लिट्
4. आख्यात पदस्य कोऽर्थः?
   (अ) तिङ्. (ब) तद्धितः (स) कृत्
5. दधाति कस्य धातोः रूपम्?
   (अ) दध (ब) धा (स) दधा

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः 1×5=5

6. पदन्नोमास्ह्न्नि - इति सूत्रं पूरणीयम्।
7. प्रच्छ धातु कस्मिन्नर्थे विद्यते?
8. भुज धातोः लट्लकारे प्रथमपुरुषे रूपाणि लिखत।
9. सम्प्रसारण संज्ञा केन सूत्रेण भवति?
10. अनश्वः इत्यत्र कः समासः?

लघूत्तरीयाः प्रश्नाः 5×4=20

11. एरनेकाचोऽसंयोगपूर्वस्य, न भूसुधियोः सूत्रयोः टिप्पणी अष्टाध्यायी भाष्यानुसारिणी लेख्या।
12. ईछति, चिणो लुक् सूत्रयोः अष्टाध्यायी भाष्यानुसारिणी व्याख्या कार्या।

क्रमशः

Scanned with OKEN Scanner

म भूसुधियो, ई हल्यघोः सूत्रयोः टिप्पणी अष्टाध्यायी भाष्यानुसारेण देया।
अनद्यतनेलङ्, लिट् च सूत्रयोः काशिकानुसारि व्याख्या कार्या।

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः 10×2=20

विनोति, अबोधि, नर्तिष्यति, दीव्यतु, ततानु, चोरयाञ्चकार अरुणत्-अरुणद्, एतेषु प्रयोगेषु ऋणः प्रयोगाः साधनीयाः।
न सम्प्रसारणे सम्प्रसारणम्, अनुदात्तस्य चर्दुपधस्यान्यतरयाम्, धातोस्तन्निमित्तस्यैव, नामन्यतरस्याम्, हस्वनुड्भ्यां मतुप् एतेषु सूत्रद्वयस्य अष्टाध्यायी भाष्यानुसारि व्याख्या करणीया।

अथवा

उपरिलिखितेषु द्वयोः सूत्रयोः काशिकानुसारिणी व्याख्या करणीया।

(274 : खण्ड-ख)

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः 1×5=5

युस्मभ्यम् इत्यत्र का विभक्तिः?
(अ) चतुर्थी (ब) पञ्चमी (स) षष्ठी
आदिरञ्च सूत्रेण किं भवति?
(अ) इडागमः (ब) इड्निषेधः (स) इड्विकल्पः
हनिष्यति इत्यत्र केन सूत्रेण इडागमः?
(अ) आर्धधातुकस्येड्वलादेः (ब) अच्तो भारद्वाजस्य (स) अच्छनोः स्ये
पथः इत्यत्र का विभक्तिः?
(अ) प्रथमा (ब) द्वितीया (स) तृतीया
क्रोष्टुः इत्यत्र का विभक्तिः?
(अ) प्रथमा (ब) द्वितीया (स) पञ्चमी

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः 1×5=5

इकोऽचि विभक्तौ इत्यनेन सूत्रेण किं भवति?
चतुरनडुहोरामुदात्तः सूत्रस्य उदाहरणं लेखनीयम्।
अनड्वान् सौ इत्यनेन सूत्रेण किं भवति?
युस्माभिः इत्यत्र का विभक्तिः?
विदेः शतुर्वसुः सूत्रस्योदाहरणं लेखनीयम्।

लघूत्तरीयाः प्रश्नाः 5×4=20

11. सर्वस्मिन्, शेरते, युस्माकम्, गार्गीयः, अष्टौ, अनैषीत्, पट्, पड् इत्येतेषु किमप्युदाहरणद्वयं काशिकामाश्रित्य अथवा अष्टाध्यायीभाष्यमाश्रित्य साधनीयम्।
12. ज्ञानानि, सर्वेषाम्, ररन्थुः, अतलम्भत्, सुधिना इत्येतेषु किमप्युदाहरणद्वयं नामिकमाश्रित्य साधनीयम्।
13. गार्गीयः, अष्टौ, अनैषीत् इत्येतेषु किमप्युदाहरणद्वयं काशिकामाश्रित्य अथवा अष्टाध्यायी भाष्यमाश्रित्य साधनीयम्।
14. अलम्भत्, सुधिना, तव इत्येतेषु किमप्युदाहरणद्वयं नामिकमाश्रित्य साधनीयम्।

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः 10×2=20

15. ह्रसिड्यो स्मात्स्मनौ, अष्टाभ्य औश्, तुष्टयोस्तातङ्ङाशिष्यन्यतरस्याम् हस्वनद्यापो नुट्, अतो हलादेर्लघोः भोज्यं भक्ष्ये इत्येतेषु किमपि सूत्रद्वयं काशिकामाश्रित्य अथवा अष्टाध्यायीभाष्यमाश्रित्य सोदाहरणं व्याख्यायताम्।
16. षट्चतुर्भ्यश्च, युजेरसमासे, इकोऽचि विभक्तौ, रायो हलि, साम आव, आत औ णलः इत्येतेषु कानिचित् चत्वारि सूत्राणि नामिकमाश्रित्य सोदाहरणं व्याख्यायताम्।

-- 0 --

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्नपत्र संकेतांक - 707 विषय कोड - 273

2024 ई. वर्षे
उत्तरमध्यमा द्वितीयवर्षे परीक्षायाम्
प्राचीन व्याकरण विषये प्रश्नाः

समयः — 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णाङ्काः — 100

निर्देशः- प्रारम्भे पञ्चदशकलाः (15 मिनट) परीक्षार्थिनां कृते प्रश्नपत्रपठनार्थं निर्धारिताः सन्ति। यथानिर्देशं सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः। प्रश्नानां पुरोऽङ्काः अङ्किताः सन्ति।

(273 : खण्ड-क)

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः 1×5=5

1. लिटिधातोरनभ्यासस्य इति सूत्रेण किं भवति?
   (अ) अभ्यास संज्ञा (ब) अभ्यस्त संज्ञा (स) द्वित्वम्
2. लङ्लकारस्य रूपं अस्ति?
   (अ) अदेवीत् (ब) अदीव्यत् (स) अदेविष्यत्
3. पिपर्ति इत्यत्र लकारः अस्ति?
   (अ) लट् (ब) लोट् (स) लिट्
4. आख्यात पदस्य कोऽर्थः?
   (अ) तिङ्. (ब) तद्धितः (स) कृत्
5. दधाति कस्य धातोः रूपम्?
   (अ) दध (ब) धा (स) दधा

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः 1×5=5

6. पदन्नोमास्ह्न्नि - इति सूत्रं पूरणीयम्।
7. प्रच्छ धातु कस्मिन्नर्थे विद्यते?
8. भुज धातोः लट्लकारे प्रथमपुरुषे रूपाणि लिखत।
9. सम्प्रसारण संज्ञा केन सूत्रेण भवति?
10. अनश्वः इत्यत्र कः समासः?

लघूत्तरीयाः प्रश्नाः 5×4=20

11. एरनेकाचोऽसंयोगपूर्वस्य, न भूसुधियोः सूत्रयोः टिप्पणी अष्टाध्यायी भाष्यानुसारिणी लेख्या।
12. ईछति, चिणो लुक् सूत्रयोः अष्टाध्यायी भाष्यानुसारिणी व्याख्या कार्या।

क्रमशः

Scanned with OKEN Scanner

ङ भूसुधियो, ईं हल्यघोः सूत्रयोः टिप्पणी अष्टाध्यायी भाष्यानुसारेण देया।
अनद्यतनेलङ्, लिट् च सूत्रयोः काशिकानुसारि व्याख्या कार्या।

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः 10×2=20

विनोति, अबोधि, नीतिर्ध्यति, दीत्यतु, ततान्, घोरमाञ्चकार अरुणत्-अरुणद्, एतेषु प्रयोगेषु ऋणः प्रयोगाः साधनीयाः।
न सम्प्रसारणे सम्प्रसारणम्, अनुदात्तस्य चर्दुपधस्यान्यतरयाम्, धातोस्तन्निमित्तस्यैव, नामन्यतरस्याम्, हस्वनुड्भ्यां मतुप् एतेषु सूत्रद्वयस्य अष्टाध्यायी भाष्यानुसारि व्याख्या करणीया।

अथवा

उपरिलिखितेषु द्वयोः सूत्रयोः काशिकानुसारिणी व्याख्या करणीया।

(274 : खण्ड-ख)

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः 1×5=5

युस्मभ्यम् इत्यत्र का विभक्तिः?
(अ) चतुर्थी (ब) पञ्चमी (स) षष्ठी
आदिताश्च सूत्रेण किं भवति?
(अ) इडागमः (ब) इड्निषेधः (स) इड्विकल्पः
हनिष्यति इत्यत्र केन सूत्रेण इडागमः?
(अ) आर्धधातुकस्येड्वलादेः (ब) ब्रश्चो भारद्वाजस्य (स) ब्रश्चनोः स्ये
पथः इत्यत्र का विभक्तिः?
(अ) प्रथमा (ब) द्वितीया (स) तृतीया
क्रोष्टुः इत्यत्र का विभक्तिः?
(अ) प्रथमा (ब) द्वितीया (स) पञ्चमी

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः 1×5=5

इकोऽचि विभक्तौ इत्यनेन सूत्रेण किं भवति?
चतुरनडुहोरामुदात्तः सूत्रस्य उदाहरणं लेखनीयम्।
अनड्वान् सौ इत्यनेन सूत्रेण किं भवति?
युस्मामिः इत्यत्र का विभक्तिः?
विदेः शतुर्वसुः सूत्रस्योदाहरणं लेखनीयम्।

लघूत्तरीयाः प्रश्नाः 5×4=20

11. सर्वस्मिन्, शेरते, युस्माकम्, गार्गीयः, अष्टौ, अनैषीत्, षट्, पड् इत्येतेषु किमप्युदाहरणद्वयं काशिकामाश्रित्य अथवा अष्टाध्यायीभाष्यमाश्रित्य साधनीयम्।
12. ज्ञानानि, सर्वेषाम्, ररन्थतुः, अलम्भत्, सुधिना इत्येतेषु किमप्युदाहरणद्वयं नामिकमाश्रित्य साधनीयम्।
13. गार्गीयः, अष्टौ, अनैषीत् इत्येतेषु किमप्युदाहरणद्वयं काशिकामाश्रित्य अथवा अष्टाध्यायी भाष्यमाश्रित्य साधनीयम्।
14. अलम्भत्, सुधिना, तव इत्येतेषु किमप्युदाहरणद्वयं नामिकमाश्रित्य साधनीयम्।

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः 10×2=20

15. ह्रसिङ्यो स्मात्स्मिनौ, अष्टाभ्य औश्, तुष्टयोस्तातङ्ङाशिष्यन्यतरस्याम् हस्वनद्यापो नुट्, अतो हलादेर्लघोः भोज्यं भक्ष्ये इत्येतेषु किमपि सूत्रद्वयं काशिकामाश्रित्य अथवा अष्टाध्यायीभाष्यमाश्रित्य सोदाहरणं व्याख्यायताम्।
16. षट्चतुर्भ्यश्च, पुंवेरसमासे, इकोऽचि विभक्तौ, रायो हलि, साम आव, आत औ णलः इत्येतेषु कानिचित् चत्वारि सूत्राणि नामिकमाश्रित्य सोदाहरणं व्याख्यायताम्।

-- 0 --

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्नपत्र संकेतांक - 709 विषय कोड - 277

2024 ई. वर्षे
उत्तरमध्यमा द्वितीयवर्षे परीक्षायाम्
साहित्य विषये प्रश्नाः

समयः — 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णाङ्काः — 100

निर्देशः- प्रारम्भे पञ्चदशकलाः (15 मिनट) परीक्षार्थिनां कृते प्रश्नपत्रपठनार्थं निर्धारिताः सन्ति। यथानिर्देशं सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः। प्रश्नानां पुरोऽङ्काः अङ्किताः सन्ति।

(277 : खण्ड-क)

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः 1×5=5

1. काव्यमीमांसाग्रन्थस्य प्रणेता कः?

(क) मुबन्धुः (ख) राजशेखर (ग) भारविः (घ) कालिदासः

2. काव्यमीमांसा प्रथमाध्यायास्य नाम किम्?

(क) शास्त्रसंग्रहः (ख) पदक्यवहारः (ग) शास्त्रावेक्षणम् (घ) काव्यमीमांसा

3. काव्यामीमांसायां काव्यपुरुषोत्पतिः वर्णनं कस्मिन् अध्याये वर्तते?

(क) प्रथमाध्याये (ख) द्वितीयाध्याये (ग) तृतीयाध्याये (घ) चतुर्थेध्यायें

4. वेदस्य सप्तममङ्गमस्ति?

(क) अलंकारशास्त्रम् (ख) व्याकरणम् (ग) निरुक्तम् (घ) ज्योतिषम्

5. उपवेदाः सन्ति?

(क) चत्वारः (ख) पञ्च (ग) अष्टौ (घ) सप्त

क्रमशः

Scanned with OKEN Scanner

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः 1×5=5

6. वसन्ततिलका छन्दस्य लक्षणं लिखत।

7. गायत्री छन्दसः प्रथमपादे कति अक्षराणि भवन्ति?

8. काव्यमीमांसाग्रन्थस्य रचनाकारः अस्ति?

9. वेदस्य सप्तम् अङ्गरूपेणः वर्तते।

10. कति गणाः सन्ति?

लघूत्तरीयाः प्रश्नाः 5×4=20

11. गणनामानि लिखत।

12. अर्धसमवृत्तस्य किं लक्षणम्?

13. काव्यं कतिविधं सोदाहरणं लिखत।

14. काव्यमीमांसायां आगतानां प्रकरणानां नामानि लिखत।

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः 10×2=20

15. समवृत्त-अर्धसमवृत्त-विषमवृत्तस्य च लक्षणोदाहरणं लिखत्।

अथवा

काव्यमीमांसायां प्रतिपादितानां अष्टादशप्रकरणानां परिचयोः देयः।

16. काव्यमीमांसा प्रथम-द्वितीयाध्यास्य सारांशः लेखनीयः।

अथवा

वंशस्थस्य तथा मन्द्राक्रान्ताछन्दस्य सोदाहरणं लक्षणं लिखत्।

(278 : खण्ड-ख)

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः 1×5=5

1. भारवेः कृतः ग्रन्थः अस्ति?

(क) किरातार्जुनीयम् (ख) मेघदूतम् (ग) काव्यमीमांसा (घ) रघुवंशम्

2. किरातार्जुनीये शिवः कस्य वेशधारी आसीत्?

(क) नर्तकी (ख) किरातः (ग) मृगः (घ) धनुर्धारी

3. अलकाधिपतिः अस्तिः?

(क) कुबेरः (ख) इन्द्रः (ग) गणेशः (घ) विष्णुः

4. अर्जुनः नायकः अस्ति?

(क) रघुवंशे (ख) किरातार्जुनीये (ग) मेघदूते (घ) कुमारसम्भवे

5. शिवः प्रतिनायकरूपेण कस्मिन काव्ये आसन्?

(क) किरातार्जुनीये (ख) वाल्मीकिरामायणे (ग) रघुवंशे (घ) शिशुपालवधे

क्रमशः

Scanned with OKEN Scanner

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः 1×5=5

6. अर्धंगीरयं कस्य कवेः प्रसिद्धं अस्ति?

7. किरातार्जुनीयम् पदस्य व्युत्पत्तिः किम्?

8. किरातार्जुनीयं इत्यत्र कः प्रत्ययः?

9. किरातार्जुनीयम् काव्ये कति सर्गाः?

10. युधिष्ठिरः इत्यत्र कः समासः अस्ति?

लघूत्तरीयाः प्रश्नाः 5×4=20

11. कविकृतशरदवर्णनं क्रियताम्।

12. महर्षिव्यासस्य वर्णनं क्रियताम्।

13. अर्जुन-द्रौपदीमिलनं निरूप्यताम्।

14. महाकविः भारवेः परिचयो लेख्यः।

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः 10×2=20

अधोलिखितानां श्लोकानां सप्रसङ्गं व्याख्या कार्या-

15. अनाप्तपुण्योपचयैर्दुरापा, फलस्य निर्धूतरजाः सवित्री।

तुल्या भवद्दर्शनसम्पदेषा वृष्टेर्दिवोवीतबलाहकायाः।।

अथवा

चिचीषतां जन्मवतां अलभ्यौ यशोऽर्थतत्त्वं उभयत्रभूतिम्।

अभ्यर्हिता बन्धुषु तुल्यरूपा वृत्तिर्विशेषेण तपोधनानाम्।।

16. यशोऽधिगन्तुं सुखलिप्सया वा, मनुष्यसंख्यामतिवर्तितुं वा।

निरुत्सुकानामभियोगभाजां, समुत्सुकेवाङ्कमुपैति सिद्धिः।।

अथवा

हिमालयस्य शोभावर्णनं क्रियताम्।

-- 0 --

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्नपत्र संकेतांक - 731 विषय कोड - 311

2024 ई. वर्षे
उत्तरमध्यमा द्वितीयवर्षे परीक्षायाम्
इतिहास विषये प्रश्नाः

समयः — 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णाङ्काः — 100

निर्देश- प्रारम्भ के 15 मिनट विद्यार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नपत्र छः खण्डों में विभाजित है। सभी प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न

सही विकल्प चुनकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए। 1×10=10

1. किस पुरास्थल को मृतको काठिला कहा जाता है?

(अ) हड़प्पा (ब) मोहनजोदड़ो (स) लोथल (द) कालिवंगा

2. निम्न में से किसके अभिलेखों में राजा को देवानाम्प्रिय (देवताओ का प्रिय) बताया गया है?

(अ) अशोक (ब) विक्रमादित्य (स) चन्द्रगुप्त (द) समुद्रगुप्त

3. निम्न में से कौन सा विवाह सर्वश्रेष्ठ माना जाता है?

(अ) प्रजापत्य (ब) गन्धर्व (स) देव (द) ब्रह्म

4. साँची का स्तूप किसने निर्मित कराया था?

(अ) कनिष्क (ब) अशोक (स) चन्द्रगुप्त (द) बिन्दुसार

क्रमशः

Scanned with OKEN Scanner

5. किताब-उल-हिन्द के लेखक थे-

(अ) अलबरूनी (ब) बारबोसा (स) इब्नबतूता (द) बर्नियर

6. खालसा पंथ के संस्थापक थे-

(अ) गुरु तेगबहादुर (ब) गुरु अर्जुनदेव (स) गुरु गोविन्दसिंह (द) गुरु नानक

7. विजयनगर साम्राज्य की स्थापना कब हुई थी?

(अ) 1360 ई. (ब) 1380 ई. (स) 1340 ई. (द) 1336 ई.

8. सुलह-ए-कुल की नीति किसने अपनायी?

(अ) बाबर (ब) जहाँगीर (स) हुमायूँ (द) अकबर

9. व्यपगत नीति किससे सम्बन्धित है?

(अ) लार्ड डलहौजी (ब) वेलेजली (स) लार्ड कैनिंग (द) लार्ड कर्जन

10. सती प्रथा का उन्मूलन किस वर्ष हुआ था?

(अ) 1829 ई. (ब) 1830 ई. (स) 1829 ई. (द) 1857 ई.

अति लघु उत्तरीय प्रश्न 1×10=1(

11. 1857 ई. में क्रान्ति की शुरूआत कब और कहाँ से हुयी?

12. गाँधी-इरविन समझौता कब हुआ?

13. संविधान सभा का गठन कब किया गया था?

14. विवाह कितने प्रकार के होते हैं?

15. श्रेणी से क्या आशय है?

16. अष्टाध्यायी किसकी रचना है?

17. जैन धर्म में कौन-कौन से महाव्रत हैं?

18. चिश्ती सम्प्रदाय के दो संतो के नाम लिखो।

19. महायान किसे कहते हैं?

20. दाण्डी मार्च कब किया गया?

लघु उत्तरीय प्रश्न 5×8=40

21. हड़प्पा सभ्यता का नगर नियोजन का परिचय दीजिए।

22. मेगस्थनीज कौन था? टिप्पणी लिखो।

23. इस्लाम के पाँच सिद्धान्त क्या थे?

24. महानवमी डिब्बा से सम्बन्धित अनुष्ठानों का क्या महत्व है?

25. असहयोग आन्दोलन का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

26. लिपि घर पर टिप्पणी लिखो।

क्रमशः

Scanned with OKEN Scanner

27. सम्पत्ति पर स्त्री के अधिकारों को समझाइए।

28. संविधान सभा पर टिप्पणी लिखो।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 10×2=20

29. अशोक कौन था? उसकी उपलब्धियाँ बताइए।

अथवा

महावीर कौन थे? उनकी शिक्षाएं क्या थीं?

30. अकबर की भू राजस्व नीति की व्याख्या कीजिए।

अथवा

1857 ई. प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम के क्या कारण थे? परिचय दीजिए।

ऐतिहासिक घटनाक्रम 1×10=10

31. निम्नलिखित ऐतिहासिक तिथियों से सम्बन्धित घटनाओं का उल्लेख कीजिए-

(क) 563 ई.पू. (ख) 261 ई.पू.

(ग) 58 ई. (घ) 78 ई.

(ङ) 399 ई. (च) 1025 ई.

(छ) 1336 ई. (ज) 1605 ई.

(झ) 1919 ई. (ञ) 1946 ई.

मानचित्र कार्य 2×5=10

32. भारत के दिए गए मानचित्र में निम्न को दर्शाइए-

(क) दिल्ली (ख) प्रयागराज

(ग) बैरकपुर (घ) अजमेर

(ङ) आगरा

-- 0 --

Scanned with OKEN Scanner

उ0मा0 II कक्षा–12

हिन्दी

	प्रश्न	अंक
हिन्दी गद्य का उद्भव एवं विकास (शुक्ल युग, शुक्लोत्तर युग) हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएं– निबन्ध, उपन्यास, कहानी, आलोचना आदि।	5	5
हिन्दी काव्य सहित का विकास (आधुनिक काल भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, नयी कविता आदि)	5	5
हिन्दी गद्यांश पर आधारित प्रश्न	5	10
हिन्दी पद्यांश पर आधारित प्रश्न	5	10
लेखकों का साहित्यिक परिचय, जीवनी, कृतियां तथा भाषा शैली	1	5
कवियों का साहित्यिक परिचय, जीवनी, कृतियां, साहित्यिक विशेषताएं	1	5
कहानी– चरित्र चित्रण, कहानी के तत्व एवं तथ्यों पर आधारित प्रश्न	1	5
खण्ड काव्य– विशेषताएं, पात्रों, चरित्र चित्रण, प्रमुख घटनाओं पर आधारित प्रश्न	1	5
	24	50
काव्य सौन्दर्य के तत्व		
रस (सभी) परिभाषा, उदाहरण	1	4
अलंकार : शब्दालंकार– अनुप्रास, यमक, श्लेष अर्थालंकार– उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, सन्देह, भ्रान्तिमान अन्वय, प्रतीप, दृष्टान्त, अतिशयोक्ति	1	4
छन्द : मात्रिक– चौपाई, दोहा, सोरठा, रोला, कुण्डलिया, हरिगीतिका, बरवै। वर्णवृत्त– इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, सवैया, मालिनी, सुमुखी, सुन्दरी, वसन्ततिलका। मुक्तक– मनहर	1	4
निबन्ध लेखन : दिए हुए विषय पर मौलिक अभिव्यक्ति (जनसंख्या, पर्यावरण, स्वास्थ्य शिक्षा आदि विषय)	1	10
लोकोक्तियाँ तथा मुहावरे	1	2
अ– शब्दों के सूक्ष्म अन्तर ब– अनेकार्थी शब्द स– अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (वाक्यांश) द– वाक्यों में त्रुटिमार्जन (लिंग, वचन, कारण, काल एवं वर्तनी सम्बन्धी त्रुटियां)	1	8
पत्र लेखन (नियुक्ति के लिए आवेदन पत्र, अपने ग्राम, नगर की सफाई हेतु सम्बन्धित अधिकारी को पत्र)	1	8
जीवन सन्दर्भों से जुड़ी घटनाओं और स्थितियों पर फीचर लेखन, स्वच्छ भारत समाचार लेखन	1	8
समास : अव्ययीभाव, कर्मधारय, बहुब्रीहि		
	32	100

गद्य :	
वासुदेव शरण अग्रवाल	राष्ट्र का स्वरूप
कन्हैया लाल मिश्र	राबर्ट नर्सिंग होम में
डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी	अशोक के फूल
पं0 दीन दयाल उपाध्याय	सिद्धान्त और नीति के सम्पादित अंश
प्रो0 जी0 सुन्दर रेड्डी	भाषा और आधुनिकता
डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम	तेजस्वी मन के संपादित अंश
जैनेन्द्र कुमार	भाग्य और पुरुषार्थ
हरिशंकर परसाई	निंदा रस
पद्य :	
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	प्रेम माधुरी, यमुना छवि
जगन्नाथ दास रत्नाकर	उद्धव प्रसंग, गंगावतरण
अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	पवन दूतिका
मैथिलीशरण गुप्त	कैकेयी को अनुताप, गीत
जयशंकर प्रसाद	गीत, श्रद्धा–मनु
सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला	बादल राग, सन्ध्या सुन्दरी
सुमित्रानन्दन पन्त	नौका विहार, बापू के प्रति, परिवर्तन
महादेवी वर्मा	गीत
रामधारी सिंह दिनकर	अनिल्य मनुष्य, पुरुरवा, उर्वशी
सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय	मैंने आहुति बनकर देखा, हिरोशिमा
नरेन्द्र शर्मा	मधु की एक बूंद
भवानी प्रसाद मिश्र	बूंद टपकी एक नभ से
गजानन माधव मुक्तिबोध	मुझे कदम–कदम पर
गिरिजा कुमार माथुर	चित्रमय धरती
धर्मवीर भारती	सांझ के बादल
कथा साहित्य	
फणीश्वरनाथ रेणु	पंचलाइट
अमरकांत	बहादुर
शिव प्रसाद सिंह	कर्मनाशा की हार
भीष्म साहनी	खून का रिश्ता
शिवानी	लाटी
खण्ड काव्य	
श्रवण कुमार	शिव बालक शुक्ल, गौतम बन्धु प्रकाशन, गुडन रोड, लखनऊ

Scanned with OKEN Scanner

!! श्री गणेशाय नमः !!

कार्यालय निरीक्षक संस्कृत पाठशालायें उ0प्र0, प्रयागराज

!! प्रवर्ततां राष्ट्रहिताय संस्कृतम् !!

संस्कृत विद्यालीय अवकाश तालिका वर्ष-2024

जनवरी 2024

1 जनवरी-सोमवार-नववर्ष
4 जनवरी-गुरुवार-अष्टमी
12 जनवरी-शुक्रवार-प्रतिपद
15 जनवरी-सोमवार-मकर संक्रांति
17 जनवरी-बुधवार - गुरुगोविन्द सिंह जयन्ती
18 जनवरी-गुरुवार-अष्टमी
24 जनवरी-बुधवार-जननायक कर्पूरी ठाकुर जयन्ती
25 जनवरी-गुरुवार-हजरत अली जन्म दिवस
26 जनवरी-शुक्रवार-गणतंत्र दिवस/प्रतिपद
29 जनवरी-सोमवार-सकटी गणेश चतुर्थी

फरवरी 2024

3 फरवरी-शनिवार-अष्टमी
9 फरवरी-शुक्रवार-पीरी अमावस्या
10 फरवरी-शनिवार-प्रतिपद
14 फरवरी-बुधवार-बसंत पंचमी
16 फरवरी-शुक्रवार-अचला सप्तमी
17 फरवरी-शनिवार-अष्टमी
24 फरवरी-शनिवार-पासी पूर्णिमा/सतसैतिया जयन्ती
25 फरवरी-रविवार-प्रतिपद
26 फरवरी-सोमवार-शिवरात्रि

मार्च 2024

1 मार्च-शुक्रवार-अष्टमी
8 मार्च-शुक्रवार-महाशिवरात्रि
11 मार्च-सोमवार-प्रतिपद
17 मार्च-रविवार-अष्टमी
20 मार्च-बुधवार-रामनवमी एकादशी
23 मार्च-शुक्रवार से 31 मार्च सोमवार तक-ग्रीष्मकालीन अवकाश
26 मार्च-मंगलवार-प्रतिपद
29 मार्च-शुक्रवार-गुडफ्राइडे

अप्रैल 2024

2 अप्रैल-मंगलवार-अष्टमी
5 अप्रैल-शुक्रवार-महर्षि वाल्मीकि/निषादराज गुह जयन्ती
8 अप्रैल-सोमवार-सोमवती अमावस्या
9 अप्रैल-मंगलवार-प्रतिपद/ चैटीचण्ड जयन्ती
10 अप्रैल-बुधवार-झूलेलाल जयन्ती
11 अप्रैल-गुरुवार-ईद-उल-फितर (ईद)
14 अप्रैल-रविवार-डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जयन्ती/मेष संक्रान्ति
16 अप्रैल-मंगलवार-अष्टमी
17 अप्रैल-बुधवार-राम नवमी
21 अप्रैल-रविवार-महावीर जयन्ती
24 अप्रैल-बुधवार-प्रतिपद

मई 2024

1 मई-बुधवार-अष्टमी
9 मई-गुरुवार-प्रतिपद/लोक नायक महात्मा बुद्ध जयन्ती
10 मई-शुक्रवार-अक्षय तृतीया/परशुराम जयन्ती
16 मई-गुरुवार-अष्टमी
31 मई-जनपदवार-से 30 जून रविवार तक-ग्रीष्मकालीन
23 मई-गुरुवार- बुद्धपूर्णिमा

जुलाई 2024

6 जुलाई-शनिवार-प्रतिपद
14 जुलाई-रविवार-अष्टमी
17 जुलाई-बुधवार-बकरीद (ईदुज्जुहा)
21 जुलाई-रविवार-गुरुपूर्णिमा
22 जुलाई-सोमवार-प्रतिपद
28 जुलाई-रविवार-अष्टमी

अगस्त 2024

5 अगस्त-सोमवार-प्रतिपदा
9 अगस्त-शुक्रवार-कामपवदी
12 अगस्त-सोमवार-अष्टमी
15 अगस्त-गुरुवार-स्वतन्त्रता दिवस
19 अगस्त-सोमवार-रक्षाबन्धन/श्रावणी/संस्कृत दिवस
20 अगस्त-मंगलवार-प्रतिपद
26-27 अगस्त-सोमवार, मंगलवार-श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

सितम्बर 2024

3 सितम्बर-मंगलवार-कुशोत्पाटिनी अमावस्या
4 सितम्बर-बुधवार-प्रतिपद
8 सितम्बर-रविवार-ऋषि पंचमी
11 सितम्बर-बुधवार-अष्टमी
16 सितम्बर-सोमवार-ईद-ए-मिलाद (बारावफात)
17 सितम्बर-मंगलवार-अनन्त चतुर्दशी/विश्वकर्मा जयन्ती
18 सितम्बर-बुधवार-महालयारम्भ
19 सितम्बर-गुरुवार-प्रतिपद
25 सितम्बर- बुधवार-अष्टमी
26 सितम्बर-गुरुवार-मातृनवमी

अक्टूबर 2024

2 अक्टूबर-बुधवार-महात्मा गाँधी जयन्ती
3 अक्टूबर-गुरुवार-प्रतिपदा/महाराजा अग्रसेन जयन्ती
4-12 अक्टूबर-शुक्रवार से शनिवार-शारदीय नवरात्रि अवकाश
17 अक्टूबर-गुरुवार-शरद पूर्णिमा/महर्षि बाल्मीकि जयन्ती
18 अक्टूबर-शुक्रवार-प्रतिपद
24 अक्टूबर-गुरुवार- अष्टमी
29 अक्टूबर-मंगलवार-धनवंतरिपूजा/धनतेरस
30 अक्टूबर-बुधवार से 1 नवम्बर-शुक्रवार तक दीपावली अवकाश/सरदार वल्लभ भाई पटेल जयन्ती/ अन्नकूट गोवर्धनपूजा/यमद्वितीया/भ्रातृ द्वितीया जयन्ती

नवम्बर 2024

2 नवम्बर-शनिवार-प्रतिपद/गोवर्धनपूजा
3 नवम्बर-रविवार-भैयादूज/चित्रगुप्त जयन्ती
7 नवम्बर-गुरुवार-छठपूजा
9 नवम्बर-शनिवार-अष्टमी
10 नवम्बर-रविवार-अक्षय नवमी
12 नवम्बर-मंगलवार-हरिप्रबोधिनी एकादशी
15 नवम्बर-शुक्रवार-कार्तिकपूर्णिमा/गुरुनानक जयन्ती
16 नवम्बर-शनिवार-प्रतिपद/वीरांगना उदादेवी शहीद दिवस
23 नवम्बर-शनिवार-अष्टमी
24 नवम्बर-रविवार-गुरु तेगबहादुर शहीद दिवस

दिसम्बर 2024

2 दिसम्बर-सोमवार-प्रतिपद
8 दिसम्बर-रविवार-अष्टमी
16 दिसम्बर-सोमवार-प्रतिपद
23 दिसम्बर-सोमवार-चौधरी चरण सिंह जयन्ती
25 दिसम्बर-बुधवार-क्रिसमसडे
31 दिसम्बर-मंगलवार-प्रतिपद

(केवल महिलाओं के लिए)

6 जून-गुरुवार-बटसावित्री व्रत
17 जून-सोमवार-वकरीद
22 अगस्त-गुरुवार-बहुला चौथ
24 अगस्त-शनिवार-जन्माष्टमी व्रत
6 सितम्बर-शुक्रवार-हरितालिका तीज व्रत
20 अक्टूबर-रविवार-अन्नकूटोत्सव

संस्थाओं के लिए विशेष निर्देशः-

1. शैक्षिक दिवस पूरे सत्र में 220 दिन होना अनिवार्य है।
2. ग्रीष्मावकाश 21 मई से 30 जून 2024 तक रहेगा।
3. 26 जनवरी, 15 अगस्त एवं 2 अक्टूबर राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाये जायेंगे तथा सभी की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
4. पूरे सत्र में प्रबन्धक / प्रधानाचार्य की स्वेच्छा पर 3 दिनों का अवकाश इस प्रतिबन्ध के साथ अनुमन्य होगा कि 15 दिन पूर्व इसकी सूचना निरीक्षणालय को अनिवार्य रूप से अवश्य दे दी जाय।
5. विद्यालय और महाविद्यालय का समय अप्रैल से सितम्बर प्रातः 7:00 बजे से 12:00 बजे तक तथा शेष माह में 10 बजे से 4 बजे तक रहेगा।
6. चन्द्रग्रहण पर दूसरे दिन तथा सूर्यग्रहण एवं सोमवती अमावस्या पर उसी दिन अवकाश होगा।
7. रक्षाबंधन / श्रावणी संस्कृत दिवस के रूप में मनाया जायेगा।
8. शासन एवं प्रशासन द्वारा घोषित किये गये अवकाश भी मान्य होंगे।

एल.बी.मौर्य
पी.ई.एस.
निरीक्षक
संस्कृत पाठशालायें, उ0प्र0 प्रयागराज

----------**********----------

Scanned with OKEN Scanner